

परमेश्वर

से



संभाषण

Dialogue with God

OPENING THE DOOR TO TWO-WAY PRAYER

Mark & Patti Virkler

1

प्रभु का आवाज सुन लेने केलिये तर्सा

एक अद्भुत दृश्य

मार्क तुम उठो !

मैं गहरी नींद में था ! अचानक मैं ने ऐक अद्भुत आवाज सुना! मैं तुरंत उठके बिस्तर पर बैठा! मैं ने सोचा कि, मैं आज तक ऐसा आजीब की आवाज कभी नहीं सुना! मैं ने सोच लिया कि! यह आवाज प्रभु का है!

मुझे कुछ समझ में नहीं आया ! मैं ने पूछा यह क्या है ?

तुम उठो, मैं तुम मेरा आवाज कैसे पहचानना तुम सिखाता हूँ !

“अदभुत! मैं ने बैठकर सुना रहा, आगे क्या करना है?”

तुम उठो, तुम हर दफ्तर में जावो ! आज रात को तुम मेरी आवाज कैसे पहचानना सिखाता हूँ ! आखिर मैं वह समय केलिये इतना इंतजार कर रहा हूँ ! मैंने प्रभु को मेरे मन में स्वीकार कर लिया ! रात के समय में ! मैं प्रभुका मंदिर में गया ! प्रभुको प्रार्थना करा, मुझे प्रभुने परिशुद्धात्मा का वरदान दिय है ! वह फल केलिये मैं ने कई दिनों से इंतजार कर रहा था ! इसे मैं आखिर तक उसे निभाऊंगा ! मैं ने इसके बारेमें बहुत कुछ अध्यायन किया था ! एक साल इसी के बारेमें होज की प्रार्थना और प्रभु का अवाज के बारेमें ! बहुत अध्यायन किया यह सब किस तरह चार मुख्य सद्बो में विभाजन कर सकते हैं !

मैं इंदर कैसे पहुंचा !

पंद्रह वर्ष में मैं जब प्रभु को स्वीकार किया था ! मेरे उत्साह बढ़ गया ! मैं प्रभु के बारेमें और जान कारि केलिये बैबिल के बारेमें बहुत सीखने केलिये उत्साह बढ़गया ! तीन वर्ष के बाद मेरा नाम ! राबर्ट वेस्लीयन (Robert Wesleyan) कालेज में दाखल करा ! उस

मैं बाचिलर आफ आर्ट डिग्री इन रैलिजियन फ़िलासफ़ी! करने का निश्चय कर लिया!

मैं कालेज में प्रवेश होने के बाद मुझे बहुत अच्छा लगा, बैबिल को अध्यायन किया और अंतर से सीखने केलिये! उत्साह बढ़ गया! बैबिल को अध्यायन करने के बाद मुझे संतुष्ट हुआ! मैं बैबिल बार बार पढ़ा! मुख्य वाक्य को ध्यान किया! इस वाक्य को यूत पास्टर कक्षा में पढ़ाया था! उन दिनों में बैबिल को क्यासेट के रूप में सुनते थे! जो हमें क्यासेट के रूप मिलता तो, पाटि ने खुद बैबिल को पढ़कर उसे क्यासेट पर रिकार्डिंग करती थी! मैं जब काक पर रहता तोन क्यासेट को सुन लेता था!

बैबिल को अध्यायन करना! खोजना और इसके बारेमें अधिक जानकारी लेने में काम हो गया! मेरा जनम साधारण परिवार में होना! मेरा व्यवहार भी सीधा, सादा था! मैं जब प्रभु को स्वीकार किया था, मैं बाप्टिस्ट चर्च जाना शुरू कर दिया! प्रभु की सेवा में आकर्षित हुआ! और मैं पास्टर बन गया! अगर मैं पास्टर नहीं हो तो, मैं किसान होता था! मुझे Dairy farming में बहुत रुचि था! दिन भर काम करना उसे देखना बहुत प्यार करता था!

मैं दिन भर करते हुये भी मैं बैबिल पढ़ना नहीं छोड़ता, उसे अध्यायन करना, खोजना मेरा अभिरुचि था! मैं उसे पढ़कर उसे उपन्यास, करना समझाना मेरा काम था! इस तरह से मैं प्रभु को देखा था! प्रभु का आवाज पहचान किया था, जो भक्तों ने देखा है! वह बिल्कुल सच है! बैबिल में देख, आदिकांड से लेकर प्रकटन तक दिये गये सचमुच सब है! स्त्री और पुरुषों ने प्रभु का वचन और उन का आवाज को सुना है! वह बिल्कुल सच है! इसे पढ़कर मुझे और जिज्ञासा बढ़ गया कि मैं भी प्रभु के बारेमें बहुत ज्ञानकारि लेना यही मेरा स्वप्न था!

मैं प्रभु को पहचानने केलिये बहुत प्रयास किया! इतना गहराईसे कि प्रभु मेरे अंदर प्रवेश होकर मुझ से बात किये और कहे, हलो मार्क यह मेरा आवाज है! मुझे पहचानो! उस समय आकाश में प्रकाश रोशिनी जैसे चमकता था! तेज से हवा चले! इतना तेजी से हवा चले कि उस हवा से किडकी और दरवाजे खुल जाये! उस समय प्रभु मुझे जो कुछ आज्ञा दिये तो, मैं उसे तुरंत अमल करु! मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ! मैं ने जो समझा था मगर प्रभु का आवाज कुछ ही सुन पाया! जो कुछ मैं ने सोचा था, वह सब कलना था! मेरा कुछ लक्ष्य नहीं था! मैं दिन में ख्याच देख रहा था!

सोंचा था कि, अगर मैं अच्छी तरह से वाक्य को पढ़ा था! जब मुझे अच्छा जवाब मिला, मैं बहुत चिंता में पड़ गया! प्रार्थना करने से मुझे कुछ जवाब नहीं मिला! फिर मुझे मिलेगा! जब मैं ने बैबिल से सभी किताबें एक दिन में बैठकर सब पढ़ लिया! फिर भी मुझे कुछ जवाब नहीं मिला! बैबिल में (Isaiah 58:9) पढ़ा, अब हम उपवास कर के अच्छा हृदय से करें! प्रभु को आंसु बहकर प्रार्थना करें प्रभु आवश्यक जवाब देता है! प्रभु का वचन यह कहता है कि अगर हम सच्चे मन से उपवास और प्रार्थन करें तो, इसका जवाब देता है! इस कारण परिशुद्धात्म का शक्ति बढ़ाता है! मैं ने कई दिन और कभी कभी, कई हाफ़ते मैं ने उपवास हो कर प्रार्थन किया था! पर मुझे जवाब नहीं मिला!

मैं ने ग्राड्युएशन क्रिस्टियन लिबेरल आर्ट्स कालेज ग्राड्युएशन पूरा कर दिया! मैं ने इस कालेज में डिप्लोमा पूरा करने के लिये सोंचा था! पर मैं सिर्फ़ डिग्री पूरा कर चुका! फिर भी मेरा लक्ष्य पूरा नहीं हुआ! प्रभु का आवाज उनका जवाब सुन नहीं पाया! बैबिल इस के बारेमें कुछ भी बोला! लोग कितना कुछ कहे! फिर आज तक मुझे इसका जवाब कुछ नहीं मिला!

मैं ने पास्टरल मिनिस्ट्री में प्रवेश किया! मुझे विश्वास है कि मैं लक्ष्य तक पहुंचूंगा! पर यह कैसा हो सकता है! मैं आज तक प्रभु का आवाज नहीं सुना! वह पास्टर कैसा बन सकता है? जरा सोंचिये, जो एक पास्टर होकर, दूसरों को उपदेश करता था! वह भी एक (Full Gospel Charismatic Fellowship) में होकर जरा सोंचिये! एक पास्टर परिशुद्धात्म या परिशुद्धात्म के भाषा (Tongues) में उपन्यास करता है! वह दूसरों को परिशुद्धात्म के बारेमें मुश्किल कैसे हाल कर सकता है? पहला मैं इसके बारेमें बहुत कुछ मालूम चाहिये! मैं आज तक प्रभु का आवाज कभी नहीं सुना! इसके बारेमें लोगों को क्या बोलूंगा, मैं कैसे भाषण दूंगा! लोग इसे गलत सोंचेंगे! मैं इस विषय पर बहुत चिंता था! मेरा भाषण में गलती हुवा, मैं दोषी होजाता हूँ! फिर भी मैं ने हिम्मत नहीं हुवा! मैं इसके बारेमें! खोज करता गया!

मैं ने बैबिल से कुछ वचन को अध्यायन किया कि जो प्रवक्तावो ने प्रभु का आवाज को सुना प्रवक्तावो को जवाब दिया! इसके बारेमें मुझे कुछ प्रश्न मेरे मन में था! मैं ने देखा कि, प्रभुने प्रवक्तावो को जवाब दिया आदिकांड से लेकर प्रकटन तक!

आदाम और हव्वा ने प्रभु का आवाज सुन लिये (Gen 3:8) प्रभु ने अब्राहाम से आवाज दिया (Gen 12:1)

(Ex 4:27)

(Dt. 28:1)

(Jos 1:1)

(Isa 8:1)

(Jer 7:1)

(Ezek 1:3)

(Job 5:30)

(Acts 11:12)

(Rev 1:10,11)

(Heb 12:22,24,25)

मुझे इस बात पर विश्वास है! प्रभु इन भक्तोंको जवाब दिया है! प्रवक्ता ने प्रभु का आवाज पहचाना! उस बात चेला है! वे कभी पर कार्यो किये हैं! उसी तरह मुझे प्रभु का आवाज सुन लेने केलिये तरस रहा हूँ!

मेरा मंदिर मे मै ने ऐक व्यक्ती को देखा! उमर मे बढा था! उन्होंने प्रभु का आवाज सुने! और इस के बारेमे लोगों को उपदेश देरहे है! मुझे बहुत आश्चर्य हुवा! उस शक्ति मे उनका बाषण मे मै ने निश्चय कर लिया! उन से ये बात पूछा, इसके बारेमे मुझे कुछ जानकारी दे, जो मेरे जीवन मे कुछ बदलाव आ सके, जो इतना सालों पर इंतजार था!

मै ने उन से बहुत कुछ सीख लिया! हर एक बात बहुत अच्छा सुन रह हूँ! मै उनका अनुभव को सुना रहा हूँ! पर मुझे सहयोग नही दिया! मै समझा, वह भक्त बहुत खोज से उन्होंने प्रभु का आवाज सुनलिया है!

मै ने जानकारी केलिये बहुत खोषिष किया! पर समजने बहुत मुष्किल होगया है! परिशुद्धात्म के दुनिया मे जानि केलिये एक प्रत्येक रूप से जाना चाहिये! प्रभु का भक्त ने वह मुझे समजाने के अलावा मुझेही प्रश्न पूछा था! क्या तुम को प्रभु का दर्शन मिला? उनका आवाज को कभी सुना? इसके बारेमे कभी उपदेश सुना? अगर इसके बारेमे नहीं मालूम तो

तुम कैसे कह सकते हो कि तुम सब मालूम है? उस कहने पर मैं और उलझन में पड़ गया ! जो कुछ मैं बोलना चाहा था, वह सब भूल गया!

मैं ने यह सोच लिया कि पहले मैं बदलना चाहा था ! हृदय में यह देखने की क्या मैं प्रायश्चित्त किया प्रभु को मेरे दिल में जगा दिया ! पहला मेरे पापों का प्रायश्चित्त कर लेना चाहिये ! मैं प्रभु को मेरे हृदय में जगा दिया था क्योंकि प्रभु मेरा रक्षक है ! जो मेरा मुष्किलों को दूर करता है ! बड़े लोगों ने अनुभवज्ञान मेरे ऊपर हात रखकर प्रार्थना किये है ! इसलिये मैं परिशुद्धात्म पा चुका ! मैं मानता हूँ कि बैबिल एक सच्चा वाक्य है जो अपने को सत्य मार्ग पर चलाता है !

अच्चा मैं मानता हूँ कि मुझे रक्षण मिला है ! फिर इस दुनिया में मुष्किल क्या है ? वजे क्या है ? इस लिये कि मैं इस को बहुत सोचता हूँ ! इसलिये कि मैं ईसायी के बारे में बहुत सोच रहा हूँ ! सब इसायी लोग सोच रहे हैं उसी तरह ये भी सोचा ! शायद मैं प्रभु को बहुत गहराई से नहीं समजा ! जो कुछ मुझे मालूम मैं वह सब करा ! पर कुछ भी फ़ायदा नहीं था ! मैंने कयी प्रसंग सुना पर वह कुछ भी मेरा काम नहीं पूरा किया !

कयी दिनों के बाद मैं ने एक अध्यापक को देखा था, जो बहुत ही मशूर थे, जो राष्ट्रीय स्तर पर मशूर बैबिल के अध्यापक थे ! मैं उनको बहुत आधार करता था ! हमारे मंदिर में प्रश्न पूछा था जैसाकि आप प्रभु के आवाज कैसे पहचान कर सेकते हैं ? मेरा प्रश्न उनको अर्जीच लगा ! क्या लोग इसे प्रभु को आवाज समझते है ? यह सच गलत है ऐसा कुछ भी नहीं है !

मेरा जिज्ञास हर दिन बढते गया ! पर मुझे कई पर जवाब नहीं मिल रहा है ! मैं समझता हूँ, यह मेरा कमजोर नहीं हो रहा था ! जब ऐसा नहीं हो सकता ? मेरा चर्च मेरा साथी इस बात पर लोगों को संबोधित कर रहा है ! सब लोग उपन्यास अच्चा सुन रहे हैं ! मेरा जिज्ञास बढ रहा है !

मैं प्रभु को प्रार्थना कर्ता हूँ ! धन्यावाद करता हूँ ! जो इस बात का स्पष्ट नहीं मालूम प्रभु एशु सारा दुनिया को आगे चला रहे है ! हम सब कितने धन्य हैं ?

बैबिल मे जो महत्व पूर्ण गट वाहुवाटी उसी समय! इस का सही वक्त इस का सही अंदाज नही मालूम था! पर मै आज यह देखना चाहता हूँ! प्रभु ने यह दुनिया को कैसे आगे चला रहे है! मै इसका परवा कर्ता हूँ!

4 कीस: चार मुख्य अंश एक बार एक संघटन हुवा थी! जब मै और मेरा पत्नी पाटि ने एक चोटा सा मीटिंग मे गये! प्रसंग खतम होने के बाद हम किताब खरीद लेने केलिये गये! वहा पर मेरा नजर एक कीताब पर पडा, उसका नाम है, 'इन्नर हीलिंग्' इस किताब को लिखा है 'मेकिल स्कानियन'! वह एक नया संस्था है! इस के बारेमे मुझे कुछ भी नहीं मालूम!

मैं ने इस किताब को खरीद लिया! यह किताब से मुझे बहुत मदत मिला; मैं जो कुछ इस किताब मे पढा, मुझे जवाब और आशीर्वाद मिला! मै समझता हूँ, कई लोग मेरे जैसे जवाब के लिये! मुष्किल उठा रहे हैं यह पुस्तक बहुत लाभदायक होगा! उसके बाद पाटि और मै मिलकर एक रिट्रीट पर गये (Inner Healing) के बारे मे चर्चा हुवा था! इसका प्रसंग फ़ादर डेनिस (Dennis) और माथ्यू लिन (Mattewe Linn) ने दिया है! प्रसंग के बाद इस विषय पर चर्चा किये, कई प्रकार के प्रश्न पूछे प्रभु ने इस मीटिंग् के द्वारा बहुत सहायता किया है!

मै ने प्रार्थना द्वारा कई यहीन था! और बहुत कुछ पढा था! मै ने लगभग 25 किताब पढ चुका हूँ! प्रार्थना के बारेमे कयिचि किताब वह मै ने पढा! मै प्रार्थना पर कयी प्रयोग करा था! वर के अंत मे श्वर ने मुझे जगाया! प्रभु के आवाज से मुझे जगाया (Habakkuk 2:12)! जैसे हबक्कूक प्रवक्ता को प्रभु ने उसका आवाज से जगाया! और बहुत विषय उनको बताया था! व कभी सुना! मै इस विषय को आपको बताना चाहता हूँ! मै हर एक अध्यायन को ध्यान से पढा था! इसे हर दिन जीवन मे प्रार्थना मे इसे कैसे प्रयोग करे!

हबक्कुक (Habakkuk 2:12)

प्रवक्ता, हबक्कुक ने प्रभू का वचन प्रभु का आवाज उनके दिल मे रखा! उन्होंने प्रभु का आवाज को पहचाना और उसे लिखा भी! पहला अर्थ यह है कि, प्रभु का आवाज को पहचानना उनका स्वर को पहचान लेना!

मैं ने पहला सारांश प्रभु का आवाज को पहचानना! उनका आवाज को कैसे हम पहचान सकते हैं! मैं ने प्रभु का आवाज सुनने का खोज निकाला!

प्रभु कभी मास का स्वर भी सुना था जो हम समाझ सके वह साधारण मनुष्य को समझने केलिये बहुत मुष्किल बोते है!

अपने हृदय से पहचानना जरूरी है! मैं न सारा अध्यायन इस वाक्य पर केंद्रित किया हूँ! फिर बादमे वह किसी तरह से अपने जीवन काम आते है!

2nd key दूसरा सारांश हबक्कुक अध्याय में देख सकते हैं! रक्षक के रूप कैसे काम को निशाना है! प्रवक्त हबक्कुक यह सब मालूम है कि एकांत प्रदेश में जाकर कैसे स्मरण प्रभु का स्मरण करना चाहिये! स्मरण करने से प्रभु का आवाज पहचान सकते हैं! हमें मालूम है कि स्मरण मगर किस तरह करना बहुत आवश्यक है! मैं इस के बारेमें बैबिल से कुछ अध्यायन करता हूँ ताकि उसे कैसे प्रयोग करे!

3rd key तीसरा सारांश हम को वाक्य में मिल था! मैं ध्यान से प्रभु का निरीक्षण करता हूँ! उनका इंतजार करता हूँ! मैं ने खूद को प्रश्न किया! प्रभु उनहोंने ऐसा क्यों कहा? उनहोंने ऐसा क्यों नहीं कहा कि मैं उसे सुनता हूँ जो प्रभु ने मुझसे कहा था! इस वाक्य से यह सीखना है हम सुनने में बहुत ध्यान देना चाहिये! देखने में ध्यान नहीं देना चाहिये!

आखिर में मुझे मालूम होगया! प्रभु मेरे हृदय में इस प्रश्न का उत्तर दिया है! प्रभुने उनका भविष्य में होने वाला काम प्रार्थना में उत्तर दिया है! जो इन बारेमें कभी सोचना कभी देखा था! मैं ने इसके बारे में कभी पूछती! मैं इन विषय पर अध्यायन का शुरू मैं देखा था कि दर्शन जो प्रार्थना में जवाब मिलना प्रवक्ता को हर जीवन में होने वाला काम है! हर दिन का दिनचर्या है! मैंने इस पर बहुत अध्यायन खोज किया कि प्रार्थना में प्रश्न का उत्तर दर्शन कैसे जवाब मिलता है! इसे कैसे हासिल करते हैं!

4th key चौदः सारांश अंत चौथा मुख्य सारांश (Habakkuk 2) में परमेश्वर ने कहा कि दर्शनों को समझो उसे मुख रूप ध्वारा लिखित रूप में उसे अच्छा लिखो यह एक अच्छा

आसमान है! वाक्य को लिखना भी एक अच्छा आदत है जो हम को बहुत उपयोग होता है! यह एक अच्छा आदत है मैं ने हबक्कूक किताब पूरा अच्छी तरह से पढ़ा था! यह एक ऐसा पुस्तक है जो प्रभु ने प्रवक्ता को प्रवचन दिया दर्शनों को प्रभु द्वारा प्रार्थना द्वारा से प्रेरित हुवा है!

मैं ने कभी इस बारेमें नहीं सुना! इसके बारेमें पढ़ा कि प्रभु का दर्शनो को प्रार्थना द्वारा प्रेरित हुवा वाक्यो को पुस्तक में लिखना इसके बारेमें! कभी मेरे ध्यान में नहीं आया! मुझे मालूम हुवा कि इसे (जर्नलिंग) कहते है मैंने इसके बारेमें कुछ अध्यायन केलिये देखा था! मगर इसके बारेमें कयी हजारो अध्यायन मिला है! इस के बारेमें दिया है! यह प्रकटन अध्यायन में दिया है!

मुझे इस बात पर हैरान होता है! चर्चा में सिर्फ कुछ अध्यायन के बारेमें चर्चा होता है बहुत अध्यायन पर चर्चा नहीं करते सिर्फ मुख्य विषयो पर चर्चा करते हैं!

Safeguards

हम दूसरे विषय पर चर्चा करने से पहले हम कुछ अध्यायन पर ध्यान दे! जो परिशुद्धात्म के बारेमें दिया है! जब लोग परिशुद्धात्म के बारेमें चर्च करते हैं या बात करते तो डर जाते है! वे समझते हैं कि शैतान का है दूसरे बात में मिल जाता है! समझते है कि अपने आत्मा से बात कर रहे हैं! अगर इसे गलत समझते गलत तरीके पर इस्तमाल हो सकता है! इन का अंजाम बुरा होता है! इस से बहुततर है इसके बारे सोचा नहीं! बहुत लोग इस बारेमें जानने केलिये कोषिष किये मगर उनहे प्राप्त नहीं हुवा! इसके अलावा प्रभु ने बहुत कुछ अध्याय दिये! अगर हम उसे प्रयोग करे अपने जीवन में बहुत बदलाव आ सकता है! इस दुनिया अच्छा जी सकते है!

The Scripture (अध्यायन)

प्रभु का दिया हुवा वाक्य हम सब को रक्षा दे रहा है! यह एक सब को रक्षा दे रहा है! यह एक अमूल्य वाक्य है! जो हमें बुद्धि देताहै कयी हृदय बीमारी से मुक्ती मिलती है! मैं जब बैबिल पाठशाला में इसके बारेमें उपन्यास, सर बोधन करता इस विषय पर समझाना पड़ता है! अगर दूसरे चर्चों में पड़ता हूँ तो जो कोर्स करते है! मैं उनको नया अध्याय (New Testament) पढ़ने केलिये कहता हूँ! और (Old Testament) भी मैं यह नहीं कह रहा हूँ

की प्रभु नया भक्तों से बात नहीं करता है! जो वाक्य को नहीं पढ़ा! अगर वाक्य को अच्छा प्रयोग नहीं करे तो सही वक्त पर वाक्य को प्रार्थना नहीं करते तो इस का परिणाम अच्छा नहीं होता!

इस में दो तरह के होते हैं जो अध्याय वाक्य हमें रक्षा देता है पहला है परिशुद्धात्म द्वारा दिया वचन को नियमित रूप से बात करना उसे दुरुपयोग नहीं करना! यदी नहीं तरीक से उपाय नहीं किया! उसका अंजाम बुरा हो सकता है! अगर हमें अच्छा लगा उसे रोख देना चाहिए, क्योंकि प्रभु का वाक्य बहुत अमूल्य है! वह हमेशा सजीव होता है! हम बैबिल का वचन पढ़ते हैं, उसे हृदय से मन से देखना चाहिये! वचन का अर्थ को देखना चाहिए! हर एक अध्यायन ध्यान् से देखना चाहिए! प्रभु ने प्रवक्ता जाषुवा को बताया कि ध्यान करो!

प्रायश्चित्त करना चाहिए! प्रभु का शासन को अमल करना चाहिए! उसे दिन रात ध्यान करना, जब है हमें उत्तर आ देता है! हम बैबिल को ध्यान से सुनते हैं! परिशुद्धात्म अपने हृदय में प्रवेश करता है इस केलिये सही अध्यायन प्रवचन् देता है! जो हमें अच्छा बुद्धी देता! हर काम में सफलता मिलता है!

प्रभु का शरीर (The Body of Christ)

दूसरा सिद्धांत यह है कि हमें गर्व नहीं होना चाहिए! विद्वे होना चाहिए! प्रभु का वचन दुरुपयोग होने से बचना चाहिये! एक सच्चा मन से प्रवचन संबोधित करना है! जो उसे सुन सके और अच्छा वरार पर चल सके! कुछ लोग कहते हैं! जो प्रभुने मुझे प्रवचन दिया वही कर रहा हूँ! पर प्रभु ने गर्व को मिटकर अहंकार को मिटाकर हमें साधारण रूप से प्रवचन दे रहा है! इसका दुरुपयोग करते हैं तो अंजाम बुरा हो जायेगा!

हम सब प्रभु के सामने एक हैं! प्रभु का आशीर्वाद कृपा हम सभी पर है! पर हम लग जैसा व्यवहार करते हैं! हम सच एक होने चाहिए! प्रभु प्रवचन का आधार करना चाहिये! जब हम प्रभुका कृपा आशीर्वाद पा सकते हैं! अगर हम अलग तरह सोचते हैं तो हम अकेला चल नहीं सकते हैं! प्रभु हमें सही रास्ता दिखाने तक उनका इंतजार करना है! वही आपको सही रास्ता दिखाता है! प्रार्थना करना है! प्रार्थन द्वारा प्रभु हमें उपदेश देता है! हमें रक्षा करता है! और परिशुद्धात्म द्वारा आगे चल सकते हैं (Proverbs 11:14)

Humility (कर तव्व)

प्रभु हर एक को ऐक करतव्य निभाने केलिये दिया है! गृहिणि का कर्तव्य है घर का काम करना, बच्चों को देखना! पती का कर्तव्य है काम करना, घर को संभालना, कर्मचार को संभालना ये उन का कर्तव्य है! पास्टर का कर्तव्य है मंदिर को संभालना! यह एक जिम्मेदार है!

जो प्रभु हमे आदेश देता है हम उनको आदार करना चाहिए! जिम्मेदार निभाना है! मन मे अहंकार बुद्धि नही होना चाहिए स्वार्थ बुद्धि नही होना चाहिए या उन्नत पदवि ये रहने का आकांक्ष नही रहना चाहिये! दूसरों का हक चीनना पाप है! दूसरों का पदवि पर्काम करने वाले पर हक चीने का अधिकार तुमे नही है! जब तक प्रभु तुमे पदवि सौंपता है!

परीक्षा (Testing)

जो कुछ हम प्रभु को पाते है उनका प्रेम हम सब को एक करता है! प्रभुका प्रेम दुसरों को बांटना है! इस तरह परमेश्वर को पाते है कभी प्रभु को समझने मे मुष्किल होता है! प्रभुका वाक्य पर विश्वास करना है! बडे लोगोंका मदत लेना अच्छा है!

इसे देखकर डर लगता है! ऐसा चेतावनि अपने को संकट मे डालते है! इस चोटी सी विषय पर ध्यान नही देते है! परमेश्वर पहला अपना हृदय मे आह्वान करना चाहिए! प्रभु पर विश्वास करने अपना चिंता दूर होता है! यही अच्छा मार्ग है!

मै न यह पुस्तक पढने के पहले मै आपसे निवेदन करता हूँ कि पहला अपने आप को परीक्षा कर लो! ऐसा नही होता तो यह पुस्तक पढना तोडा समय लेकर इसके बारेमे सोंचे फिर पुस्तक को पढिये जब यह पुस्तक अच्छा सहायत होता है!

प्रभु ने जो मुझे दिये वह बडा आशीर्वाद होगा! प्रभु के रास्ते पर चलते है! सही रास्ते पर चलते है! वे प्रभु को पा सकते है! अगर गलत रास्ते को चुनते है! वे शैतान का मार्ग होता है! जो लोग प्रभु पर विश्वास करते है मुष्किलों का सामना करना पडता है! जो इनसान को डरा देता है! (1 Peter 5:8)

मैं ने साल प्रभु को पाने केलिये इंतजार किया था! लंबी इंतजार के बाद मुझे सबर के बाद अच्छा फल मिला था! प्रभु को बहुत गहरायि से समझने केलिये बहुत प्रयास किया! प्रभु को मेरे हृदय में आह्वान करना था कि मुझे प्रभु को समाझ सकूँ! मेरा प्रार्थना का उत्तर देसके! परिशुद्धात्म को पा सकूँ!

मैं ने सुरक्षित केलिये सोँचा! मुझे प्रभु का वाक्य मालूम है! मैं प्रभु को अपने आप को समर्पित करना चाहता हूँ! प्रभु का मार्ग पर चलना चाहता हूँ!

The Desire of God's Heart (प्रभुमन का इच्छा)

मैं ने सोँचा कि क्यों प्रभु मुझे नहीं छोड़ा! कई दिन पहले प्रभु मुझको क्यों नहीं छोड़ा? मैं ने प्रभु को गहरायिसे मालूम करने केलिये सोँचा! मुझे प्रभु को पहचान करने केलिये क्यों सोँच रहे! प्रभु जवाब केलिये क्यों इतना तडप रहा हूँ! अब कल देदिया वर का यहा चर्चा है! दुनिया में इसायि वर को मानने वाले तब कुच छोडकर प्रभु के शरण ले रहे हैं! धन दौलत सब कुछ छोडकर प्रभु को अपने हृदय में आह्वान कर रहे हैं! धन दौलत सब वर्त समझते हैं! प्रभु को समाझ में रुकावट आता है! ऐसा कयी चरित्र हैं! स्त्री और पुरुष प्रभु को पाया है? मैं ने क्यों प्रभु को नहीं पाया?

इसका जवाब यहा है! जो प्रभु को पहचान केलिये बहुत तरसे है! प्रभु उनका भक्तो को कभी निराशा नहीं करता है! उन दिनो से लेकर अब तक प्रभु का प्यार नहीं बदला है! परमेश्वर हम सबको आह्वान कर रहा है! प्रभु के बिना अपना जीवन अदूर है!

In the Garden (बगीचे ये)

आदाम.. आदाम.. तुम कहा हो? हम जब यह बात सुनते हैं, यह एक कराब दिन तक चिंता का समय थी! जो प्रभु से मनुष्य का रिश्ते टूट गया! इस से पहले परमेश्वर ने बहुत वहवन में आदाम से मिलने आते थे! आदाम और हव्वा से मिलकर चलते थे! प्रभु ने आदाम और हव्वा को बहुत प्यार करता था! प्रभु ने आदम का वाम लेकर पुकारत था! जब प्रभु का आवाज सुनते ही तुरंत प्रभुसे मिलने केलिए आकर प्रभु मैं यहा पर हूँ! यह आदम का जवाब था!

प्रभु परमेश्वर, आदाम और हव्वा तीनों मिल कर बगीचों में चलते थे! पूलों को देखते थे! फल पूल को देखते थे! फल को तोड़कर आदाम उस दिन का काम के बारेमें बात करते थे! नये नये औद को रखकर प्रभु को प्रसन्न करते थे!

हव्वा ने जानवरों के बारेमें जंतु से हव्वा हर लग के बारेमें गिलिरियो, पशु, पक्षि सब के बारेमें प्रभु को जानकारी देती थी! इसे सुन कर परमेश्वर पसन्न होते थे! प्रभु ने उनका सृष्टि पर प्रसन्न रहता था!

प्रभु परमेश्वर का मन कितना प्रसन्न होता है! जब हम सारा दिन मेहनत करने तक जाते हैं! कुछ समय लेकर प्रभु के सन्निधि में चिताते हैं! प्रभु ने हमें सारा संसार को सृष्टि किया है! प्रभु हर एक व्यक्ति को जवाब देता है! जो उनको प्रार्थना करते हैं! उनका प्यार हमारे ऊपर दिखाता है! इस पर एक गाना है जो प्यार करते! वह लोग प्यार पाते हैं! उसी तरह प्रभु अपने ऊपर प्यार भर सकता है!

मैं एक बार बगीचों में बैठ कर पूलों को देखते कुछ सोच रहता था! मेरे पास उतना समय नहीं रहा था! काली बैठना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है! पर प्रभु ने मुझे यह सिकाया बगीचे बैठकर दूसरों से बात करने से अपना समय बार बार नहीं होते! दूसरों बात करने से बहुत कुछ समझ सकते हैं! दूसरों से अपना दोस्ती होता है! यही प्रभु होता है!

प्रभु ने मुझे उनका सेवा केलिये प्यार को समझने केलिये बनाया गया है! दूसरों से प्यार करना जैसा प्रभु मुझे प्यार करता है! इस उतना ध्यान दिया है पर यह जरूरी है! प्रभु का वाक्य, प्रवचन और दूसरों से बांट है! यह अपना कर्तव्य है!

His Chosen People (प्रभु से चुने हुये लोग)

प्रभु ने आदाम और हव्वा को चुना है! उन दोनों से बहुत प्यार थे! एथेन् बगीचे में बैठकर वह उनसे बहुत प्यार करता था! प्रभु इज्रायेल लोगो को प्रतिज्ञा किया कि वे उनका प्रभु हैं जो सच्चायार पर चलाने वाला! प्रभु वह लोगों को बहुत प्यार ती! उन भक्तों से बाट वील करते थे!

(Deuteronomy 5:22-31) प्रवक्ता मोषे को इज्रायेल लोगों को वचन दिया! एक आग के रूप में लोगों को दर्शन दिया है! यह एक जैसा शुद्धि है! इज्रायेल प्रजा को यह कठिन परिक्षा था! लोगों ने कहा हम भी प्रभु का आवाज सुनना चाहते हैं! जैसा तुम प्रभु से बात केतते हो! प्रभु को देखने से बहुत ले प्रभु का आवाज सुनने के लिए बहुत आशा था! लोगों को कुछ नियम था! (Dt 5:31)

प्रभु ने मुझे बहुत प्रभावित किया कि प्रभु को मेरे मन में स्वीकार करूं! उनके शासन को अमल में ला सकूं! (New Testament) नियम अनुसार जी शहा हूं और इनमें वह शासन है कि अंत में मृत्यु नियम के अनुसार कैसे भी हो अंत में मृत्यु आवश्यक है!

David (दावीद)

प्रभु ने उनको कभी निराश नहीं किया! प्रभु ने कभी लोगों से मिलना चाहता है ताकि लोगों ने उनका संबंद करें! पर कुछ लोग इसे नफ़्त करते थे! प्रभु के आज्ञानुसार नहीं चलना चाहते! उस मार्ग पर चलना चाहते हैं! उन लोगों ने तैयार किये हैं प्रभु का मन को दुःख पहुंचाये थे!

बैबिल में पूर्व ग्रंथ में एक अच्छा उन्नति पदवि पाया है जो प्रभु का विश्वास पाया है! (दावीद) मैं प्रभु का भक्त, वे बहुत ही बुद्धिमान थे! उन्होंने गोलियात् पर विजय पाया! गोलियात् ने इज्रायेल पर युद्ध केलिये लंकार रहे थे! प्रभु का शक्ति उन्होंने परवाह नहीं किया! जब दावीद ने युद्ध में विजय होकर वापस लौटा तो उन्होंने बहुत प्रसन्न होकर आनंद से नाचने लगा! प्रभु का प्रसन्नता देखकर पत्नि हैरान हो गये! दावीद ने प्रभु से बहुत प्यार करता और समय में प्रभु को याद करता था! किसी भी समय पर प्रभु का स्मरण करना नहीं भूला! अच्छा दिनों में या बुरा दिनों में भी प्रभु को याद किया! उन्होंने हिम्मत और धैर्य से प्रभु के पास जाकर अपना दुःख तकलीफ़ के बारे में प्रभु से निवेदन करता था! अपना दुःख बताकर चोज हलका सा अहसास करते थे!

(Psalms 51:2-4,9,14)

जब दावीद उदास में, मुष्किल में रहते थे, उचका दुःख प्रभु को बताते थे!

(Psalms 141:1,2,5,6)

जब दुःश्य मन का सामना करना पडता है! कई मुष्किल को सामना करना पडता था! दूसरों का मदत लेता था! (Psalms 109:1,2,6-9)

जब उनका मन प्रसन्न होता था! खुषी से गाते थे! प्रभू को प्रसन्न करते थे!

(Psalms 150:1,2,6)

प्रभु ने दावीद के काम से बहुत प्रसन्न होगये!

प्रभु ने दवीद क काम से बहुत प्रसन्न था! (Acts 13 : 22) इस मे ऐसा कह दिया है, मै ने दवीद पर बहुत प्रसन्न हूँ! वह हर काम को हर इच्छा को पूर करता है! मुझे बहुत गर्व है! प्रभु ने दवीद पर इतना प्रसन्न था, यह एक अच्छा उदाहरण है प्रभू से अच्छा संबंध रहा! इसी तरह अपना भी प्रभु से अच्छा संबंद रहना है! हम दुःक मे, सुख मे, मुषकिल मे प्रभु को नही भूलना चाहिये!

मै ने आप से दावीद के बारे बताया था! प्रभु से भक्त दावीद को कितना प्यार है, हमे भी ऐसा होना चाहिये! हम दुःख मे प्रभु को याद करना नही भूलना! मै ने मेरे दिल मे प्रभु को प्रसन्न करना नही भूला! प्रभु का आराधना किया! कहने लगा प्रभु का जै हो!

(Jesus) प्रभु इसु :-

प्रभु ने कुछ वाक्य पर संभोदित करते हुये कहा उनका शिष्य से और लोगो से, मुझे मेर पिता ने इस धरती पर भिजाया था कि उनका काम पूरा कर सकूँ! उनके पिता से संबंध के बारेमे कहा गया कभी परमेश्वर अपने बारेमे उतन गहरायी से नही बताया; जो कुछ मै कहता हूँ वह सब मेरे पित का अनुग्रह है! मै, मेरे पिता ऐक हैं! (John 14 : 10) और (John 8 : 28) मे इस बारेमे बताया गया है प्रभु उसका पिता बहुत अच्छा संबंध रहा जो कुछ प्रभु बताया गहा वह सब उन का पिता से अनुग्रह दिया हुवा वाक्य है!

प्रभु प्रार्थना द्वार बताया गया कि हम सब पितासे ऐक है! उनका बात सुनते हैं उनका आचरण करते है! हम अपना इच्छा से कुछ भी काम नही कर सकते! हम सब पिता के आदेश से चलते है!

यह एक अच्छा उदाहरण है क्या हम प्रभु के बिना अकेले जी सकते हैं? क्या यह सब मानव से हो सकता है? कभी नहीं हम प्रभु के बिना कुछ कर नहीं सकते हैं!

मैं (Phil 2 : 5-8) अध्याय से कुछ वाक्य बताना चाहता हूँ! प्रभु से इस धरती पर साधारण मानव रूपधारण कर लिया! दुनिया का पाप को मिटाने आया है! प्रभु उनके मिटा का आज्ञानुसार चला है! (John 5 and 8) में कहा गया कि उन के पिता के आज्ञा को पालन किया उसके अनुसार चला है! इस से पता चलता है कि प्रभु और उनका पिता का कितना अच्छा संबंध है!

मैं ने इन चार सारांश से प्रभु को कारीब से जानने के लिए खोषिष किया! प्रार्थना से प्रभु को पहचानने के लिए यह एक मार्ग है! प्रभु का आवाज को किस तरह से पहचानना मेरे अनुभव से बताया है! प्रभु ने भी प्रार्थना द्वारा अपने पिता को निवेदन किया मैं ने प्रार्थना ध्वार बहुत कुछ सीखा है! इस पर मैं ने प्रयोग किया! मैं ने कयी काम से पाश्चात्य नागरिकता से दूर होना पडा! मैं प्रभु सन्निधि में मेरा जीवन बिताना चाहता हूँ! मेरा जीवन बदलना चाहता हूँ!

हमको हर दिन में परिवर्तन आना चाहिये! इस केलिये क्यों हम कितने ही खुरबान करे! कितने ही मुष्किल से गुजरे! हम प्रभु पर विश्वास नहीं खोना चाहिये! यह अपना कर्तव्य है, इस फल हमें जरूर मिलेगा!

मरिया और मार्ता

मार्ता ने प्रभु इसा को औ उनका साथी को घर में दावत पर बुलाया थी! उन दिनों में दावत के काना बनाना कुछ मामूली बात नहीं था! वह बहुत ही मुष्किल का काम था! खाना बनाने केलिये बहुत व्यक्त लगता था, उतना आसान नहीं था जैसा हम घर में केक बनाते हैं! मैक्रोवेव् में रोस्ट बनाते हैं!

2

अर्त # 1

प्रभुका वाक्य अपने हृदय में नया सा सोंच
विचार पैदा होता है! कभी मैं प्रभु की तरफ़ देखता हूँ
मेरे मन में नया सा सोंच विचार उबर आता है!

पेहला अर्त ये समझाता है कि प्रभु का वाक्य अपना हृदय में किस तरह प्रभु का आवाज पहचान सके! अपना प्रभु अपना भावना उनको समस्ता है! जो हम उसे समझ सके! प्रभु ने अपने को एक प्रवचन दिया है! लिका हुआ वाक्य जो हम उसे अच्छी तरह से समझ सके और उनका भावना उनको समझ सके! उनके अनुशासन से ऐदती पर हम अच्छी तरह से चल सके! प्रभु ने कयी प्रवक्ताओ और भक्तों को नियमित क्या है! इसलिये हम सभी प्रभु के अनुसार जी सके! और हम उनका निबंधन को अच्छी तरह से और नियमित रूप से उसमे चल सके! ए सभी वाक्य हमें समझाता है कि प्रभु हमें वाक्य द्वारा चल सके!

प्रभु का वाक्य दूसरा भी है जो उनके लोगों समझ सके! प्रभु के भक्त जैसे स्त्री और पुरुष केलिये बाबिल में कहा गया है की “प्रभु का वाक्य ये है कि उनका आवाज को अच्छा समझा सके और उसे सुने! उनका आवाज के द्वारा नहीं पर उने अच्छी तरह हृदय से समझ सके!

कइ इसाया लोग का ए माना है कि इस तरह से प्रभु से संभाषण करे पर ए संभव नहीं हो सकता है! बैबिल में ऐसा कहा गया कि प्रभु हमें उन लोगों से संभाषण क्या है जो हम उसको अच्छी तरह से समझ सके, ये संभव नहीं होता!

प्रवक्ता एलीजा को प्रभु ने नियमित किया है! औ प्रवक्ता जाकोब 5:17 उस में अच्छी तरह से समझा गया कि ओ आपने जैसे व्यवहार था! प्रभु नियमित लोगों या प्रवक्ताओं को उनके नियमित नहीं किया या बड़े बड़े लोगोंको नियमित नहीं किया! प्रभु ने सिर्फ़ आम आदमी को नियमित किया है जो प्रभु का वाक्य को समझते और उसी वाक्य को लोगों तक पहुंचाना! एही प्रभुका नियम था!

प्रभु ने ये कहा John 10:27 मैं समझ सकता हूँ कि ये सही वाक्य है! वो जो वाक्य मैं कहाँ गया कि मेरी आवाज उसी तरह से सुन सके! मगर आज का दुनिया इतना बदल गया और हमारा समाज इतना बदल गया है जो उनका वाक्य को समझना बहुत मुश्किल लगता है! अपना पाश्चात्य नागरिकता से इतना बदल गया है कि अपना समाज को अलग कर दिया है! लोगों में वर्ग भेद हुआ है! जात पात का लड़ाइयों से लोगों को अलग कर दिया है! इस समय में इस वाक्य को समझना बहुत ही कठिन है! प्रभु का वाक्य या सारांश को समझना बहुत ही कठिन होगया है! ऐसा कुछ भी जगा नहीं छोड़ा है जो प्रभु का वाक्य को अच्छी तरह से समझ सके! “मुझे एक अच्छी उपाय आया है कि इसका जवाब ए समझाता है! एक आदमी जो पृथ्वी पर है जो सब तरह का ज्ञान होता है जो उसे ज्ञान कहा जा सकता है!”

मैं मेरे जीवन में और दूसरों के जीवन में ये देखा छोटा सा जानकारी या ज्ञान या चोटे से अच्छी तरह का शिक्षा उसे दिया जाय! और अच्छी से शिक्षा युवक में दिया जाये तो अच्छासा प्रभुका वाक्य समझ सकते हैं! और ए वाक्य दूसरों तक लोगों में पहुँचा जा सकता है! येही मेरी आकांक्ष है!

आप दे सकते हैं! मैं प्रभु का वाक्य कैसे पहचान सकूँ या उनका आवाज पहचान सकूँ? मैं कई सालों से इसपर जांच करा और इसके बारेमें कई पुस्तक पढ़ चुका हूँ! इस विश्व पर बैबिल में नया ग्रंथ में भक्तों ने वाक्य में बहुत अनुभव आया है! मैं इस विषय पर भी बहुत किताबें पढ़ चुका हूँ! प्रभु के दिये हुये बहुमति और प्रभु का वाक्य को पहचानना इस बारेमें भी मैं बहुत किताबें पढ़ चुका हूँ! मगर मुझे कुछ भी प्रत्येक रूप से इसका जवाब मुझे नहीं मिला!

मैं इस से पहले बताया कि मैं इस विषय पर बहुत किताबें पढ़ चुका हूँ! कैसे प्रभुका आवाज पहचानना या प्रभु का वाक्य को पहचानना इसका जवाब मुझे मिलना बहुत कठिन होगया है! मैं इसके बारेमें बहुत दुःखित हो गया हूँ! एक बार मैं ने रोतेहोये कहा कि प्रभु तुम कहा हो? अंत में इस बारेमें एक साल इस विषय पर बहुत जांच किया और पढ़ा भी जब मुझे परिशुद्धात्म को मैं ने सत्य को पहचाना! भगवान ने मुझे एक सही रस्ता बताया था!

प्रभु का वाक्य एक परिशुद्धात्म का वचन है! परिशुद्धात्म ने मुझसे मेरे आत्मा से बात बताया! मैं इसका अनुभव किया हूँ! परिशुद्धात्मा का उन का वाक्य मैं ने मेरा दर्शन में देखा हूँ! और इसको मैं मेरे मन में कई तरह नयी विचार प्रभु ने मुझे दिया है!

मैं अब समझ सकता हूँ इस वाक्य का सही खोज निकाला है! और मैं समझ सकता हूँ आप भी मेरे साथ ए अभिप्राय को मनते हैं कि प्रभु का वाक्य को या उनके आवाज को कैसे पहचान सकें! सब लोगों को कई कई अलग विचार ओते हैं! ए सब प्रभु का वाक्य है!

मैं ये बात पर नहीं बोल रहा हूँ कि सभी को एकी प्रकार का विचार होते हैं! पर ये सच है कि अलग अलग लोगों को अलग तरह के विचार होते हैं! मैं इस बात को मानता हूँ और इस बात पर मैं कई अध्ययन किया हूँ!

मैं आखिर में इस विषय पर मैं कहता हूँ कि ए वाक्य मेरे मन को प्रभावित किया! और भी तीन अर्थ बाकी हैं! और इस पर मैं बहुत कुछ अध्ययन किया है! तीन विषय पर अच्छी तरह से समझा सकूँ कि परिशुद्धात्म क्या है! ए कुछ भी हो सकता ए शैतान पर! इस विषय पर भी मैं बहुत अध्ययन कर रहा हूँ! ए सब मेरे मन से आये हुये वचन हैं! ए ऐक अच्चा अविष्कार जैसा है जो इस पाश्चात्य देश में इसे समझना मेरे मन के अंदर से जो वाक्य आया है! ए सब प्रभु का आश्चर्य कार्य है!

3

प्रार्थना ध्यान की 2

मैं प्रार्थना करने केलिये तैयार हुवा पर मेरे ध्यान कुछ दूसरा ओर जा रहा था ! आज कल के दुनिया मे कई काम से जीवन एक स्थिर पर नहीं है! मेरे ध्यान ओर बडता हुवा काम मेरे ऊपर एक बोज बन गया हे! प्रार्थना करने केलिये कुछ वक्त नहीं मिल रहा है! मैं ने निश्चय किया कि कुछ समय प्रार्थना केलिये वक्त निकालूँ! मैं ने मेरा कमरे मे जाकर दर्वाजा बंद कर दिया!

आप सब ने इस तरह मुष्किल से गुजरे! मैं ने कुछ समय प्रार्थना मे बिठाने केलिए सोंचा! पंद्रह मिनिट प्रार्थना मे गुजर गया! इसके बाद मेरे अंदर बदलाव आगया! आप भी इसी तरह से गुजरे अनुभव किया है! आज के दैनिक जीवन मे कई तरह से मुष्किल से गुजरते है! उस सोंच विचार से प्रार्थना मे समय बिताना बहुत कठिन है! मैंने प्रार्थना के बाद परिशुद्धात्म का अनुभव किया !

प्रायश्चित प्रभु ने शिष्य को प्रायश्चित है. प्रार्थना मे जो शक्ति होता है. प्रभु ने शिष्योंको बताया कि प्रार्थन शक्ति ध्वारा पतित को हिला सक ता है हम प्रार्थना कर ते समय उन को क्षमा करना है. जो हम विरोध कर ते है. अप ने हृदय मे क्षमा गूण नहीं, दू रों को द्वेष कर ते है अप ने शरीर अकड जाटा है. गुस्से से डांत कट कटा ते है. इस के कारण अप ने शरीर मे रक्त प्रवाह सीदा नहीं होता है. इसी तरह मन को. प्रशांत रह ना तब परिशुद्धात्म अप ना हृदय मे प्रवेश होता है नहीं तो प्रभु को पाना बहुत मुष्किल है. प्रभु ने शिष्य को बताया कि. मेरा आज्ञानुसार चल ना चाहिये. प्रभु कृपा से क्रोध, गुस्सा, द्वेष, कपट सच दूर होता है. प्रभु से बड कर इस दुनिया मे जार कोयी नहीं है. क्योंकि परमेश्वर अप ने पापों के लिये. सूलि पर चडा है.

मैं दूस रों प्यार नहीं कर ता हु. मैं इत ना कष्ट उटाने कि जरूरत नहीं है प्रभु से कैसे कह सक ता हु. मैं लोगों को प्यार कर रह हु. या मेरा मित्र से प्यार से रहता हु. यह बिल कुल गलत है क्षमा प्रायश्चित नहीं कर ता . मैं कैसे कह ता हु प्रभु मैं लोगों से नफ़्त है प्याड़ नहीं कर ता मैं. प्रभु को धन्यवाद कर ता हु. प्रभु मेरा दिल मे है. मेरे हृदय मे है बाहर से कित ना बी नफ़्त सात है प्रभु रास पर

मैं चल ना चाह ताहु . प्रभु कृपा से मैं चल ना चाह ता हु. प्रभु कृपा से मैं सच मुष्किलों को दूड़ कर सक ता हु प्रभु प्यार मुझे बदल दिया है मैं. लोगों से मित्र से प्यार करता हु.

इस का वजन भी हल का है प्रभु इस का एक अच्छा उदाहरण बताया है. आप एक दृश्य की कल्पना कीजिये. एक चोटा पक्षि का को कल्पना कीजिये . इस मे आप देके तो चोटा, चोटा नन्नीडि पक्षि मू कोल कर मा का इंतजार कर ता है. वे बहुत बुके होते है. अप ने आप को आहार नहीं ला सक ता है एसा कर ने से चोटा पक्षि नीचे गिर कर गायल हो सक ता है इस लिये इस के मा ने . कहता है तुम आराम करे. मे लिये इंतजार करो तुमे बोजन लाकर तुमे किला सकु.

इसी तरह प्रभुसे अप ना संबंध जुडा हुवा है. हम अप ना अवसर के लिये चिंता कर ने का जरूरत नहीं प्रभु अप ना रक वाला वह अप ना समस्या जान टा है अप ना हर इच्छा पूरा कर ने वाला है प्रभु सर्व शक्तिमान है. प्रभु कृप ध्वारा हमे शांति मिलता है. अप ना प्रायश्चित से पापों का. क्षम मिल ता है. पापों को मिलाति त.

हम प्रायश्चित कर ने से दूस रों क्षमा कर ने से प्रभु का प्यार को पाति है. क्रोध द्वेष अहंकार इन सान को मुष्किल मे डाल ता है कयी कटिनायि का साम ना पड ता है. प्रायश्चित से सच बंदको से मुक्ति मिलता है. प्रभु को महिमा कीर्ति निम्मान मिल ता है. कयी साल पहले मैने प्रभु प्रेम का महत्व विशिष्टता जाना है. जब मैने मेरा पिता को क्षमा क्या त.

मेरे माता पिता को सम जाने केलिय. बहुत मुष्किल हुवा त. प्रभु के बारेमे बहुत सम जाय पर नहीं सुने. मेरा इताजी सुन लेने से इन कार किया त. एक मैं और पाटि माट पिता से मिल ने गये है. वेहो गये. मेते मैने फिर से सम जाने के लिये. बहुत कौषिष किया पर नहीं सुने. इस पर बहुत. निवास पद हुवा बहस हो हये बहुत झगडा हुवा. मुजे उत ना विज्ञान नहीं. है जो उने समझा सकु.

मैने आराधना मे मेरा व्यक्त बिताय. बैबिल पडायि किया आराधना कर्ते समय मैने प्रभु से विन्नति किया मैं परिशुद्धात्म ध्वारा प्रभु से बात करना है मैं ने अचनाक एक आवाज सुन आ है तुम पिता से प्यार नहीं कर ता मैं ने उत्तर दिया मैं पिता को द्वेष नहीं कर्ता हु. पर तुम प्यार नहीं कर्ते हो. प्यार एक मुख्यो भूमिक निभात जो लोगों को एक कर्ता है.

इलैजा प्रवक्ता ने अप ना जैसा व्यक्तित्व इन सान त वर्षा के लिये उन होने प्रार्थन किया . कि साल तक कुच वर्षा नहीं हु अंत ३ सामे उन होने संपूर्ण विश्वास से प्रभु से कर ने के बाद वर्षा हुवात प्रभु से बहुत किया विन्नति किया बहुत प्रयास किया इलैजा ने सातिये. बेजा त कि बादल को देक पर वे वापस निराश होकर लौटे ते ६ बार इलैजा ने सातिये को बिजाय अंत मे ७व चार काम कर ने वालों को बिजाय. हम प्रार्थना को प्रभु सन्निधि मे जै से नहीं देवा चाहिये. जब प्रभु ने गरज ता हुवा बादल तेज हवा से साम ना कर रह त . प्रभु ने यह नहीं कहा कि प्रभु. मोषे प्रवक्ता ने सची लोगों मिस्र से बाहर निकाल त. इने के साम ने और एक समस्या आकर कडा है लोगों के. पीचे मिस्र सिपायि का समूह हे लोगों ने मोषेसे विनती कि है ख्रहुसे प्रार्थना किये जाय. अंत मे प्रने कह. मेरे लिये आप क्यो पुकार रहे है इस्हायेल लोगोंको आगे जाने के लिये कहा. आप लोग लकडी को उटाकर.

प्रभु ने अप ने लिये कुच अधिकार दिये है हम हर समस्या के लिये प्रभुसे पूच ने का जरूरत नहीं है. हम प्रार्थना ध्वारा प्रभु को आज्ञा या शासन कर नहीं सक ते यह ऐक सिर्फ विन्नति है. प्रभु का इच्छा क्या है. हमे नहीं मालुम है. प्रार्थना कर ने से पहले प्रभुका अनुग्रह क्या हमे नहीं मालुम. प्रभुको विन्नति के बाद प्रभुका अनुग्रह क्या होता हमे. नहीं मालुम. प्रभु हमे इस तरह प्रार्थना कर ने के लिये नहीं कहा हम चाह ते है कि प्रभुका आवाज को सुन सके प्रभु दर्शन को देके अपने तरफ से कुच नहीं कर ते प्रभु के लिये इंत जार कर ते प्रभु हमे प्रभु अनुसार से हमे उत्तर देता हाय सर्व शक्तिमान प्रभु ईषु मसीह जो दुनिया को बनाया है. जो पहले कुच नहीं त. प्रभु ध्वारा हम कुच अधिकार पाये है कबी हम पर्वत से बात करते है जो हिल सके हमे संपूर्ण विश्वास होना चाहिये.

जो प्रभु ने हमे वादा किया त इस के लिये हम इंत कर ना चाहिये. जो काम हो सके हम अंत तक निरीक्षण कर ना है हम विश्वास को नहीं कोणा चाहिये. प्रार्थन ऐक साधन है. प्रभु के पास अप ना तक लिफ अप ने समस्या को प्रभु के पास रक ना है. जवाब के लिये इंतजा कर ना है. संपूर्ण विश्वास होना चाहिये. जो प्रभु आप ना इच्छा पूर कर सके. हम प्रार्थन कर ते समय प्रभु के पास डाल ते है. हम प्रभु को काम होने का धन्यवाद नहीं देते शुक्रिया अदा नहीं कर ते. प्रभु से सूचन मिल ने बाद दर्शन देने के बाद. हम धन्यवाद देते है.

कयी इस के अलावा हम विरुद्ध कर ते है आ पत्ति समय मे . या गलती किया हो हम बहुत शर मिंदा होते है अपराध भवण से रह ते है प्रभु से दूर रह ना चाह ते है. गलती को चुपान चाह ते है. ऐसा कर ने से प्रभुका प्यार को नहीं पाते. प्रभु हमे सबी पाप से आजाद प्रभु के जाने से हमे मुक्ति कर ता है. जब हमे सैतान से लड ने का ताकत नहीं रह ता प्रभु से विन्नति कर ते है उसे हरा सके. अप ने तरफ से कोषिष नहीं कर ते लिये प्रार्थना कर ना किस तरह करना है प्रभु से क्या जवाब चाह ते है. ऐक दृश्य कल्पन से सोंचते है. परिशुद्धात्म मन मे प्रवेश कर ने से हमे ज्ञान बुद्धि मिल ता है किस तरह हम प्रभु सन्निधि कैसे व्यक्त बिताना कैसे प्रार्थना करना है प्रभु सन्निधि मे. व्यक्त बिताने से. प्रइशुद्धात्म अहमे सही रास्ता मे चलात है. प्रभु मुजे क्या बताया है.

अपने कही सोंचा कि ए सब करना बेकार की बात है! या वक्त दर्वाद किया जा रहा है! आप रात के समय मे सोने से पेहले कई तरह सोंच विचार मन मे आते है! आप जितना भी खोषिष करे नींद आना बहुत मुष्किल हो जाता है! मै इस मुष्किल बाहर आन केलिये प्रभु का स्मरण करता हूँ! जब प्रार्थना मे वक्त बिठाता हूँ तो प्रभु का अनुभव करहा हूँ! मेरे मन मे परिशुद्धात्म प्रवेश होता है!

मै ने की संदर्भ मे सोंचा कि मेरे समय प्रार्थना मे बिठावूँ! पर ये करना बहुत कठिन हो गया! मै ने जिस तरह से सोंचा वो मुझ से नहीं हो रहा है!

4

परिशुद्धात्म को पाना, प्रभुका दर्शनों को देखना

अर्त # 3 सारांश

मैं ने प्रार्थन करते समय मेरा हृदय प्रभु पर केंद्रित किया, प्रार्थना ध्वारा प्रभु का दर्शन किया, सपनों को देखा!

तीसरा मुख्यांश यह है कि प्रार्थना ध्वारा मैं ने प्रभु का दर्शन, देख पाया था! हम हर दिन प्रार्थना को नहीं भूलना चाहिये! प्रवक्ता हबक्कूक ऐसा किया था (Hab 2 : 1) प्रवक्ता हबक्कूक ने प्रार्थना ध्वारा प्रभु का दर्शन देखा था! उन्होंने कयी स्वप्न को देखा था (Hab 1 : 1)! प्रवक्ता हबक्कूक ने प्रार्थना ध्वारा प्रभु का दर्शन देका था! उन्होंने कयी स्वप्न को देखा था (Hab 1 : 1)! कयी प्रवक्ताओं ने दर्शनों को देख चुके हैं! और दर्शनों को अपने कार्य रूप में बदल दिये हैं! वे कयी दर्शनों को देखते (Isaiah 1 : 1; 2 : 1; 6 : 1; 13 : 1)!

मैं ने यह अध्याय पढ़कर बहुत आश्चर्य हुआ है! मुझे नया लगा था! मैं इस वाक्यों पर अध्यायनों पर ध्यान इस विषय पर केंद्रित किया प्रभुका दर्शन, वाक्य पर बहुत ध्यान देने लगा! मैं ने प्रभु के दर्शनों पर कई अध्याय पढ़ा आदिकांड से लेकर प्रकटन तक पढ़ा था! प्रभु ने प्रवक्ता और सेवक को उनके वाक्य द्वारा सुचन दिया है!

मैं न इसके बारे में (Appendix - E) में कुछ अध्यायन दिया है! प्रभु का दर्शन भविष्य में होने वाला कार्य पर इस बारे में मुझे पूरा समझ में नहीं आया! मैं आप लोगों, विनति करता हूँ कि बाट कर दो गंठ ध्यान से अध्यायन को पढ़िये! खोजिये जब आपको इस विषय पर पूरा जानकारी मिल सकता है! प्रभु से दिया हुआ परिशुद्धात्म और दर्शन के बारे में इस विषय पर अध्यायन में चर्च करते हैं!

मैं इस विषय पर निश्चय रूप से फ़िलासफ़ी के पद्धति में बताना चाहता हूँ! मुझे मालूम हुआ कि प्रभु निरंतर अपने सात रहना परिशुद्धात्म का दर्शन देकना संभव नहीं हो सकता! प्रभु ने वचन दिया है आखिर दिनों में मैं सर्व मानव को परिशुद्धात्म का शक्ति देता हूँ! आपके छोटे बेटियां मेरे बारे में मेरा वाक्य का संदेश देते हैं! यवन ओग मेरा दर्शन देख

सकते हैं! वृद्धाप्य लोग या बूढ़े लोग मेरा स्वप्न देखते हैं! (Acts 2: 17) आखिर दिनों में प्रभु दर्शन और परिशुद्धात्म उनका स्वप्न प्रत्येक रूप से स्थापित करते हैं! प्रभु का मंदिरों में उनका प्रभाव होता है!

मैं न आपको चार मुख्य सारांश के बारे में इस किताब में बताया गया है! हफ़्ते के अंत में होने वाला वीकेंड सेमिनार में देश भर में मैं ने देखा कि बहुत युवा ने इस कठिनाई से गुजर रहे हैं! जैसा मैं ने मुष्किलों का सामना किया था! मैं ने इस चार विषय पर उपदेश देने वाला हूँ! जो प्रार्थना जीवन में उपयोग होता है! हम रंग भेद भाव से जी सकें हैं! हम इस रंग भेद भाव को प्रभु वाक्य द्वारा उसे तोड़ना चाहते हैं! प्रभु का सेवक या इसाया लोग इस विषय पर डर नहीं होते हैं! जो प्रभु मार्ग पर चलता है!

Is it Important
क्या यह जरूरी है?

सिनसिनाटि में मैं ने एक सेमिनार का आयोजित किया था! मैं ने सेमिनार पर आये लोगों से कहा कि प्रार्थना से प्रभु पर अपना मन केंद्रित किया जाय! जो प्रभु को सुन सके और प्रार्थन द्वारा परिशुद्धात्म को देख सके! मैं ने एक व्यक्ति से जवाब सुना है उनका नाम रेवरेंड स्टान पीटर्स जो सिनसिनाटि विश्व विद्यालय का अध्यक्ष है!

उनहोंने पूछा कि हृदय के आँखों से देखना यह कैसा हो सकता है? आप और हमको कितना जरूरी है और हम प्रभु से किस प्रकार चल सकते हैं?

प्रभु कहता है कि एक अंध व्यक्ति को पूछें वे प्रभु को कैसे देख पाते हैं! उनसे पूछिये वे उनका, माता पिता और पत्नी को कैसे देख पाता है! अगर हम पूछें कि तुम देखना चाहता है! वह कहती है मैं देखना चाहता हूँ! उसी तरह हम भी शारीरिक अंधत्व जैसा स्वस्थ होना चाहिये! जब ही हमको देख पाते हैं प्रभु के पाता चल सकते हैं! आप पूछ सकते हैं! वे एक आज्ञा बिना दूसरा कैसे चल सकता है? क्या यह संभव है?

स्टान ने जवाब दिया यह संभव है कि यह दूसरे व्यक्ति ऐसा कहा उनका नाम है फ्रेड मान आलिमन प्रभु को हृदय से देखना कैसा संभव हो सकता है! क्योंकि मैं ने इस आँखों से देख चुका हूँ! यह एक मुख्य विषय है! हम इस आँको से दरदी के मनुष्य को उनका

वेषधारण सौंदर्य को देखते हैं! पर हम प्रभु को अपना हृदय से देखते हैं! यही अंतर है परमेश्वर हर जगह में रहता, हम अपने आंखों से बहुत हृदय से प्रभु को देख सकते हैं!

मैं ने जो आप को मुख्य बताया है दूसरे पुस्तक अध्यायन करके; बताया है! प्रभु ने प्रार्थन कर ने वाले सभी इसाया को शांति वातावरण भक्ति श्रद्धा से रहने का आकांक्ष करता है! मैं ने इस अध्याय में बताना चाहता हूँ कि भविष्य प्रणाळिका क्या प्रभु का इच्छा क्या है! इस में कितने प्रभु का दर्शन भविष्य प्रणाळिका के बारेमें अच्छा समझाना चाहता हूँ! इसे प्रभु से कैसे प्राप्त करते हैं? परिशुद्धात्मा को कैसे कैसे प्राप्त कर सकते हैं! अपना हृदय के मन से कैसे प्रभुको देख सकते हैं!

मैं जब परिशुद्धात्मा उनका स्वप्न क्रिया भविष्य के बारेमें बात करते इस का मतलब यह नहीं होता दिन का सपना है! कयी प्रवक्ता प्रभु दर्शन देखते! (1 Sam 9 : 9) कहा गया स्त्री, पुरुषों ने प्रभु का दर्शन देखते! इस में दो तरह का दुनिया हैं! दो जोड़े का आंक है! प्रवक्ता पालने, हृदय से प्रभुको देखा, उनका मन प्रभु पर केंद्रित किया था! (Eph 1 : 17, 18) जिस के द्वारा परिशुद्धात्मा का सत्य को पहचान सकते हैं!

इस परिशुद्धात्मा दृष्टि, द्वारा कयी प्रकार से उपयोग है! प्रभु से संबंध रहता है! प्रभु मेरा साता बैठकर मुझे वाक्य का उपदेश करते हुये! प्रभु का वाक्य परिचर्या में वाक्य को संबोधित कर सकते हैं! मैं प्रभु से निवेदन कि मैं किस तरह दूसरों को उपयोग हो सकता हूँ! प्रभु ने मुझे उत्तर दिया, उनका वाक्य से परिशुद्धात्मा ध्वारा संबोधित किया! मुझे प्रार्थन कर ना सिखाया! प्रभुको राज्य होगा, जैसे धरती पर होता है उसी तरह परलोक में होता है! यह सब ग्रीक भाषा में लिखित है!

कयी प्रकार का भविष्य प्रणाळिका

इस में पाँच प्रकार का परिशुद्धात्मा दृष्टि का विभाग किया गया है! इस में पहला जैसा परिशुद्धात्मा को रात समय स्वप्न में देखते हैं! प्रवक्ता पौल इस तरह का स्वप्न देखता (Acts 16 : 9) इस को कयी प्रांतों में कयी शहरों में प्रचार किया था! परिशुद्धात्मा द्वारा यह सिद्ध होता है! कयी बार स्वप्न को समझाना मुश्किल होता है! पौल से स्वप्न में लिखा कि मासिदोनिया के एक व्यक्ति प्रवक्ता के द्वारा दिक्काने रास्ता दिखा! मैं प्रवक्ता को मदद कर

रहता! इस से प्रवक्ता दूसरे शहरों में जाकर वाक्य परिचर्य करना आसान हो गया!

मैं जब सोता हूँ मेरा दिल का दहकन चलता है! इस समय में प्रभु परमेश्वर हमें किसी ने किसी रूप में हमें संदेश देता है! दृश्य द्वारा स्वप्न द्वारा संदेश देता है! अपना गुस्सा, डर, बाधाये, मुष्किलों सब प्रभु स्वप्न द्वारा हमें संदेश देता है! 1 Kings 3, Daniel 7 में इसके बारेमें कहा गया!

कयी वर्ष पहले मैं ने एक स्वप्न देका था! वह सपने में प्रभु मेरे सामने कड़ा था! मैं ने एक बच्चे कि तरह प्रभु के सामने कड़ा! मैंने प्रभु से एक प्रश्न पूछा तो जो कयी दिनों से मेरे मन में था कि मैं प्रभु का आवाज कैसे सुन सकता हूँ! प्रभु ने उत्तर दिया कि जो तुम चल रहे हैं सयी रास्ते पर चल रहे हैं! अच्छा रस्ता है उसी तरह आगे चलना निराश नहीं होना! उसे नहीं रोखना चाहिये! मैं ने इस प्रोत्साह से आगे चला! मेरे शिष्य भी इस तरह का स्वप्न देखते हैं! उनका जीवन में प्रभु ने कयी महत्व कार्य किया था! दूसरा तरह का दर्शन है! दृश्य में प्रभु ने प्रवक्ता पीटर ने इस तरह का अनुभव किया है! प्रभु से कहा कि जो मेरे बारे में नहीं मालूम वह लोग पवित्र नहीं है!

उनहोंने प्रवक्ता कोर्नेलियस को लोगों समझाने केलिये लोगों को संबोधित करने केलिये! कह कयी साल इस तरह का दृश्य मैंने देखा था! प्रभु मुझसे बहुत प्यार करता है! मैं प्रभु से हमेशा अच्छा संबंध रखना चाहता हूँ तो मुझे मालूम है कि प्रभु मुझसे बहुत प्यार करता है! मैं प्रभुसे हमेशा अच्छा संबद रखना चाहता हूँ तो मुझे मालूम है कि प्रभु मुझ से बहुत प्यार करता है!

तीसरा तरह का दर्शन इन दोनों से भिन्न है! परिशुद्धात्मा द्वारा अपना हृदय से देखना (Acts 7 : 55, 56) मैं बताया गया है! अपना हृदय से प्रभु परमेश्वर को देखा था! मैं दर्शन के बारेमें मैं बात करता हूँ! मैं ऊपर बताया गया ३ विषय पर चर्चा नहीं करता हूँ! इस में दो तरह का अलग अलग दर्शन है जो इस से अलग है! परमेश्वर अपने से सहज प्राकृतिक से अपना सात कहना चाहता है! हम जैसा साधारण जीवन बिताते उसी तरह रहना है! हम प्रभु का आवाज को बादल से गजरती हूँ! आसमान से हम तुलना कर सकते हैं! मैं ने चौत विषय बताने वाला हूँ यह दर्शन अपना मन में होता है मन में एक दृश्य रूप में होता है या उनका नाम आता है! प्रार्थना द्वारा प्रभु अपने को बताता है! अचानक प्रार्थना करते समय एक व्यक्ति

का नाम आता है! जो हम उनके बारेमें प्रार्थन करने का इच्छा होता है! मैं ने देखा कयी इसायी लोग इसका अनुभव किया है!

आखिर विषय इसे पहला जैसा है! इसे हम प्रार्थना करते समय प्रभु जवाब के इंतजार करते समय इसको अनुभव कर सकते हैं! मैं ने प्रार्थन अंत में आखिर विषय, मैं जो बताना चाहता हूँ, हम प्रार्थन समय, प्रभु जवाब केलिये इंतजार करते हैं! हम इस तरह का अनुभव होता है! मैं प्रभु से प्रार्थना किया है कि मुझे प्रार्थना का उत्तर दिया जाये! मैं हृदय से प्रभु को देख सकूँ! उसे समझ सकूँ! मेरा इच्छा है कि प्रभु से नहीं जवाब मिले! दर्शन देखना ही वेगा इरादा नहीं है!

Daniel The Seer

मैं ने इस तरह कयी बार प्रार्थना करते समय अनुभव किया यह एक साधारण अनुभव है! प्रभु का परिशुद्धात्म द्वारा प्रेरित है! (Daniel 4 : 13, 14) हम कयी बार इस तरह अनुभव हुवा परिशुद्धात्म दूत द्वारा हमें संकेत मिलता है! इसके बारेमें बैबिल में कहा गया है! दानियेल् 7 : 13, 15 में बताया गया है! दानियेल ने दर्शन में देखा था! बाबिलोन में उन दिनों में राज का पालन था! उस समय स्वप्न में देखा था! उसे आचारण में एक पुस्तक में दर्शन के बारेमें लिखा था! दानियेल ने दर्शन के लिये रात के समय में इंतजार करते थे! प्रभु को उनहोंने देखा था! बादल से आते हो उने देखा!

हम प्रार्थना करते समय प्रभु को दर्शनों को तब पाते हैं! जब हम प्रार्थन करते हैं प्रभु वाक्य को अध्ययन करते उनका दर्शन को कार्य रूप में सिद्ध होता है!

बैबिल पर आधारित विषय

परिशुद्धात्म को पाना, स्वप्न को देखना हम किसी प्रकार प्रभु को पाते हैं! प्रभु ने उनके सेवक को, भक्तों को दर्शन द्वारा सूचना दिया यह हमारा कर्तव्य है कि हम ध्यान से वाक्य को सुने, उसे आचरण में रखे! प्रभु ने प्रवक्ता अब्राहाम को वचन दिया कि उनका राज्य को संपन्न होगा! अब्राहाम उसी प्रकार प्रभु का आदेश पर चला! प्रभु उन से प्रसन्न हुवा! (Gen 13 : 16, 15 : 5) प्रभु ने अब्राहाम को वचन दिया परमेश्वर ने उनको परिशुद्धात्म द्वारा दृश्य रूप में दिखायि दिया है! (Gen 15 : 6)!

यह एक अद्भुत विषय है अब्राहाम ने प्रभु पर विश्वास है! उन्होंने परमेश्वर को अपने हृदय में आह्वान किया है! बलाम भी एक अच्छा प्रवक्ता था जो प्रभु को विश्वास किया! प्रभु रास्ते पर चलात! उनका बहुत ही महत्व स्थान था! मोयाब के राजा बलाम को प्रत्येक आह्वान पर अपने राज्य पर बुलाया था! राजा ने उनके मदद केलिये राज्य में बुलाया था! बलाम ने प्रभु से अच्छे संबंध था! परमेश्वर ने जो बताया है उसे बताया जाता था! एक संदर्भ में राजा ने! बलाम को इज्रायेल प्रजा पर शाप देने केलिये कहा थी! मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया! (Num 24 : 3-4)!

प्रभु का दर्शन एक महत्वपूर्ण काम निभाया है! जो प्रभु के बारे में लोगों तक संदेश पहुंचाया गया है! (John 5 : 19, 20)! पुत्र अपने आप काम खुद नहीं कर सकता जब वह पिता का संदेश में लाने तक पुत्र काम नहीं कर सकता पिता के आज्ञानुसार पुत्र चलता है (John 8 : 38)! प्रभु परमेश्वर ने कहा मैं काम मेरा पिता के अनुसार करता हूँ! मुझे जो संदेश मिलता है मैं वह काम पूरा करता हूँ! मेरे पिता अस्वस्थ लोगों पर हाथ रख कर स्वस्थता करता है! मैं उसी प्रकार करता हूँ! पिता आज्ञा से मैं चबूतों को दूर भगाया! कयी लोगों स्वस्थता दिलाया प्रभु ने उन पिता आज्ञानुसार चला है! मैं परमेश्वर के आज्ञानुसार चलना चाहता हूँ! मैं मेरे हृदय की आंखों से प्रभुको देखना चाहता हूँ! मैं प्रभु जैसा काम कार्य करना चाहता हूँ! (2 Cor 4 : 18)

(Mat 13 : 34) कहा गया प्रभुको दृश्य रूप में संकेत मिलता था! परिशुद्धात्म द्वारा सपनों द्वारा परिशुद्धात्म द्वारा संकेत मिला था! प्रभु ने इस दृश्य को कथा के रूप में लोगों समझाया करता था! जो भविष्य के बारे में बताया एक कल्पना के दृष्टिसे लोगोंको सम जाया कर था त! समय! फ़सल उगाने केलिये तयार है! इस का अर्थ यह है उन के! लोग उनो के राज्य में! पर मेश्वर के लिये! अपने मन में स्वीकार कर ने के लिये! तयार है! (Col 1 : 15) में कह गयाकि! प्रभुने प्रार्थने में दृश्य को देकात उसे लोगोंको समझाया था! (Col 1 : 15) में पौल ने कहा कि प्रभु है जो हम नहीं देख सकते प्रभु ने कयी प्रवक्ताको उनको शासन को प्रवचन को, समझाया गया जो प्रभु को समझ सके!

फिर भी लोगों प्रभु को नहीं समझे! प्रभु का वाक्य को उनके शासन को टुकुराये थे! जब परमेश्वर के पिता ने पुत्र को इस संसार में भिजाये कि लोग उसे मानव के रूप में देख सकें और उनको समझ सकें!

मैं ने पहले कह चुका हूँ कि स्वप्न परिशुद्धात्म का दर्शन में अंतर है! (Acts 2 : 17)
हम आज अपना जीवन सुखमय से जी रहे हैं! प्रभु का आशीर्वाद हम सभी पर है!
(Acts 2 : 17)

Rev 10. 11 में बताया गया इस में मुख्य वचन हमें प्रभु के पास लाता है! परिशुद्धात्म द्वारा प्रेरित होता है! प्रवक्ता योहान ने परिशुद्धात्म को देखा था! उन्होंने जो कुछ दर्शने में देखा था! मैं लिखा था वह अध्यायन है! प्रकटन जो कुछ देखा था! उन्होंने साफ़ लिखा परिशुद्धात्म दूत से संभाष किया!

आदिकांड से लेकर प्रकटन तक हम देखें प्रभु ने दर्शन से; परिशुद्धात्म शक्ति से लोगों को! भक्तों को; वक्त को दर्शन दिया है! तकि हम प्रभु को अच्छा समझ सकें! स्वप्न द्वारा दर्शन द्वारा प्रभु के आवाज द्वारा लोगों से अच्छा संबंध रखना चाहता है! पर मेरा एक प्रश्न है कि क्यों प्रभु भक्तों को, प्रवक्ता को दर्शन से दृश्य से क्यों बात करना चाहते हैं? चोटा सारांश से लोगो क्यों बताया गया बैबिल में अनेक कथा से जोड़ा हुआ है? इस वजह से लोगो में अनेक संदेह हो सकता है! गलत फ़ामिया पैदा हो सकता है! इसलिये मैं ने सच अध्याय को ध्यान से पढ़कर उसे अच्छा सा ग्राफ़ बनाया जा सके! गलत फ़ामिया, संदेह को दूर कर सके!

The Value of Vision दर्शन का महत्व

डा! डेविड पौल यांगि पास्टर जो संसार के बड़े चर्च के अध्यक्ष हैं उन्होंने दर्शन में, स्वप्न दृश्य को बहुत मानते! परिशुद्धात्म का भाषा दृश्य रूप में स्वप्न के रूप में रहता है! वह कहता है प्रभु मुझे आदेश देता है! वह दृश्य रूप से मुझे बताता है!

प्रभु हमें आदेश दृश्य में सूचन देता जो हम उस से समझ सकें! इस कारण आज उनका चर्च में अधिक लोग विश्वास करते हैं ! करीब 70,000 लोग सभ्य हैं! चर्च में

अधिक लोग इसका विश्वास करते हैं! पर इसको सभी लोग मान लेना यह संचल नहीं हो सकता! कुदह लोग मानते कुछ लोग इसे नहीं मानते! यह अलग बात! पर हम इसे मान लेना है! वह हमारा सृष्टिकर्ता है! प्रभु परमेश्वर ने सारा संसार को बनाया है! महान सृष्टिकर्ता ने मानव रूप इनका ती पर आया अपने पाप को मिटाने केलिये आया है! (Gen 1 : 2)!

जब तक आप को प्रभु से संदेश नहीं मिलता अपने आप को सृष्टि नहीं कर सकते है! प्रभु दर्शन से दृश्य को देखने से आप मास लोको समझ सकते हैं! भविष्य का प्रणाळिका कर सकते हैं! कयी वर्ष पहले एक शिल्पि या निर्माणकर्ता ने एक सपना देखा कि एक बडा निर्माण कर सके! निर्माणकर्ता ने एक बडा पत्तर देखा था जिसमे एक बडा सुंदर चुपा था! कई लोगो इस पत्तर को देखा है! मगर पत्तर मे चिपे सुंदर रूप को नहीं देखा! मैकिल ऐंजिलो ने शिल्पकळा से उसे एक आकृति बनाया! उसका नाम डेविड रखा गया है!

प्रभु परमेश्वर ने मानव को कल्पना को शक्ति दिया है! इस तरह का कल्पना शक्ति जानवरो मे पशु पक्षि मे नहीं रहता! कल्पना शक्ति मानव कयी अच्छा महत्वपूर्ण काम कर सकता है! यह एक प्रभु का अनमोल वरदान है! प्रभु के कल्पना से हमे बनाया था! इसलिये हम प्रभु से कहना है! प्रभु मुझे परिशुद्धात्मा का ग्रहण शक्ति तो मुझ मे प्रवेश करो! परिशुद्धात्मा शक्ति ध्वारा महत्व पूर्ण काम कर सके!

Abraham , The Birth of a Miracle आब्राहाम : अद्भुत कार्य का सृष्टि

अब्राहाम एक अच्छा उदाहरण है जो प्रभु ने प्रवक्ता अब्राहाम को वचन दिया था! (Gen 12 : 1, 2) प्रभु ने अब्राहाम हृदय मे उनके मन मे एक चीज डाला था! वह चोटा पौदा जैसा होकर बडा वृष बन सके! (Gen 15 : 5)!

प्रभु ने अब्राहाम को वचन दिया है! प्रभु के आज्ञा के अनुसार चला! प्रभु पर विश्वास किया! (Gen 15:6)

इस हर एक के सात होता है जो प्रभु पर कर्ता है! वे सब कठिनायि का सामना करना पड़ता है परिशुद्धात्म उसे आगे चलाता नया काम करने का उत्साह बढ़ाया है! मैं ने शुरू में बहुत डरता था! पर प्रभु ने मुझको आत्मविश्वास बढ़ाया! मेरा डर को दूर किया!

अब्राम ने प्रभु पर इतना विश्वास था! उनका मन परिशुद्धात्म से भरा है! उनका आत्मविश्वास नहीं टूटा (Rom 4:20,21)! अब्राम को वाक्य का सूचन दिया! वह उन्होंने प्रकट किया प्रभु का आज्ञानुसार चला है! प्रभु ने अब्राम से कहा कि तुमहारा नाम अब्राम से अब्राहाम बुलाया जाते है! इस नाम को अर्थ है! कई लोगों का अध्यक्ष इतामह है (Gen 17:5)! अब्राहाम इस नाम से बहुत प्रसन्न हुआ! उनका पत्नी सारा को बताया था जो बेटा को जनम दिया! उनका नाम है ऐसाक जो प्रभु ने अब्राहाम वचन दिया कि तुम पुत्र को देखेगा! यह एक उदाहरण है! प्रभु उनका भक्तों को कभी निराश नहीं करता (Gen 21:1-5)!

जो लोग प्रभु वाक्य का अनुभव करते है उनका मन में परिशुद्धात्म प्रवेश होता है! नया काम करने का उत्साह बढ़ाता है! जो तुम कभी नहीं अनुभव किया है! प्रभु परमेश्वर तुममें मुष्किलों का सामना करने का शक्ति देता है! जिसके कारण उनका नाम सम्मा बढ़ता है! जिसके तुलना करना कठिन है! संसार में होने वाला विपत्ति हल होता है! मैं ने प्रभु का शक्ति अनुभव किया!

लोगों ने परिशुद्धात्मा शक्ति को पहचाने है! इसी लोगों को इस शक्ति के बारेमें बहुत अच्छी तरह मालूम है! जिसके द्वारा लोगों वया सोंच विचार और महत्व कार्यो कर सकते है! मानव यह महत्व काम अच्छा किये! प्रभु से पाया जाता है जब मुझे परिशुद्धात्मा आदेश देता है! मुझे दृश्य रूप में दिखाई देता है ताकि उसे समझ सकूँ और वचन को याद कर सकूँ! वाक्य संदेश वाक्य परिचर्या कर्ता हूँ! प्रभु से पूचित हूँ मैं किस वचन को लोगों को संभोदित करूँ! मैं ने इस पुस्तक लिखने में प्रभुसे पूछा मुझे शक्ति दे मैं इसको पूरा कर सकूँ! मैं आप को कुछ मुख्य वचन को याद दिलाता हूँ!

1) पह अंश अब्राहाम ने प्रभु का आवाज सुना था (Gen 12:1-3)

उन्होंने विश्वास अपने आँखों से देखा (Gen 15:5-6)

2) दूसरा अंश (Rom 4:20-21; Gen 17:5; Gen 17:23)

3) तीसरा अंश (Gen 21:5)

Prepare to receive पानेके लिये सिद्ध होना

मैं जब १२ वर्ष का था मैं ने इस वाक्य पर भरोसा नहीं करता था! मैं ने समझा कि यह सब बेकार है! दर्शन, परिशुद्धात्म शक्ति यह सब कुछ काम के नहीं! मुझे सर्फ तीन मुख्य उद्देश्य पर ध्यान (logic) लाजिक Analysis और Cognition यह तीन अंश हैं! इस दुनिया काम आ सकता है! मैं ने सच्चाई को पहचानने के बाद मैं ने हृदय से प्रभु को देखने लगा! उनका आवाज को पहचाना तीन मुख्य अंश को विभाजन किया:

1) पहला: मैं ने अपने आपने निश्चय कर लिया! स्वप्न, परिशुद्धात्म का दृष्टि भविष्य प्रणालिका को पहचानना कठिन है! मैं ने बैबिल का अध्यायन किया इस पर मुझे विश्वास हुआ!

2) दूसरा: मैं ने कयी साल इस्का उपयोग नहीं किया! मेरा परिशुद्धात्म द्वार दृष्ट्या नहीं देख पाया! मैं न सोचा मेरा दूसरा कार्य! मैं ने कुछ समय प्रभु केलिये चिंताया! मैं प्रभु से पूछने लगा हृदय से प्रभु को देखा! पूछने लगा प्रभु ऐसा कुछ है? आप दृश्य रूप में मुझे सूचन कर सके? मैं ने इस अध्यायन कद एक उदाहरण पर ध्यान दिया (Dan 7:2,9,13; 8:2,3,5)

मैं ने निरीक्षण से प्रभु का वाक्य का जवाब केलिये इंतजार किया! अचानक मैं ने हृदय में परमेश्वर प्रभाव महसूस किया!

मैं ने जब पहली बार प्रभु के पास प्रभु को पालेने केलिये आया था! पहल कदम है प्रभु पर विश्वास करना! प्रभु मुझे प्रार्थना में मुझे उत्तर दे दिया! दर्शन द्वारा मुझे सूचना मिले (Heb 11:6)! मैं कहा गया कि जो प्रभु पर विश्वास करता है जो प्रभु से ईनाम Reward) पा सके! इसका हकदार बन सके! अगर मैं प्रभु पर विश्वास नहीं किया तो मैं इनका हकदार नहीं बन पावूंगा! प्रभु का आशीर्वाद नहीं मिलता! प्रभु का आवाज को दृश्य को नहीं देख पाता हूँ!

Developing the Eyes of our hearts (Eph 1:18)

बैबिल इसके बारेमें कहता है कि सोंच समझ से इसका उपयोग करें! परिशुद्धात्म को पा सके! इसका एक ही रास्ता है कि हम बैबिल को बहुत ध्यान से पढ़ना! इसमें कथा कोम सारांश को ध्यान से पढ़ना चाहिए! इस में कथा दृश्य को कल्पना करना है! परिशुद्धात्म से पूछा कि तुम इनके द्वार प्रभु तुम्हें समझना कि बैबिल कथा दृश्य में हम एक भूमिका निभा रहे हैं!

बच्चों का मशहूर पुस्तक (Super Book) मह एक उदाहरण है! संगीत दुनिया में (Don Francisco & Carman) दोनों ने प्रसिद्ध संगीत कर्ता और लेखक हैं! दोनों ने बैबिल आधारित पर नाटक रूपांशक बनाये गये हैं! देखनेवाले लोग इसमें लीन हो जाते हैं! अपने आप इस संगीत में नाटक द्वार लीन हो जाते हैं! इसलिये वे बहुत प्रसिद्ध हैं!

मैं जब क्रिस्तियन कलाशाला में वाक्य परिचय करता हूँ तो सबसे पूछता हूँ कि आप बैबिल पढ़ते समय क्या सोचते हैं? उस में ज्यादा लोगों ने जवाब दिया कि बैबिल पढ़ते समय दृश्य को देखते हैं! काफ़ी लोग इस के बारे में कुछ नहीं सोचते! मुझे यह हैरान हुआ कि अधिक लोग इसलिए पढ़ता है जिस में कथा होता है!

मुझे और एक विषय से आश्चर्य हुआ 25% लोग बैबिल पढ़ते समय दृश्य को सोचते हैं!

प्रभु परमेश्वर कहता है बच्चों जैसा मेरे पास आवो! मुझे मालूम है 100% प्रतिष्ठत बच्चे बैबिल पढ़ते समय दृश्य को देखते हैं! पर आप से निवेदन कर्ता! बैबिल पढ़ते समय परिशुद्धात्म दृष्टि से पवित्र मन से पढ़ना, अपना हृदय से प्रभु को देख चाहिए! (Eph 1:18)

हम यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रभु अपने साथ है! प्रभु हमेशा अपना साथ रहता है! प्रभु से प्रार्थना कीजिए कि आपका सपना साकार हो सके! प्रभु आपको सही उत्तर देगा, सही रास्ता दिखायेगा! बैबिल अध्यायन करने से प्रभु आपने में प्रवेश होगा जब आप परिशुद्धात्मा से अच्छा कार्य कर सकते हैं! (John 16:24; James 4:2)

मेरा सात और मेरा सात के जीवन में हुवा है प्रभुका दर्शन नहीं देक पाया मैंने मेरा मित्रों से चर्च किया! प्रभु से प्रार्थन किया पर मुझे कुछ दर्शन नहीं देक पाया त इस कारन से मैं बहुत चिंता में त मैंने प्रभु से मेरे पापोंका प्रायश्चित किया! प्रभु से प्रार्थन किया पर मुझे कुछ दर्शन नहीं देक पाया त! इस कारन से मैं बहुत चिंता में त मैंने प्रभुसे मेरे पापोंका प्रायश्चित किया प्रभुका उपहार सही तरह उपयोग नहीं किया!

मैंने प्रभुसे परिशुद्धात्म शक्ति पाने के लिये! प्रभु से विव्रति किया इस के ध्वार प्रभुका दर्शन को देक सकु, वाक्य परिचर्या अच्छा तरह से निबा सकु!

मैंने आज तक ऐसा अनुभव नहीं किया प्रभुने मुझे दर्शन दिकाया है जो आज तक नहीं देका त बहुत दिनों तक इसका अनुभव किया परिशुद्धात्म ध्वारा प्रेरित हुवा मेरे मन में आनंद से बरा हुवा है मेरा सफ़ साकार होने के लिये बहुत प्रयास किया त!

Objectives रुकावट

कुछ प्रश्न का जवाब नहीं देना चाह ताहु! क्यों कि आप मुझे पूछ सकते है ऐसा क्यों? क्या आप प्रभु से यह क्यों नहीं कह सकते प्रभु मुझे दर्शन को मेरा इच्छा अनुसार नहीं देते जो मैं सोच था हु? इसका जवाब प्रभु दर्शनों कुछ हद लीक पूरा कर सकता है पर हम नहीं कह सकते है संपूर्ण होगा!

अगर वह दर्शन को संपूर्ण से निकाला जाता है जो आप सोचता है! जाप मह सूस कर ते है यह काम पूरा नहीं हुवा जो मैं सोच रहहु अगर प्रभु से पूछे प्रभु क्यों मुझे ऐसा दर्शन दिये जो मैं नहीं सोच ताहु इसका जवाब प्रभु! अपना दर्शन ध्वारा देता है! जो आचरण कर सके! मेरा दूसरा प्रश्न यह है क्या ना आप प्रभु से निवेदन कर मुझे आप जो दर्शन दर्शन दिकाये उसे आचरण सज्जो ध्वार मन में प्रभुका दर्शन होता है इसके लिये बहुत प्रयास करना पड़ता है जो उसे प्राप्त कर सके!

अगर आपको कोई ने पूछा कि बैबिल में ऐसा कहा गया कि अपने कल्पना से दर्शन को पा सके! प्रभु से कहे कि मेरा इच्छा अनुसार दर्शन कर सकूँ पर यह संभव नहीं हो सकता है! इस तरह बैबिल नहीं लिखा है! हर एक व्यक्ति इसाई प्रभु को अपने मनो में प्रभु केलिए जगा दिया जाये!

बैबिल के अनुसार हमें किसी प्रतिमा को प्रार्थन करना गलत या चित्र को आराधना करना हम इस चित्र को देख कर कल्पना करते हैं! इसके द्वारा परिशुद्धात्म को नहीं पा सकते! यह अपना कल्पना प्रभु कहता है मुझे विश्वास करो, प्रार्थना द्वार प्रभु को अपने मन में आह्वान कर सकते हैं! प्रतिमा को या चित्र को प्रार्थना करने से कुछ भी फ़ायदा नहीं है!

यह संभव हो सकता है! अगर हम बैबिल के अनुसार जी सकते तो सभी मुष्किल दूर होता है! अपना दर्शनों को, सपनों को अपने परिवार के साथ मिलकर इस बारे में चर्चा कर सकते हैं! खाने के समय, अपने परिवार के साथ चर्चा कर सकते हैं जैसा प्रवक्ता (जोसेफ़) यूसुफ़ ने किया था उनका परिवार के सात दर्शन के बारे में चर्चा करता है! क्या हम ऐसा करते हैं? कौन है ऐसा लोग अमेरिका में लोग अपने परिवार के साथ बैठ कर चर्चा करते हैं? अगर हम करते हैं तो लोग हमें आश्चर्य से देखते हैं! अमेरिका नागरिक इसे बिलकुल नहीं मानते हैं! क्या इसे आचरण कर रहे हैं? पर हम इसे अपनाना चाहिए! पाश्चात्य लोगों में रंग भेदभाव से, जाति अहंकार से भरा है! लोगों का मानना है इसासि दूसरा देश का व्यक्ति कयी चर्चों में परिचर्या करते हैं! प्रभु पाश्चात्य देश का है! पर यह बिलकुल गलत है प्रभु के बिना किसी रंग भेदभाव पाट नहीं देखता है! प्रभु सब लोगों को अपनाना चाहते हैं!

क्या आपने जीवन में सुधार लाना चाहते हैं! पुराना जीवन विधान आचरण करना चाहते हैं? यह आपके ऊपर निर्भर है! बैबिल का अध्यायन करो उसे ध्यान से पढ़ो आप के जीवन विधान में सुधार सकते हैं (John 5 : 39, 40)!

हम प्रभु के पास जाकर प्रार्थना करते हैं प्रभु मेरे पापों का क्षमा करो! इस रंग भेदभाव जीवन विधान से मुझे मुक्ति दिलावो! हमारा मन में शांति, समाधान वातावरण हो सके हम आपके परिशुद्धात्म शक्ति को देख सके यही हमारा विनति है!

Testing Vision परीक्ष

हम कभी बुरा सोच विचार पर आकर्षित होते हैं हमारा मन दूसरा ओर आकर्षित होता सैतान एक अपना मन में जगा दिया तो इसका अंजाम बुरा हो सकता है इसकेलिए हम प्रभु को मन में आह्वान करना है! इन से गलत फ़ायदा दूर होता है परिशुद्धात्म शक्ति द्वारा आश्चर्य काम कर सकते हैं! बुरा काम को दूर करना चाहिये! अच्छाई केलिये अपना मन में जगा देना चाहिए!

The Spirit परिशुद्धात्म

परिशुद्धात्म द्वार हमारे मन में एक दृश्य या वाक्य द्वार सूचन ध्वार मिलता है! इन दोनों का अलग अलग भूमिका निभाते हैं यह अपना बुद्धि से सों ते है एक दृश्य ध्वार मिलता है परिशुद्धात्म ध्वार नहीं मिलता है!

अपना मन में सैतान प्रवेश कर्ता है तो इसका दृश्य भी बुरा होता है! मेरा दिल से पूछना है कि मेरा बुद्धि, काली है या बिना कुच काम का है हमारे मन में प्रभु प्रवेश होता है तो अब्बे सप्ना देक्ते है, अच्छा दर्शन मिलता इस केलिए हम सोंचने का जरूरत नहीं है हम क्या कर रहे है!

Ideas in the Revelation

(1 John 4 : 2-5) हमारे मन में जो प्रेरणा मिलता वही कार्य रूप में बदल जाता है जो हम सोंचते है वही करते! अगर हमारे मन में अच्छा विचार आता, अच्छा सोंचते है अशर हम बुरा सोंचते है, मन में सैतान प्रवेश होता है!

सैतान का विचार कभी गलत होता है गलत रासै पे चलाता है कयी अच्छायि काम कोरु कावट पैदा कर्ता है! भय बीत कर देता है प्रभु का काम को पचन को कावट कर्ता है मन में द्वेष को पैदा कर्ता है, इसका केंद्र स्थान है अंदेरा, इसे रोष नि बिल कुल पसंद नहीं है, अंदेरा जो रोष नि कर्ना बिल कुल पसंद नहीं है! उदाहरण प्रभु पर मेश्वर ने आप को चुना है प्रभु ने जो सुचन दिया या दर्शन दिया हो जो किसी पास्टर को नहीं दिय आप सब से अलग व्यक्ति हो, प्रभु ने तुमे चुना गया; परिशुद्धात्म से दर्शन हुवा है! आप किसी को नहीं बोल्ना चाहते है किसी से बात कह ना बिल कुल पसंद नहीं है! जिस तरह का द्वेष आप दूर कर्ना है! यही प्रभु चाह था है!

बैबिल में कह गया सैतान ऐक दूत के तरह दर्शन होता है! पर हम कैसे कह सक ते है, यह गलत है? इसे टुकुराना बहुत मुष्किल है मुझे ऐक बार ऐसा ही दर्शन मिला है! मुझे विश्वास नहीं होरा यह गलत है मैने यह विषय को मेरा सादियोसे! मित्रोसे चर्चा किया त पर इस से वे संतुष नहीं है (Col 3 : 15)! मुझे उन लोगोंका जवाब सही लगा जब मुझे यकीन हुवाकि यह जवाब प्रभु के ध्यार नहीं मिला!

यह ३ तीन अंश को ध्यान में किक ना जटारि है परिशुद्धात्म हमें ३ तरह से मिल था है! 1) रेमा 2) दर्शन से 3) मन कि शांति समाधान होता है (Phil 4 : 7)!

Examining the fruit

अपना सौंच विचार अपना दर्शन पर आधारित होता है (Matt 7 : 16) हम जैसा सौंच ते है उडी पर निर बर होता है अगर हमारे मन में सैतान होता सौंच विचार बी बुरा होता है! मन में प्रभु द्वारा प्रेर ना मिल था है सौंच विचार बे! अच्छा होता है! मन में सैतान प्रवेश होता है! इसका परिवाय बी बुरा होता जैसे बुरा सौंच विचार डर्ना द्वेश गुस्सा अपराद का भाव ना हता है! इसका परिष्कार इन सब चिंता से दूर होना ही अच्छा मार है! यह सही रास्ता प्रभु द्वार ही मिलेगा!

अगर हम परिशुद्धात्म स्व शक्ति, ध्वार प्रेरित होता है! हमारे मन में शांति समाधान आत्म विश्वास बढ था है प्रभु में अभिवृद्धि हाओता है! प्रभु ध्वारा मिला हुवा फ़ल उन में अभिवृद्धि होता है जो अपना आंको से देका है और सुना है जैसे मोषे प्रवक्ता प्रभुको अपना आंको से देका है और बात किया है जो हम अपने मित्र से संभाषण करते हैं!

The Healing Power of Vision :

मैं यह अध्यायन को समाप्त करना चाह था हु! जो दर्शन पर आधारित है मैं ने अध्यायन चार समाप्त कर ते सब से निवेदन किया! है दर्शन बारेमें अनुभव किया है आराधना में उन लोगों का मदत किया जो प्रभुको पा सके (John 4) एक महिला ने उन का अनुभव के बारे बताया ४ महीने पह ले मेरा सात एक बडा संकटन में त मैं पांच व (5th) शिष्य जनम दिया त 5 व महि देमें मैंने हेल्थ चेकप के लिये गया त! डाक्टर ने देका कि शिष्य का सांस नहीं चल रह त! दिल का दड कन (heart beat) चल ना बंद पू गय मेरा इला ज के लिये! दूसरा हास्पिटल में लेगये है! मेरा मुज से लेगया है! मैं बहुत दुःखी हुवा मेरा मन में शांति नहीं है मुझे करासा सप ना देका कर्ता त मुझे नींद नहीं आता त हर दि मेरा बेटा को याद कर था त मेरा बेटा जेरोम का बहुत याद कर्ता त जो उने हास्पिटल में देका त निर्जीव बच्चाको मेरा हतो में लिया! उसे कभी नहीं बूत पाया प्रभुसे प्राड्थन किया त कि मेरा डिल क बोज हल हो सके प्रभुसे मुझे जवाब के लिये इंत जार कर रहता लोगों कहा इसे भूलने केलिये बहुत व्यक्त लग था है!

मैं ने दर्शन देखा प्रभु मेरे पास आये हैं मैं ने ऐक पानी का कुवे के पास बैठा था ! प्रभु ने मेरा पास आया मुझे विश्वास दिलाया; प्रभु ने मेरा हत पकड़ कर अप ने सात बाहर गूमने केलिये कहा था ! मैं ने प्रभु के साथ चला प्रभु ने मुझे ऐक जगा पर लैगया ! वहा ऐक बड़ा पेड़ उस चाव में बैठकर मुझसे कहा आकाश द्वार पर मुझे प्रदेक के लिये ! कहा स्वर पर देखा नीलि आकाश तरफ़ देका सफ़ेद बादल वह पर देका ऐक दूत ने मेरे बेटा जेरोम को अप ने हतो में लिया मैं ने उसे देक नहीं पाया प्रभु ने मेरा कंदों पर हाथ रखकर कहा तुम सब मुष्किलों दूर करता हूँ !

मैं ने कुछ देर तक कामोष थी प्रभु ने मुझ से फ़िर कहा, क्या तुम आकाश के तरफ़ स्वर्ग देखना चाहते हो ? मैं ने कहा ऐक दूत मेरा सात कड़ा पै उन के हात में बच्चा को हल में लिया वह बच्चा बिल्कुल मेरा बेटा जेरोम जैसा है प्रभु ने बच्चा को मेरा हल में दिया ! मैं ने बच्चा को सब प्यार दिया जो मा अपने बेटा को देती है ! मुझे लगाकि मैं कयी गंते उन कि साल चिताया है ! मेरा बेटा जेरोम को मा का प्यार दिया था ! उस समय मेरे अंदर का दर्द को कम महसूस कर रह हूँ ! प्रभु ने मुझे कहा कि व्यक्त हो गया है अब जाना है पर मुझे औने का इच्छा नहीं हो रहा है ! तोडा समय जार चेटा के साट चिताना चाह था हु ! प्रभु ने फ़िल से पूर्वा जानेका व्यक्त होगया ! है ! मैंने जब ह कह मैंने मेरे बेटा जेरोम को प्रभुके हत में सौंच दिया है !

प्रभु ने मेरा साथ वापस चलते हुये प्रभुने वापस मुझे जेरोम को मेरा हत में दिया तीन चार कदम आगे चले धरती से स्वर्ग द्वार तक गया जैसा मनसून हुवा प्रभु मुझ से कहा आप का बैठा ! यह पर मैं ने बैठा कि वापस उन के बिस्तर पर भुलाया प्रभु को धन्यवाद दिया जार वापस दरती पर आये हैं !

ऐसा दर्शन को देखकर ऐक हफ़ता गुजर गया मैं ने जेरोम को हास्पटल में देखा था ! वह जब निर्जीव था मैंसे जब प्रभु के पास देखा था ! प्रभु के पास सुरक्षित है मुझे वह दुःख मन में से नहीं जा रह है !

ऐक हफ़ता गुजर जाने केबाद मैं ने प्रभु से महिळा को वचन दिया है कि चेटा को जनम देगा उन का पह ला नाम है जैसन इसका अर्थ है स्वस्थता दिया हुवा प्रभु का उपहर (Isaiah 61 : 1)! प्रभु ने मेरा हृदय का इलाज किया है 9 महीने के बाद (Jason Matthew) का जनम हुवा प्रभु दिया हुवा वचन पूरा हुवा ! मैं इस अध्याय को समाप्त कर्ता हु और आप से कह था हु ! दर्शन को देक ना सप ने ध्वार प्रभु हमें ! सूचन देता है प्रभुको अप

ना हृदय के आंक से देक ना चाहिये प्रभु पर हमे विश्वास रह ना चाहिये!

5

Journaling : Writing Out Our Dialogue with God

प्रभुसे संभाषण करना मुख्य अंश

प्रभु हम सब से बात कर ना चाह था है! हर समय प्रभु हमें संदेश देता है पर हम प्रभु का आवाज को पहचान लेना बहुत मुश्किल हो जाता है! इसे मेन में रखना भी मुश्किल हो जाता है! इस मुश्किल का हल कर ने केलिये! अच्छा तरिका है उसे लिखना इस तरह दो काम एक ही व्यक्ति में! कर सकते है (Journaling) लिखना आसान तरीका है! हर एक विषय को, प्रार्थना के बारेमें! लिख ना! और उसे ध्यान कर ना! दो काम बन सकता है

मैं ने पहली बार इस बारेमें ! सोचा था मैंने बैबिल को ध्यान से पढ़ा कि मुझे कुछ सहायत मिले! मैंने पढ़ने के बाद सोचा, आश्चर्य होगया! अप ने चर्च मंदिरों में! इसे ल गये! इस पर ध्यान नहीं दिये जो हमें बहुत निहयता मिल था है! (कीर्तन Psalms) अध्याय एक लिखित रूप में! लिखा हुआ अध्याय है!

कीर्तना अध्याय प्रार्थन के बारे में! जार प्रभु का वचन है इस में प्रवक्ता! दावीद प्रभुसे विनती, विनम्र था से प्रार्थन कर ताहै, प्रभुसे ! अप ना दुःख सुख! वेदना को बताना चाह था है! बहुत दिनों केबाद प्रभु से निवेदन के बाद उनके बारेमें! लिखा इसका अर्थ है संगीत के बारेमें लिखा है प्रभु को आराधना के समय उपयोग करते है!

अनेक प्रवक्ता ने आराधना को दर्शन को पुस्तक के रूप में लिखा है! हम अध्यायन के रूप लिखे है! प्रवक्ता ने दर्शन में देखा है, आराधना में प्रभुसे वचन के लिये! बहुत प्रयास किये, प्रभु से जवाब मिलने केबाद उसे ध्यान से लिखे है! प्रवक्ता हबाकुक एक अच्छा उदाहरण है! इस अध्याय बहुत बड़ाहै! उन होने प्रभुसे जवाब केलिये! रोया प्रयास कियाहै!

प्रकटन भी एक अच्छा अध्याय है जो सपनों के बारेमें लिखा गया है! दर्शन के बारेमें प्रश्न पूछते उसे प्रभु ने अच्छा जवाब दिया तो इस अध्यायन लेखक योहान जो उसे लिखा है! सभी अध्याय इस तरह नहीं लिखा गया है! इस बारेमें कम लिखा गया अच्छा अध्याय है (1

Chronicles) प्रभु के दावीद प्रवक्ता को एक अच्छा मंदिर बनाने के लिये कहा गया ! प्रभु ने उने मंदिर का रूप बताया तो उसे रक्षा दिया, दावूद उसे अच्छा ध्यान से लिखा है (1 Chro 28 : 19) इसे पूरी तरह से समझना मुश्किल है हम इस बाये काफ़ी कम समझते जो आगे पीडिया इसे अच्छा समझ सुके !

(Benefits of Journaling) लिंक ने से फ़ायिदा उपयोग्

मै ने जब पहला बार प्रभु का आवाज सुन लेने केलिये प्रयास किया मै ने ध्यान से प्रभु के तरफ़ देखा प्रभु का दृश्य को कल्पना किया जो मुझे जवाब मिल सके! मुझे वचन मेरे मन मे आया फिर सोंचा जो मुझे मन मे आया है! वह सही है या गलत मैने इच्चि तरह परीक्षा किया! मैने सोंचा है यह सब बेकार है! प्रभु ने कह जो व्वकि मे रा पास आता है उसे विश्वास रहना चाहिये! मैने इस्पर तक विश्वास किया कुच क्षण यह मुझे बहुत मुष्किल हुवा! मै कैसा संपूर्ण विश्वास कर्ता हु जो मै इस परीक्षा का पहला कदम से जा रह हु! हर वाक्य को ध्यान कर्से से उसे लिक्ने से और एक फ़ायिदा है! हम आप चिंता से दूर रक्ता है! प्रार्थना से मिला हु जवाब को लिक्ने से इस्का जहब मिलता है! और प्रभु पर विश्वास बड्ता है! मैने इसे हर पारा ग्राफ़ प्रकार लिक्ता मुझे कयी बार १० मिनट लगता या एक गंटा ची लगता ली ! मुझे यन मे प्रेरित हुवा उने लिखता था ! मेरा संकोच को दूर रक्ता था यह एक माध्यम है जो प्रभुको पास ले आता है!

लिखने से और एक फ़ायिदा है हर व्वक्ति हमारे बुद्धि का विकास होता है ! अपना मन को मिलता है ! हर एक काम को नियमित रूप काय कर्ने कि शक्ति मिलता है !

हबक्कूक अध्याय 2 : 3 मे कहा गया! इसके द्वारा बहुत लाभ है! प्रभु ने प्रवक्त हबक्कूक से कहा कि दर्शन को, दिया हुवा! वचन को लिखना है! प्रभु जो वाक्य सूचन कर्ता! वह अवश्य होता है! प्रभु दिया हुवा वचन को कभी नही बूल था है! उनका भक्तो को निराश नही कर्ता 2 हजार वर्ष पूर्व प्रभु ने कहा मै अवश्य आवूंगा (Rev 22 : 20)!

प्रभु दिया हुवा वचन अज्ने पास नही है तो अज्ना विश्वास नही होता ! कभी हमारा मन मे आशंका पैदा होता है प्रभु का दिया हुवा वचन को पड्ने से प्रभु पर अज्ना विश्वास बड्ता है!

प्रभु का लिखने से हर वचन स्वच्छ होता है! मैंने कयी बार बहु संतोष हुवा मुझे क्या कर्ना समझ मे नही आया! कयी बार वाक्य को समज्ने मे मुष्किल ; गलतिया होने का संभव है! प्रभु से सही जवाब के लिये इंतजार कर्ता त उसे ध्यान ने! सुन लेताकि मुझे सही जवाब मिले! उनके अनुसार से मै चलना चाहता!

Some results of Journaling

लिखने से कुछ फ़ायदा :- हर दिन मैं प्रभु को प्रार्थना कर्ता हूँ! प्रभु पर विश्वास बड़ते गया है माय कभी गलती नही किया प्रभु परमेश्वर बहुत ही दयलु है अज्नेपर सदा प्रभुका कृपा रहता है! प्रभुका प्यार को समझने लगा उन्का सच्चा प्यार को समजा मै मे उस प्रेम को दूस से बांट ना चाह ता, मेर परिवार के सात मेरा मित्रों के सात प्रभु का प्रेम! बताना चाह था हु मै बहुत बार प्रभु से मेरा पापोंका प्रायश्चित मांगात प्रभु सन्निधि मे मेरा व्यक्ति चिताया त प्रभु मुज से कह ने आगा माड्ग मै तुमे क्षमाकर रह हु आकिर मे प्रभु फिर से कह मै तुमे! माफ़ करा क्या तुम उसे क्षमा कर सक ते हो वह वाक्य मुजो पत्तर जैसा लगा मै बहुत संतोष हुवा!

मै परिशुद्धात्म के बारे मे जान कारि नही त मैंने परिशुद्धात्म शक्ति के लिये! दर्शन के बहुत प्रयास किया! उसे लिख ने से मुझे बहुत फ़ायिदा हुवा परिशुद्धात्म द्वार प्रभु मुझे दर्शन प्रेर्ना मिला है हर बाड़ मुझे प्रभु से नही मिल था प्रभु से जवाब के लिये इंतजार कर्ना पडता प्रभु कयी बार मेर सफल था के बारे मे जान कारि लेता मेर गुस्सा , द्वेष, बारेमे बाट चीत कर ताकि मै कितना सफल था पाया है प्रभु कह था है उसे पाने कि लिये, प्रेम, निस्वार्थ होना चाहिये जब हम! पाप का प्रायशि मिल था है हमे मुष्किलों से दूर कर था है, हय प्रभु चाह था है!

बैबिल अध्यायन कर के उसे इच्ची तरह से लिख ने बहुत फ़ायिदा होता है इस के ध्वार गलत फ़ामिया दूर कर सक ते है यह ऐक अच्छा आधात है! हम दूस रों उपदेश कर सक ते है मुख्य अंश को संबोधित कर सक ते क्योंकि अप ने समाज मे कयी तरह के लोग रह ते है!

मै कभी वाक्य परिचर्या कर ताहु मुख्य अंश को ध्यान मे रक था हु! जो प्रभुने मुझे विचन ध्वार प्रेरित किया है परिशुद्धात्म ध्वार दर्शन देकना यह ऐक तेक नीक से बी ज्यादा है हम हर काम कार्य किया से कर ते है जैसे चलवा फिर ना , काम कर ना हम सजीव जीवित वस्तु है हम प्रभु को हृदय से प्रभुको देक ना है जीवन को ऐक अच्छा दिषा मे जानेके लिये

कोषिष कर ना चाहिये! उसे पाने के लिये प्रयास कर ना चाहिये!

मेरा पास पति पत्नी आये ते वे उन के बेटी के बारेमे शिकायत कर ने आये ते बेटी का समस्य है कि! उन की पडायि मे श्रद्ध नहीं है इस कारण पडायि मे माड्क कम हो गया है इस वजे से उन कि यात पिता बहुत दुःखी ते! उन कि बेटी को विमर्शा उनके साट अच्छा व्यवहार नहीं जैसे पहला त वह प्यार नहीं जैसे पहले कर ते ते! उने एक दुष्मन की तरह देक रहे है घर मे कुटुंब प्रार्थन बी चोड्म दिये! मैं उन के सात बैठ कर समस्यको समझ ने लगा मैंने उन दोनों सम जाय हर एक समस्य को को लिक ना है जो उसे समझ सके ऐसा कर ने के लिये! मैंने प्रोत्साह किया कुच दिन (Tom) टाम ने दर्शन को देका त उन होने देका कि प्रभु ने उने के क पास आया प्रभु ने टाम के कंदो पर हात रक कर कहा टामे तुमै मालुम है मै तुमे कित ना प्यार कर था हु (Cathy)! क्याती को ची इसी तीरह प्यार कर ना (Susan, Tom) ने समझ ने लगा कि अच बेटि उन का दुष मन नहीं है!

सूसन और टाम ने क्याथी को प्यार से सम जाने लगे प्रभु का प्रेम से फिर से क्याथी को प्यार कर ने लगे कुच दिनोंके बाद क्याथी मे प्रवर्तन आया त उन के पडायि मे सुदारो आया त अच्छे मार्क आने लगे उन का टीचर ने अच्छ था रफ़ किये है! कुटुंब मे सबी प्रभुका आराधना कर ने लगे है!

Few Practical Matters

मैने सृष्टि कर्ताको याद कर ना नहीं बूला है कित ना बी मुष्किलो समस्या हो मैने प्रभुका आराधना कर ना नहीं बूला है! प्रभु ही मेरा समस्या को दूर करेगा! मै सुबह उठते ही; प्रभुसे संभाषण करता हु! दिन का आरंभ शुर्वात प्रभु से प्रार्थन कर था हु! मुझे हर काम सफल था पाप होता हे और आत्म विश्वास बी बड था है!

मै लिक ते समय हर एक वाक्य को ध्यान मे रक कर उसे लिक ने के लिये! साधारण (Spiritual Bound) नोट बुक मे लिक था हु! पर आज्ञा कल कंप्यूट्स आये है! यह बी एक अच्छा माध्यम है इस एर लिक ने ने अलाव इस पर टैप कर सके ए आवास तरीका है अप ना आंक बंद कर के प्रभु प्रभु फिर अपना मन केंद्रित कर अप ना काम कर सक ते है एक विध्यार्थि ने कह कि मै कार मे जाते समय सात मे टेप रिकार्डर साते मे लेजाता है प्रार्थन कर ते समय उसे रिकाड्ड कर ते जो ची प्रभु प्रार्थन मे पेरित कर था त उसे

उसे रिकार्ड कर उसे सुन ते है!

मै लिका हुवा मुख्य अंश मे ज्वादा “व्यक्ति गत अंश” रह था ता उसे बडा अक्षरों मे साम ने औ आकिर पेज मे लिंक लेता हु! कुच व्यक्तिगत अंश को षार्ट कोड भाष मे लिंक था हु त कि दूस रे लोग नही समक सक ते!

व्यक्ति गत अंश को लिंक ते समय बहुत विषय! ध्यान मे रक था हु! उस मे एक अंश है (शृंगार) Sexuality. इसे ध्यामि मे रक ना पड था है! उसे संदर्भ अनुसार हर एक वचन को ध्यामे रक कर लिंक ना पड था है मैने हर पेज ध्यासे देका इस मे पूरा मिल (50) पेज है इसे देक कर आश्चर्य होगया (शृंगार) अंश पर 50 पेज लिंकात!

मैने ऐक सेमिना मे व्यक्तिगत विषय पर चर्चा कियात! ऐसा विषय पर ध्यान, देना चाहिये! यह जरूरि है व्यक्तिगत विषय लिंक ने फ़र भाष औ कोड भाष को प्रमाण कर ना है पर कुच लोगों ने इस का मजा क किया है पर मै चाह था हु हम दूस रों को इस वजे से दुःकी नही पहुंचाना चाहिये! कुच विषय होता उसे बाहार बोल नही सक ते पर पर मेश्वर को अप ना बादा मुष्किल हम जो सकस्या से गुजर रहे है प्रभु सष्किलों का दूर कर था है! मै मुक विषय को लिंक ते समय उस दिन का तारीक समय को ऊपर लिंक था हु! प्रभु ध्वाड़ सूचित किया वाक्य को लिंक था हु दर्शन को याद करेके उसे ध्यान से लिंक ताहु मुख्य दर्शनोंको दुःश को जो प्रभु धा प्रेरित होता है! सच पुस्तक मे लिंक ते ताहु और मुख्य व्यक्तिगत विषय को प्रत्येक रूप से लिंक था हु मेरा जीवन मे मुख्य गट ना संख दुःख द्वेष अप मान काम याज बीता हुवा इच्चे दिन बुरे दिन कुच दुर्घटना असेक विषय अन मोल पुस्तक होसको होता है ऐक डियरी (Dairy) बन जाता है!

मै कुच लोगों के लिये प्रार्थन कर ना चाह था हु उन का नाम जो प्रभु ने मुझे प्रेरित किया है मै उन का नाम को ऐक लिस्ट बानाकर मेरा पास र्क लेता हु ऐसा कर ने पे मुझे काम बहुत आसान होरा मुख्य विषय हम नही बूल सक ते!

मैने पुस्तक मे हर विषय को लिंक ना आदत किया है कयिमहीने लिंक ने का आदत हो गया मैने इस आदत से बहुत कुच सीकाहै! लिंक ने से आप का ज्ञान बडेगा बुधि विकसित होगा इस से बहुत फ़ायिदा है!

कयी बाड़ मैने इत ना उल जन मे त सच कुच चोड लेने केलिये तयार त ! मेरा काम पर मै संतोष नही त क्योंकि प्रभु से मुझे सही उत्तर नही मिला है! इस कारण से मै बहुत निराश हो गया है!

ऐसा सबी लोगोको होता है जैसे मुझे हुवा है! जब इस तरह के समस्य; आता है तो आप और चल ने कि कोषि ष कर ना चाहिये! जै से आगे चल ने कि कोषि ष कर ते! है समस्य को दूर कर ना आसान हो जायेग अप ना आप मे आत्म विश्वास बड जाता है! प्रभु मे अभिवृद्धि हुवा लिक ने का आदत बड गया है पर मुझे इत ना लिक देका जरूकत नही है जै से पह ले कर था त!

मै ऐक विषय बताना चाह था हु जो मैने! अनुभव किया है! हय कभी नया काम को सीक ते है! तो कयी मुष्किलो का साम ना कर ना पड ताहै! कयी संदर्भ मे हम हर ना पड था है! जो चीकाम हो जैसे सैकिल सीक ने मे बैक चलाने मे! किसी किसी बाषाको सीक ना हो पब्लिक मे कुच बाषन देना हो गाना गाने का हो जो बी हम पहली बार कर ते है तो बहुत कटिनायि का साम कर्ना पड था है! जै से जैसे हम सीक ते है वह काम आसान हो जाता है! उसी प्रकाश लिक ना उसे ध्यान कर ना बी ऐक साधन है!

सेमिनार मे ऐक हिला इस तरह कह के मुझे आज तक मुझे प्रभु से किसी संदेश नही मिला, प्रबु से मुझे किसी प्रकार का अवाब नहि ब नही इस लिये इस लिके ने का आदत चोड ना चाह था हु मैने उस महिळा को सम जाया है! प्रोत्साह किया गुल तिया कर ना मनुष्य का स्वभाव है इस कारण से बहुत कुच सीक ते है! महिळा ने वही किया जो मै ने कह महिळ ने गलती से बहुत कुच सीका है! उने बहुत आश्चर्य हवा है प्रभु उस महिळा का जवाब सुना है! य कुशी कि बाट है प्रयत्न कर ने से सच कुच सफल था होता है!

ऐक और महिळा ने कह कि मै जो लिक था हु अच्छा नही होता उसे उच्चारण नही कर सक ते इस वजे से मै हुत चिंता हु! मैने उन से कह प्रभु तुमार उच्चारण ओ गलति ये को नही देक प्रभु सच कुच मालुम आष का तक लीफ को अच्छा समझ था है!

(Journaling) लिक ना अच्छा साधन है इसे आप का जीवन को बदल देता है मन के अंदर बावना को लिक ने से आप लिंकित रूप से लिक सक ते प्रभुको परिशुद्धात्म बेरे जान सक ते है प्रभु वाक्य से लोगोको उपदेश देता है!

हम दिन बर कयी तरह का काम कर ते है! प्रभु सन्निधि मे उन से बात कर ना प्रभुका आराधना मे अप ना व्यक्त चिता ते है! येसा कर ने से उद्देश मिल था है! कभी कैसे होता नही मालुम प्रभु से प्रेर ना मिल ते ही हम! उसे लिंक ते है यह ऐक अच्छा आदत है!

Automatic Writing

मै इस विषय को दो विभाग करे के दो प्रश्न पूछ था हु? आकिर आटोमेटिक रैटिंग अप ने आप मे लिंक ने का तरिका क्या है? क्या यह लिंक ने का तरिका कल्पनिक हाय साट्टान काम है? यह बी लिंकित रूप मे लिंक नेका काम है? मेरा समाधान ह यह ऐक सैतान का काम है! जो अप ने आप मे हो जाता है धासे लिंक ते समय हमे मन से सौंच ते है पर सैतान का काम मन से सौंच विचार से मत लब नही रह था है वह अप ना हल से चिना सौंच समझ से लिंक था है प्रभु दिया हुवा सूचना से नही होता है!

To whom do we pray? हम किसे प्रार्थना कर ते है

मै यह प्रश्न को कयी बार पूछा है हम कि स को प्रार्थना कर ना चाहिये? पिता को या पुत्र को मेरा समाधान है पर मात्म पिताहको पुत्र ध्वारा उने प्रार्थन कर ना चाहिये परिशुद्धात्म ध्वार प्रार्थन कर ना चाहिये!

(John 15) - मो कह गया है कि प्रभु पर विश्वास कर ना चाहिये

(Col 1 : 15) - मे कह गया है प्रभु पर विश्वास कर ना अप ना कर्तव्य है पर मात्म को प्रार्थना कर ना है!

मैने इस प्रश्न से बहुत ही उल जब मे पडा मैने प्रार्थन से प्रभुको इस प्रश्न का उत्तर देने के लिये कह ती प्रभु ने कह कि यह सही है प्रभु के पुत्र ध्वार कर्न आ ही ध्वार यह संभव हो सकता है! पर मेश्व र पिता पुत्र और परिशुद्धात्म यह ३ ऐक है! (John 8 : 28, 38)! (1 John 1 : 3) और (2 Chro 13 : 14) मे कह गया पित परमेश्वर को पुत्र औ परिशुद्धात्म ऐक ही है!

इस के लिये ह लिंक ते हे पेन्सिल और कागज लेकर ध्यान से सौंच कर आप के मन का बो आय उसे लिंक ना है परिशुद्धात्म अध्वार प्रेरित हुवा वचन को ध्यान से लिंकिये!

उदाहरण (Habakkuk) प्रवक्त के बारेमे लिंकिये उन होने 4 मुख्य विषय पर केंद्रित किया! 1) उन होने ने मन के भावनाको ग्रहण किया!

2) प्रभु के साम ने जवाब के लिये इंत जार किया!

3) प्रवक्ता ने दर्शनोंको उपयोग किया!

4) प्रभु दिया हुवा जवाब उन होने सौंच कर समझ कर ध्यान से उसे लिंक है!

Habakkuk Putting it all together

Habakkuk प्रवक्ता ने यह सब ऐक सात प्रयोग किया है!

आप को बताना चाह था हु मै ने पह ला बार 1979 मे (Journaling) लिंकना आरंभ किया त! मैने ऐक बच्ची परेशान त बहुत शरारत लंक की ति हमारे परिवार के सात रह ति ती बच्ची का नाम (Judy) ती (यह उन का सही नाम नहीं है) हमार परिवार का नियम निबंधनों को तोड रही है मैने उने कयी बार समजाया पर उन होने मेरा बात को नहीं याना हमार परिवार के सात रहना है तो नियं निबंधनों को का आचार कर्ना चाहिये! पर उन होने नहीं मानि!

मैने लिंक ने का आचरण कर रह हु! यह मेरा शुरुवाट त मैने (Dairy farm) पशुशाल पर मेर बच पन गुज रा त वह पर कयी बव डी (wells) कुव्वे है (John 4 अध्याय को स्मरण किया दृश्य मेरा साम ने देका समरिया स्त्री कुवे के पास बै ट है! प्रभु ने उन के सात त मैने प्रभु के तरफ़ देका प्रभु प्यार का अनुभव किया है!

मैने (Judy) के बारे मे प्रभु से प्राड्थन किया त प्रभु मै क्या करू? प्रभु दर्शन पर ध्यान दिया! प्रभु ने कह उस पर तुमा प्यार दिंकाना है मुझे यह वचन अच्छा लगा मैने इसे Dairy मे लिंक है! मैने फ़िर से पूचा प्रभु मुझे और कुच सूचना देना चाह ते है? मैने कुच आवाज नहीं सुना मेरा मन मे आया है जूडि को प्यार का जरूरत है!

मैने वही किया जो प्रभु मुज को वचन दिया है ! मैने उसे द्वेष नहीं किया मैने Judy को प्यार से समजाया प्रभु वाक्य द्वार उने सम जाने कि कोषिष किया (Judy) मे बहुत परिवर्तन आया है! मै बहुत संतोष हुवा! हमारे परिवार के सात (Judy) ऐक साल त!

मैने अनेक सारांश को मेरा पुस्तक मे लिखा है किस तरह (Journaling) उपयोग होता है! इस पर प्रयोग किया है हर दिन प्रभु सन्निधि मे मेरा व्यक्त बिताय है प्रभु ध्वार मैने बहुत ज्ञान मिला है!

मैने इस अनुभव को मेरा पत्नी से जार्द अनुभव लोगों से उसे बताय वे कह केइ प्रभु ध्वार यह काम हुवा है प्रभु के आज्ञानुसार हुवा है! इस तरह पुस्तक मे लिक्ने से आप को आत्म विश्वास बड ताहै! बहुत दिन के बाद इस आदत अज्नाते! है! आप को को अनुभव हो जाता है मुझे कयी सालो (वर्ष) के बाद मुझे प्रभु का उपहार (Revival) मिला है!

प्रभु का आवाज को सुन लेने केलिये बहुत प्रयास किया मुझे (रक्षण) salvation मुक्ति मिला है यह जीवन हुवा उख्य संग है! मेरा जीवन नया मोड मिला है!

प्रवक्ता हबक्कूक ने प्रभुका आवाज को पह चानाहै! पर हर वाय जो प्रभु ने दिया है उस का आचरण किया है! इस बाये मे हबक्कूक अध्याय मे अच्छा बताया है!

इस वचन को स्पष्ट रूप से बताना चाह था हु!

key 1 मुख्य अंश 1

प्रवक्ता हबक्कूक ने प्रभु वचन के लिये इंत जार कर रह है! बहुत निश ब्द से प्रभु वाक्य का इंत जार कर रह हय प्रभु का आराधना मे हमे बहुत संतोष मिल था है! प्रभु केलिये स्तुति कर ना गाना यह सब प्रभुको प्रसण्ण कर ने का साधन है!

key 2 मुख्य अंश 2

हबक्कूक बहुत इंजार से देक रह है प्रभु मुझे क्या बताने वाले है! हम इत ने लोग मान ते है यह गलत है? पर यह सूर है! हम ची प्रभु के लिये उन के जवाब के लिये! इंत जार कर ना प्रभु दर्शन ध्वार कयी महत्व पूर्ण काम! कर सक ते है, इस मे बहुत शक्ति और ताकत है! जो

अप ने मन और बुद्धि को! विकास होता है! पहले अप आत्म विश्वास बढता है! प्रभु वाक्य को आचरण कर ने! से हम मुष्किलो से मुक्ति मिल था है!

key 3 मुख्य अंश 3

प्रवक्ता हबक्कूक ने प्रभु वाक्य अनु सार! प्रभुका आहज सुन लेता है! उस का आचरण कर था है! हृदय से प्रभु को दिया वचन ग्रहण कर था है! परिशुद्धात्म ध्वार संदेश मिल था है! (1 Cor 2 : 9, 10) (Cor 6 : 17)!

key 4 मुख्य अंश 4

प्रवक्ता हबक्कूक ने प्रभुका निरीक्षण किया प्रभु से संभाषण किया है! प्रभु दितू हु सूचन को दशन को अप ने पुस्तक मे लिखा है! जो उसे पड ते वे प्रभुका अनुभव कर ते! इस लिख ने का प्रक्रिया! बहुत विशिष्टता है! प्रभु वाक्य लिख ने से इस का आदत कर ने हमारा मन और बुद्धि विकसित होता है! बुद्धि मिलता है! आत्म विश्वास बढ था है (Hab 1 : 10, 11)!

- 1) Becoming Still (इंत जार)
- 2) Tuning to Spontaneity (निरीक्षण)
- 3) Vision (दर्शन)
- 4) Journaling (लिकना)

Helpful Hints (मुख्य सहाय सूचना)

Journaling लिख ने से इस का आचरण से हमे बहुत उपयोग! मै आप को २ मुख्य सूच ना देना चाह था हु जो आप को बहुत उपयोग होता है! मैने पहला बार प्रभु के पास प्रार्थना कर ने के लिये आया त प्रभुका आवाज को पह चान कर ने के लिये! बहुत उत्साह त! मैने बाहर (Outside) के तरफ़ इस का अर्त है बाहर विषय पर ध्यान नही दिया मैने अप ना हृदय से प्रभुका निरीक्षण किया मेरा मन नया सौच विचार से आने लगा है!

Journaling को पूरा कर ने के बाद आप को मालुम होता है! लिख ने से कित ना परिवर्तन आया है! प्रभु से सूचन आप को किस तरह फ़रक आप को मालुम होता है यह ऐक अच्छा

माध्यम है इसे! उपयोग कर ना आसान होगा जब आप इसे हर दिन प्रयाग कर ने आसान होगा परिशुद्धात ध्वार प्रेर ना मिल था है!

हर बार आप सफल था मिल ना मुष्किल है इस के लिये! बहुत प्रयास कर ना चाहिये! जब आप को सफल था मिल था है!

Don't Ask for Dates

मुख्य विषय बाताना चाह था हु!

(Journaling) लिंक ते समय मुख्य अध्या को ध्यान मे रक कर उसे लिंक ना पडता है प्रभु ध्यार ज आप को प्रेरित होता! है उसे आप लिंक ते! प्रभु दर्शन होने पर ! परिशुद्धात्म ध्वार वाक्य सूचन मिल ने पर उसे लिंक ते है! मैने प्रभु से नही पूच ना चाह था हु! कब सबी काम किस समय पर पूर कर सक ते है! कभी कभी यह गलत साचित हो सक था है! प्रभु हमे चाह ते है! उन पर संपूर्ण विश्वास करे!

(Amos 3 : 7) मे कह गया कि प्रभु प्रवक्ता से कहे किसी बी काम नही कर सक ते है! कुच प्रवक्ता ने प्रभु से सही समाचार मिला है! जो भविष्य मे होने वाले है (1 Cor 14 : 31)!

लिंक ना ऐक अच्छा माध्यम है कास तौर पर यह आधुनिक जीवन मे बहुत जरूरि है! यह आप का अंदर का भावना को बाहर उसे लिंकित रूप मे बताना चाह ते है!

It takes Work. महनत से होता है! (Oral Roberts) ओरल राबर्टस प्रख्यात हीलिंग एवांजलिस्ट हमे उन से पूच प्रभु से संभाषन कर ने के लिये! क्या कर ना चाहिये! उन होने कह कि इस के लिये! आप प्रयास कर ना चाहिये! आप को संपूर्ण विश्वास रहना; कटोर साधना कर ना चाहिये! जो आप प्रभुका आवाज सुन सके! यह आप के ऊपर निर्भर है! करना चाह ते हो या नही आप निर्णय लेना! मन मे दृढ विश्वास रह ना चाहिये!

अंदर का दुनिय बहुत बडा होता है इसे समझ ने के लिये! बहुत व्यक्त लग था है! उदाहरण : बच्चों को पाठशाल मे पड ने के लिया डाल ते है शिक्ष कि पाने के लिये करीब १२ साल लग था हाय! बहर कि दुनिया को मालुम कर ने के लिये! बहुत व्यक्त लग था है!

परिशुद्धात्म को पहचान कर ने केलिये! 1 या 2 साल लग था है मुझे साल लगा परिशुद्धात्म को! प्रभुका सूचन मिल ने के लिये! बहुत व्यक्त लगा! आवाज को पहचाना!

Conforming Testimonies

मुख्य विषय को माउम कर ने के लिये जान कारि के लिये मैने कयी पुस्तक का अध्यायन किया त कि मुझे पुस्तक ध्वार सहायता मिल सके ! शुरुवात मे मैने मुख्य अंश को समजना मुष्किल त! परिशुद्धात्म ध्व प्रभु से प्रेर ना मिल ने मुझे इस का अर्त सम जा है!

- 1) प्रभु द्वारा सूचन हमे! अच्छा सौच विचार से मिल था है मन मे अच्छे भावना आता है!
- 2) प्रभु परिशुद्धात्म ध्वार दर्शन को देक ते है!
- 3) मुख्य विषय को पुस्तक मे लिंक ना बहुत जरूरि है!

आप को मुख्य पुस्तक के बारे मे! जान कारि देता हु! (Douglas Weads)

पुस्तक Hear His Voice

Larry Tomczak पुस्तक करिष्मा जो मन मे आने वाला! भाव ना किस तरह आता है! इस मे दिया गया है!

- 1) प्रभु ने कयी प्रवक्ता को उन के दर्शन ध्वार सप नों ध्वार सूचन दिया है आप के मन मे दृश्य को सौच ते है!
- 2) Scripture बैबिल् ध्वार हमे प्रभु सूचन देता है! कुच अध्याय हमे बहुत आकर्षित कर था है! जो हमे प्रेर ना देती है! वाक्य ध्वार बी हमे सूचन मिल था है!

(John Patrick Grace) ध्वार लिका हुवा पुस्तक (Hearing His Voice) 1979 मे Are Maria Press ध्वार प्रच लित किया है!

Dr. Roberts ने कह कि प्रभु हमे आवाज ध्वार हमे संदेश देता है! उन होने प्रभु ध्वार कयी दर्शनो को देका है! इसे पुस्तक रूप मे लिका है!

फ्रान्सिस माक वाट ध्वार लिका पुस्तक

The Way My Guidance हुवा है!

Ben Kinchlow Christian

उन होने कहता है प्रभु ध्वार दिया! हुवा सूचन को मै सुन सक था हु! लोगो से कहता हु के!

यह प्रभु मुझे दिया हुआ वचन है!

(Glen Clark) लिखा हुआ पुस्तक “The Souls Sincere Desire” प्रभु सच्चायी को! अच्छायाई को प्रभु परिशुद्धात्म शक्ति ध्वार अप ने तरफ़ देक था है साधारण व्यक्ति नहीं परिक्षा कर था है समझ था प्रभु सर्व शक्तिमान है अप ने मन का भाव ना को सब समझ था है! प्रभु वाक्य ध्वार हमे प्रोत्साह मिल था है! जो हमे अच्छा वाक्य का सूचन देता है!

सौच समझ से

दर्शन से सप नों ध्वार

पुस्तक रूप मे लिख ने से हमे प्रेर ना जरूर मिल था है! (हफ़ ते) week मे दो बार स्मरण कर ना है! 3 महीने तक प्रयास कर ना चाहिये! प्रभुको अप ने हृदय मे आव्हान कर ना है! संपूर्ण विश्वास होना चाहिये! जब प्रभु हमे जवाब देता है प्रभु ध्वार वाक्य का मिल था है! प्रभुको अप ना मित्र समझ ना है!

6

Biblical Pattern for approaching God प्रभु के पास जाने के लिये बैबिल के मुख्य विषय

प्रभु को पाने के लिये मैं बहुत प्रयास किया है प्रभुको पाने केलिये मुख्य माध्यम है (Journaling) लिंक ना, परिशुद्धात्म को पाने के लिये आराधना ध्वार प्रभु दर्शन देक सुक ते है दर्शन के आदारि न दर्श न सप नो ध्वार प्रभु सूचन देता है! लिंक ने के माध्यम से मुझे सब काम आसान हो गया है! कयी संदर्भ ऐसा त मुझे ! प्रभु का आराधना कर ने का मो का नही मिल ता! इस कारण मैं दुःकी त बहुत दिनों के बाद मैं ने निर्णय लिया प्रभु के लिये कुछ व्यक्त लेना है प्रभु को स्तुति कर्ना है बैबिल मे कह गया जो मुझे ! कोज त है मैं उसे अवश्य उन का इच्छा पूरा कर्ता हो जैसे प्रवक्ता मोषे को प्रभुने दर्शन दिया त!

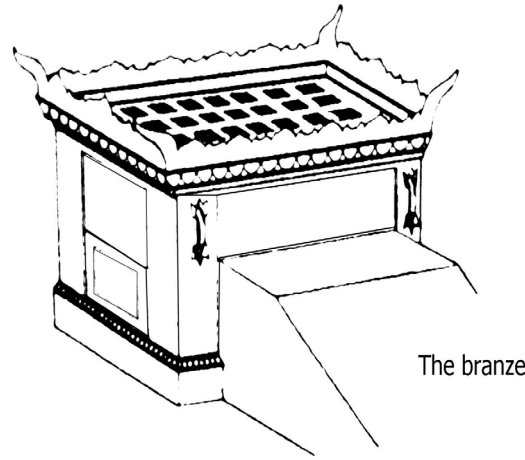
(Tabernacle) ऐक बैबिल मे ऐक मुख्य अंश है! इस का बहुत महत्व है ! इस मे पूर (50) अध्याय है! इस (Tabernacle) के बारि मे! दिया है!

(Matthew) और (Mark) अध्याय मे दिया गया है! प्रभु 3 इसे बहुत मान्यत दिया है ! (Jews) युद के लिये इस का बका बहुत महत्व देते है! उसी तरह हम बी इसे बहुत महत्व देते है (Heb 8 : 5) मे बताया गया है कि प्रभु का दर्शन पाने के लिये! दर्शन कर ने यही ऐक मार्ग त!

Tabernacle मे 3 विभाग है किया गया है जो मनुष्य का! ३ गुना (3 Fold) अदिक मनुष्य का तत्व को बताया गय बाहर का ध्वार को (शरीर, से तुलना की गयी है, परिशुद्ध सल को आत्म से तुलना की गयी है, परिशुद्धात्म को मानव का आत्म से तुलना की गई है ! (Tabernacle) मे करी ६ तरह का (तुक के) चोटा हिस्सा (Furniture) किया गया जो प्रभु के ध्वार तक ले जाता है!

Outer Court (बाहर) का ध्वार! बाहर ध्वार बहुत सुडा और विहाल है इस मे! परिशुद्ध स्थल को (Holy of Holies) बी रेहता है! इस विशाल स्थल को रोष नि (सूर्य) कांति चंद्र

ध्वार मिल था है! बाहर का ध्वार को मानव (शरीर) से तुलना की गयी है! जो (5) मुख्य अंगोंसे ग्रहण कर लेते हैं!



बाहर के ध्वार में 2 मुख्य (Furniture) ध्वार जैसे! (Brazen Altar) और (Lavers) Brazen Altar कांश विग्रह को सामने कड़ाया है! मुख दर्वाजा (Gali) रहता है! वहाँ पर पशु! का बलिदान किया जाता है! जो लोगोंका! पाप मिटाने के लिये! पशु का बलिदान देते हैं! परिशुद्धात्म दर्शन समय! इस ध्वार के अंदर जाना मना है!

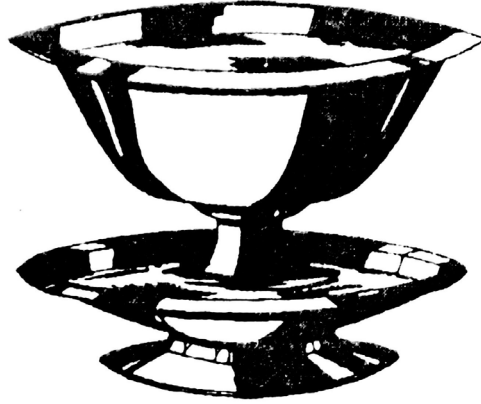
Brazen Altar के पास पहुँच कर वह पशु का बलिदान कर लेते हैं! (Rom 12 : 12) इस का वर्णन किया गया है (Gal 2 : 20)!

इस Brazen Altar के पास जाने के लिए ये लोग मना कर लेते क्योंकि यह जग बहुत (भयानक) इस का अर्त शरीर का अंत (Death to our flesh) इस के सामने समर्पण करना आज्ञा का पालन करना ! यह हर दिन अनुभव कर लेते हैं! प्रभु के पास आकर हम आत्मों समर्पण नहीं कर लेते! अपन मन में जो कह था है उस के अनुसार चल लेते हैं! प्रभु ध्वार दिया! वचन हम ध्यान नहीं देते हैं!

दूसरा ध्वार है! बाहर का ध्वार (Outer Court) है Laver यह एक गोलाकार का पात्र है प्रदान अधिकारी लोग पशु बलिदान करने के बाद! हात और पैरोंको दोते हैं! इस में दो प्रकार के होते हैं! इस में हात और पैरों को दोते हैं इस में (Bronze) वेस्तू का उपयोग किया

है ओ महिळा वो ने (Mirror) अयिना कांच मे उपयोग करते है!

(Laver) को प्रभु का वाक्य (वचन) सूचन किया गया (Ephesians) मे! पाल ने कहा कि प्रभु वाक्य ध्वार पानि से शुभ्रता करते है! परिशुद्धात्म वचन ध्वार हम को स्वच्च रक ना है



The laver

इस काम कर ने के लिये हमे! बडी ओज ना कर ने कि जरूरत नही है! नर हत्य कर ना बहुत पाप है प्रभु ध्वारा दिया हुवा वचन है!

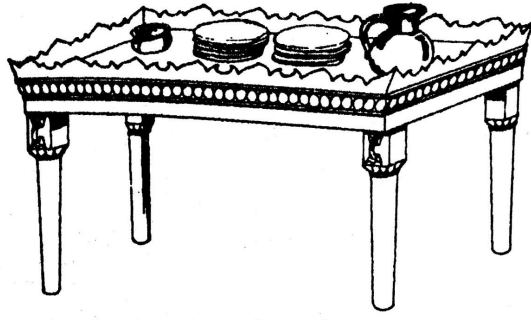
The Holy Place परिशुद्ध स्थान (जगा)

इस मे बाहर का (Court) बहुत सुंदर है जो बडा (Tent) से सजा है परिशुद्ध सान को बहु सुंदर से सजा हुवा है! परिशुद्ध पान अप ना आत्मा को सूचित किया है! स्तान को अंदर से भी बहुत सुंदर होता है! जो नीली रंग , परपुल , scarlet से सजा हुवा है!

परिशुद्ध स्तान पर ३ पिण्ड पर 3 piece furniture टेबुल है जो है! 7 branch lamp stand से सजा हुवा है! सब कुच (Gold) से बवाया है! Describe Proverbs (27 : 17).

Describe Proverbs 27 : 17

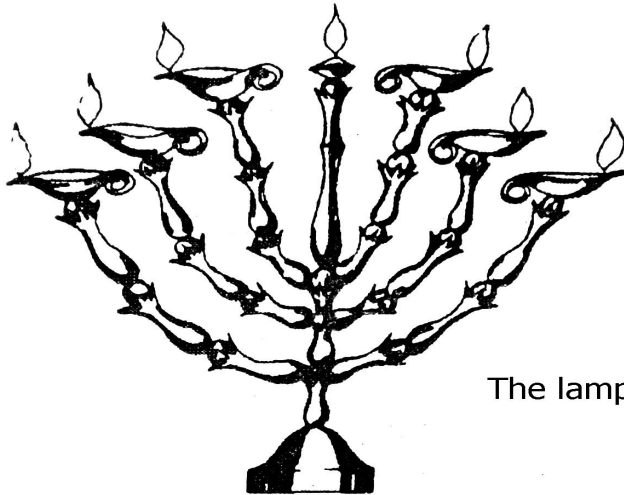
Luke 1 : 1, 4



The shew bread

बैबिल का वाक्य हर ऐक व्यक्ति को ज्ञान बुद्धिका विकास होता है बैबिल पढ ते सतम अर्त बिल कुल साफ़; सरल होता है! हमे इच्चा मार पर चलाता है! अप ना जीवन बदल देता है! अपना! जीवन प्रभुके लिये अर्पित क र ते है! परिशुद्धात्म ध्वाड़ा अपना जीवन बहुत बदल जाता है! (Seven Branched Lamp Stand) जैसे जीवन मे! संतोष लाता है!

प्रवक्ता पाल ने कह कि सब सफल था काम के लिये कृतज्ञता बाव ना होना चाहिये! प्रभुका बदल दिया है!



The lamp stand

(Psalms 100 : 4)

प्रभुको हर मुष्किलो सुक दुःक मे प्रभुका को याद कर ना चाहिये! हर काम याब मे कृतज्ञत बावना से रहना है!

आप लिंक ते समय हर विषय को ध्यान मे रक ना चाहिये! ध्यान से! लिंक ना है जो प्रभु तुमे प्रेरित कर ते है! प्रभु ध्वारा दर्शन मिल ने तक उस का इंत जार कर ना है! जवाब मिल ने पर! उसे ध्यान से लिंकना है!

By the New and the Living Way

मैने (Tabernacle) का अनुभव प्रार्थना ध्वारा मिला है! प्रभु के लिये! जीना! चाह था हु प्रभु मेरा जीवन को बदल दिया है प्रभु दर्शन के लिये बहुत प्रयास कर रह हु! Heb 10 : 19, 22.

Full Assurance of Faith

(संपूर्ण विश्वास)

प्रभु पर हमे संपूर्ण विश्वास रह ना को नही पाते संपूर्ण विश्वास से ही यह संभव है! आशंका को चोड ना है पवित्र मन से प्रभुको स्वीकार कर वा है! आप को संदेह होता है कि प्रभु भगवान कह है! प्रभु मुझे ध्वार सूचन मिला है वह ससी है! इस तरह कासंदेह आ सक था आप इस संदेह को दूर कर नो है (Heb 11 : 6)!

मैने लिंक हुवा वाक्य को अध्यायन किया उसे ध्यान से पडा जो प्रभु ने मुझे वचन लिंक ने के लिये प्रेरित किया मुख्य विषय है आप लिंक ने से पहे ले आप लिंक बाह ते उसे दूस रो से संभाषण चर्चा कर ना चाहिये! आप बहुत प्यार कर ते है उन से चर्चा कर ना चाहिये जो आप को प्रभु ध्वारा सूचित किया गया उसे लिंक ना चाह ते है वह सही है या गलत है चर्चा से गलत फ़ामिया दूर कर सक ते है प्रभु पर परिपूर्ण विश्वास रहना है जो कम्मीद पर कडा है विश्वासी है जब स्पष्ट से मालुम होता है! वह सही है या!

A Clean Conscience

अग ला विषय प्रभु मुझे दिया है! हम प्रभु के पास संपूर्ण विश्वास रह ना निर्मल मन से प्रभुका आराधना कर ना सैतान से दूर रह ना बुरा विचार मन मे! नही चाना कुच समय निशब्द रह, प्रार्थना कर ने के लिये सोंचा पर मेरा मन! इदर उदर बटक रह है मैने बहुत कोषिष किया वर मेरा मन ऐक स्तान पर नही है प्रभुका आवाज जवाब सुन नही सुका यह सच मेरा गलती के कारण हुवा है John 3 : 21.

अप ना पापो प्रायश्चित कर ने से पर मेश्वर हमे प्यार से क्षमा कर ते है प्रभु येसुक्रीस्त का अक्त से पापोंका क्षम, मुक्ति दिला था है, समस्त, दोष से मुक्ति देता है!

मै प्रायश्चित कर था हु तो भविष्य मे! गलतिया नही कर ने का वादा कर था हु! पर मुझे मालुम है मेरा कम चोरि क्या है! मुज मे कुच बी ताकत नही है , सैतान के! ताकत से लड ना बहुत कटिन है! मै अकेला रह था हु तो सब गलतिया हो सक था है! मै मेरे लिये रक्षण (salvation) के लिये प्रयास कर रहहु प्रभु ही मुझे मुक्ति दिलाने वाला है मै नही कहुंगा कि मुझे क्षमा करो ! ऐसा गलती फिर से नही करुंगा कहुंगा प्रभु मै बहुत कम जोर हु! मुज मे उत ना ताकत नही जो सैतान से लड सकु मे आप के कृपासे मुक्त होना चाहता हु! सच्चा मार्ग पर चल ना चाह था हु!

मैने ऐक पुस्तक पडा है

पुस्तक का नाम है The Gentle Breeze

आप लिखते समय हर विषय को ध्यान मे रखना चाहिए! ध्यान से लिखना है! जो प्रभु तुमहे प्रेरित् करते हैं, प्रभु द्वारा दर्शन मिलने तक उसका इंतजार करना है! जवाब मिलने पर उसे ध्यान से लिखना है!

By the new and living way मैने Tebernacle का अनुभव प्रार्थना द्वारा मिला है! प्रभु केलिये जीना चाहता हूँ! प्रभु मेरा जीवन को बदल दिया है! प्रभु दर्शन केलिये बहुत प्रयास कर रहा हूँ!

(Heb 10:19-22)

संपूर्ण विश्वास

प्रभु पर हमें संपूर्ण विश्वास रखना चाहिए! बिना विश्वास से हम प्रभु को नहीं पाते! संपूर्ण विश्वास से ही यह संचित है! अशंका को छोड़ना है! पवित्र मन से प्रभुको स्वीकार करना है! आपको संदेह होता है कि, भगवान है - प्रभु द्वारा सूचन मिला है वह सही है! इस तरह का संदेह आ सकता! आप इस संदेह को दूर करना है! (Heb 11:6)

मैंने लिखा हुआ वाक्य को अध्ययन किया! उसे ध्यान से पढ़ा, जो प्रभु ने मुझे वचन लिखने के लिये प्रेरित किया! मुख्य विषय है कि आप लिखने से पहले आप लिखना चाहते उसे दूसरों से संभाषण, चर्चा करना चाहिए! आप बहुत प्यार करते हैं उन से चर्चा करना चाहिए, जो आपको प्रभु द्वारा सूचित किया गया! उसे लिखना चाहते हैं वह सही है या गलत है चर्चा से गलतफ़ामिया दूर कर सकते हैं! प्रभु पर संपूर्ण विश्वास रहना है! जो उम्मीद पर खड़ा है, विश्वासी है जब स्पष्ट से मालूम होता है, वह सही है!

अगला विषय प्रभु मुझे दिया है! हम प्रभु के पास संपूर्ण विश्वास रहना, निर्मल मन से प्रभु का अराधना करना, शैतान से दूर रहना बुरा विचार मन में नहीं पना है! कुछ समय निश्शाब्द रह कर प्रार्थना करने के लिए सोँचा पर मेरा मन इतर उतर भटक रहा है! मैंने बहुत कोषिस किया पर मेरा मन एक स्थान पर नहीं है! प्रभु का आवाज, जवाब सुन नहीं सका! यह सब मेरा गलती का कारण हुआ है!

अपना पापोंको रीयश्चित करने से परमेश्वर हमें प्यार से क्षमा करते हैं! प्रभु येशु क्रीस्तु का रक्त से पापोंका क्षमा, मुक्ति दिलाता है! समस्त दोष से मुक्ति देता है! मैं प्रायश्चित करता हूँ कि भविष्य में गलतियाँ नहीं करने का वादा करता हूँ! पर मुझे मालूम है, मेरा कमजोरी क्या है? मुझे कुछ ची ताकत नहीं हय! शैतान के ताकत से लड़ना बहुत कठिन है! मैं अकेला रहता हूँ तो सब गलतियाँ हो सकता है! मैं मेरेलिए रक्षण के लिए प्रयास कर रहा हूँ! प्रभु ही मुझे मुक्ति दिलाने वाला है! मैं नहीं कहूँगा कि, मुझे क्षमा करो! ऐसे गलती फिर से नहीं करूँगा! कहूँगा, प्रभु! मैं बहुत कमजोर हूँ! मुझमें उतना ताकत नहीं जो शैतान से लड़ सकूँ! मैं आपके कृपा से मुक्त होना चाहता हूँ! सच्चा मार्ग पर चलना चाहता हूँ!

मैं ने एक पुस्तक पढ़ा हूँ! पुस्तक का नाम है 'दि जेंटिल ब्रीज़ आफ़ जीसस', इसका लेखक है - मिल् टेरि! यह एक अच्छा पुस्तक है! जो प्रभु से अच्छा संबंध रखने के लिए कहा गया है! हम बुरा काम को छोड़कर, बुरा विचार छोड़कर प्रभु की तरफ़ देखना! अगर आपके बारेमें सोँचते हो, प्रभु के पास पहुंचना बहुत मुष्किल होता है! अगर हम प्रभु के तरफ़ देखते हैं,

प्रभु हमें पास बुलायेगा ! सच्चा रास्ते पर चलने के लिए कहता है ! प्रभु का सहवास मिलता है ! प्रभु से संभाषण कर सकते हैं, जैसे हम आपने मित्र के साथ करते हैं !

तीसरा मुख्य विषय है, आपने शरीर को स्वच्छ पानी से नहाना है ! प्रभु ने यह वाक्य मंदिर के लिए उपयोग किया है ! वाक्य द्वारा शरीर (मंदिर) को स्वच्छ पानी से नहाना ! इसका अर्थ, अपना पापों का प्रायश्चित्त प्रभु वाक्य द्वारा साफ़ करना है ! ऐसा करने से हमें मुक्ति मिलता है ! प्रभु से अच्छा संबंध मिलता है ! प्रभु हमें कृपा से अपने पास बुलाता है !

मैंने लिखा हुआ वचन ध्यान से देखा, प्रभु से कहा; आज मुझे वचन सूचना करे तो, मैं उसे कर सकता हूँ ! प्रभु ने जवाब दिया मैंने तुम्हें कल उत्तर दिया आज क्या करना है ! मैं ने मेरा गलती के लिए प्रायश्चित्त के लिए कहा ! मैं ने कहा प्रभु के अनुसार चलना बलिदान से बढ़कर है !

मैं ने एक बार सोचता कि, मेरा डूप्लेक्स को छेजकर धनराशि चर्च के लिए मैं दे सकूँ जो मैं ने तियात फिर सोचता कि, यह सोचना बिल्कुल गलत, क्योंकि मुझे प्रभु से संदेश नहीं मिला था ! उसे बेज सकूँ ! मैं ने कई दिन तक इस विषय को प्रार्थना में नहीं रखा था ! मैं ने निश्चय किया , इस विषय को प्रार्थना में रखूँ, जो मुझे प्रभु द्वारा जवाब मिल सके ! मैं ने प्रार्थन किया प्रभु से पूछता, जो मुझे संदेश मिल सके ! प्रार्थना द्वारा मुझे उत्तर मिला कि, प्रभु इसे भेजने के लिए कहता ! वह धनराशि मंदिर में देना है ! मुझे बहुत गुस्सा आया है ! मुझे समझ में नहीं आया ! मैं क्या करूँ ? यह डूप्लेक्स को भविष्य में काम आने के लिए खरीदा है ! इसके द्वारा मेरा परिवार को मेरा बुढ़ा पे मय इस पैसे पे गुजरा हो सके ! मैं ने इसे बनाने के लिए बहुत पयसा खर्चा किया था ! इस जवानी में मैं ने इसे बनाया था कि, मेरा बुढ़ा पे मैं मेरा सहारा हो सके ! पर प्रभु से मुझे सवाब मिला है, इस डूप्लेक्स को छेजकर धनराशि मंदिर के लिए देना है ! इस वजे से मैं बहुत निराश था ! मुझे कुछ समझ में नहीं आया ! कई दिनों तक प्रभु से मेरा समय नहीं चिताया ! आखिर मैं ने निर्णय लिया है इसका परिष्कार करना है ! मैं ने फिर से प्रार्थना में इसका प्रस्थवना किया है ! प्रभु ने जवाब दिया कि डूप्लेक्स को बेजकर मार्टेज़ का पेमेंट करो बाकी बचा हुआ धन राशी को मंदिर के लिए दे सके ! मैं ने निश्चय कर लिया उसे बेजकर पैसे मंदिर डोनेषन के लिए दे सकूँ !

मुझे और एक समस्या आया है ! यह डूप्लेक्स इसी तरफ़ बेजूँ प्रचार, कैसे प्रचार करूँ, किस दाम में बेज सकता हूँ ! प्रभु के पास मेरा समस्य के बारी पूछा है ! प्रभु से मुझे जवाब दिया किस तरह इसे बेज सकूँ ! मैं ने सोचा यह बात बड़े लोग मित्रों के पास प्रस्ताव कर्ता ! वे क्या सूचन दे सकता हैं ! अगर मय इस डूप्लेक्स के बारमें प्रस्ताव लेजाता हूँ तो वे मुझे भेजने से इनकार कर सकते हैं ! मैं ने मेरा मित्रों को बताया कि प्रभु ने मुझे दर्शन द्वारा सूचन दिया

गया! वे समझने लगे कि जो काम प्रभु के अनुग्रह से प्रभु के अनुसार चल रहा हूँ! मैं ने प्रभु के अनुसार चला मैं ने उसे भेजने के लिए निश्चय कर लिया है! मैं ने फ्रोन काल्स के लिए इंतजार कर रहा हूँ! मैं ने सात, आठ महीने इंतजार किया है, पर इसका मर्केल नहीं है!

मैं ने इसका परवाह नहीं किया अगर चिक गया या नहीं मैं प्रभु के अनुसार चल रहा हूँ! डूप्लेक्स मेरा नहीं है! मैं ने इसे प्रभु को समर्पण किया है! प्रभु पर संपूर्ण विश्वास करता! इस वस्तु पर नहीं! मैं इसे प्रभु सेवा के लिए देने का निश्चय कर लिया! मैं ने फिर यह प्रस्ताव को बड़े लोगों को ले गया! वे समझते हैं, यह प्रभु के अनुसार हो रहा है! यह निर्णय कभी व्यर्थ नहीं हो सकता!

मैं ने प्रवक्त अब्रहाम को स्मरण किया! किस तरह उन्होंने अपना इकलौता बेटे को बलिदान देने के लिए निश्चय कर लिया है! प्रभु के अनुसार उन्होंने काम किये थे! अंत में परीका में सफल हुवा! अब्रहाम को उनके बेटे को लौटा दिया है! उन बेटा इकलौता बेटे को बलिदान छड़ाना प्रभु को पसंद नहीं था! यह एक परीक्षा उनके विश्वास का परीका लेना चाहता है!

मुख्य 4 विषय: 1) संपूर्ण विश्वास 2) हृदय को बुरा विचार से दूर रखना चाहिए 3) भरोसा 4) हृदय को स्वच्छ रखना!

अपना हृदय को स्वच्छ रखना चाहिए:

प्रभु द्वारा ही होता है जो अपना मन में सोचना अच्छा विचार आने के लिए प्रभु द्वारा सूचित किया जाता है! प्रभु द्वारा हमें सहारा मिल सकता है!

शैतान बिल्कुल अलग होता अपना सोच विचार में मन में बुरा विचार बर जाता है! द्वेष, क्रोध, गुस्सा वह तुम्हें द्वेष करता है! गुम कितना नीच हो, दोषि हो, प्रभु मंदिर में जाने के लिए इनकार करता है, क्योंकि उसे अच्छा मार्ग बिल्कुल पसंद नहीं है! वह तुम्हें याद दिलाता है, जो तुम पापों का प्रायश्चित पापों का प्रायश्चित करने से तुम्हें मना कर देती है! बताना चाहता है, ऐसुक्रीस्तु का रक्त से तुम्हें पापों का प्रायश्चित नहीं मिलता है!

तुम्हारा परिवार को द्वेषि ठहराती है! भाई, बहन को दोषि ठहराने लगती है! झूठ इलजाम करने लगती है! तुम्हारे ऊपर द्वेष करते हैं! प्रेम बिल्कुल नहीं है! तुम्हारे परिवार के लोग प्रेम का नाटक कर रहे हैं! तुम से जलते हैं, नफ़रत करते हैं! तुम ही अच्छा व्यक्ति है जो सबसे अच्छे से अच्छा रास्ते पर चलने वाले लोगों को फ़सा देता है!

अंत में मुख्य विषय हय धोका देनेवाला प्रभु पर गलत फ़ामिया स्पष्ट करता ! निंदा अपराध भावना को स्पष्ट करना इसका काम है! जैसे प्रभु तुमहे प्यार नहीं करता! क्रोध, गुस्सा होते हय! दया नहीं दिखाता है अपने पर शासन करता! प्रभु कभी लोगों को उन से मिलने की मौका नहीं देता! अपराधियों को सहारा देता है! संसार दुनिया में विपत्तियां, बाधामे सृष्टिकर्ता ही लोगों को मुष्किल में डालता है!

यह सब देखकर आप को कैसे लगता है? इसमें कितने विषय आपने सौंचा है? जो इसे स्वीकार करतेहै अपवादी, शैतान कमजोर लोगों को निशाना बनाता हय! और कई तरह कि दुष प्रचार करता है! मैं ने इन सब अपवाद से मुक्ति हुवा है! प्रभु ने मुझे सहारा दिया है! और सभी बंधावों से मुक्ति दिलाया है! मै इन अपवादि का बात कभी नहीं सुनता इसे बहुत दूर रहता हूँ!

मैं हमेशा दुसरे लोगों पर नजर रखता हूँ, ताकि वह मुझ पर बुरा आत्मा आना सके! लोगों का बुरा विचार मुझे आ नहीं सके! उसे रोखना चाहता हूँ! क्यों कि बुरा विचार पर जैसे द्वेष, गुस्सा, अशांति इस पर आकर्षित होता है उन लोगों से चर्चा करते समय मैं अच्छा व्यवहार करता हूँ! मैं उस लोगों से दूर रहना चाह जो अक्सर पाप की जिंदगी जीते हैं! विमर्शा करते हैं! मैं अच्छा लोगों से अच्छा संबंध रखना चाहता हूँ! जो प्रभु पर विश्वास करते हैं! (Heb 10:24, 25); (Heb 10:23)

प्रभु सूचन नहीं देता:

मैं ने कई बार कहा था कि प्रभु हमे सही उत्तर देता हय! अगर अपना हृदय स्वच्छ होता है, अगर नहीं है तो हमें प्रभु से समाधान नहीं मिलता है! इसमे चार कारण है!

मैं ने पहले कहा था, प्रभु का अनुसार नहीं चलने से आज्ञा का पालन नहीं मरने से हमे समाधान नयी मिलता राजा सौल ने इसीतरह का मुष्किल सामना करना पडा! उन्होंने ने कई बार प्रभु का वाक्य को टुकुराया था! जब प्रभु उन से कहा तुम ने मेरा वाक्य को टुकुराया था! इसका अंजाम तुम और तुमहारा परिवार को दुःख, मुष्किलों का सामना करना पडता है! आज से तुमे किसी प्रकार का सूचना नहीं देता! राजा सौल ने कई बार प्रभुय से विन्नति किया पर प्रभु ने उनका जवाब नहीं दिया (1 Sam 28:6)

मैं ने मेरे विध्यार्थियों को इसी प्रकार मुष्किल को सामना करना पडा! कई बार प्रभु वाक्य को टुकुराये हैं पर ऐसा संघटन बहुत कम देखा है! प्रभु को आराधना करना चाहिए! उनका सच्छा मार्ग पर चलना चाहिए!

प्रभु तुमे प्रार्थना मे नही समय पर उत्तर नही देता है! हर बार हमे जवाब देना संभव नही होता प्रभु अपना व्यक्तिगत चिषय पर प्रार्थना से जवाब नही देता! अपना भविष्यवाणि का उत्तर देने वाला नही है! इस केलिए कई कारण जब तब प्रभु अपना परीक्षा नही लेता; सही जवाब मिलना बहुत कटिन होता है! हर एक प्रश्न का उत्तर नही देता अपना भविष्यवाणि बताने केलिए प्रभु नही है! हमे जो बतायेंगे उसे आचारण कर सकें! यही प्रभु चाहता है!

बैबिल में एक महिळा के बारी दिया है! यह महिळा को कई सालों से बच्चा नही हुवा! प्रभु दूता ने महिळा को दर्शन होकर कहा कि तुम एक बच्चे का जनम देनेवाली हो! इसलिए निषा देनावाला, मद्यपान का सेवन नही करना! अपरिशुब्र का चीज नही कोना, क्यों कि वह बच्चा फ़िलिस्थीनी बंधकों से इश्रायेल लोगों को मुक्ति दिलने वाला है!

वह महिळा ने अपनी पति को इस विषय को बताया जो दूता ने बताया था! प्रभु से निवेदन किया कि बच्चा को देखबाल केलिए दूता को भिजाये! तब प्रभु ने दूता को आज्ञा दिया! दूता ने फिर से कहा जो दूता महिळा को बताया पुत्र भविष्य के बारे मे बताने केलिए प्रभु उत्तर नही दिया!

गलत सौंच विचार: प्रभु हमे हर बात का जवाब नही देता! अगर हम गलत सौंच से प्रार्थना करते है तो इसका जवाब नही देता है! हम सौंचते हैं अपने जीवन बाधा अये! मुष्किलों से गुजरते है तो प्रभु के पास आते है जो हमे बाधा से मुक्ति दिलाएगा! पर यह गलत है प्रभु को संपूर्ण विश्वास प्रार्थना करना चाहिए! पापों का प्रायश्चित करना है! बैबिल कहता है (रोमा 5:3,4) बाधा आने से प्रभु के पास मुष्किल से विमुक्ति केलिए जाते हैं! पहले प्रभु को पेहचान लेना है! संपूर्ण विश्वास से रहना है!

जीवन विधान मे सुधार आक की जीवन विधान मे काफ़ी सुदार आया है! प्रभु से धन संपत्ति केलिए प्रभु से मंगी हो - जो जीवन बिना कष्ट से गुजरी? हम कभी धन संपत्ति केलिए प्रयास करते है अपना सुख केलिए सौंचते हैं! प्रभु से यही मांगते हैं! धन संपत्ति से जीवन सुखमय बाना सके! प्रभु हमे चाहता है कि हम दूसरों केलिए उपयोग हो सके! दूसरों को सहारा दे सके, विधवा को, बेसहर बच्चे को मुष्किल समय मे उनकी सहायता करें!

उपवास का आवश्यकता: उपवास से हमें कई उपयोग हैं! उपवास अकरने से अपन शरीर से व्यर्थ पदार्थ को शरीर से बाहर निकालता! अपना आत्मा को शुद्ध करता है! हम प्रभु के पास प्रभु से अच्छा संबंध रक्खने केलिए! उपवास बहुत उपयोग होता है! प्रभु ने मेरे जीवन में कई आश्चर्य काम किया है! यह सब उपवास करने से हुवा है! प्रभु का आशिर्वाद पाने केलिए कई मुष्किल समय में प्रभु ने मेरा सहायता किया है! मैं ने कुछ दिन उपवास था, इस उपवास के कारण मैं ने जीवन में कई ऊंचास्थान पाया था!

येषया 58 यह एक अच्छा अध्याय हय जो उपवास के बारेमें बताया गया है! उपवास किस तरह करना हय इस में अच्छा और बुरा परिनाम को बताया गया है! 9 और 11 अध्याय में उपवास प्रार्थना जीवन में साधारण हिस्सा बन चुका है! हर इसाया इसे मनते हय मन्दिर में आचरण करते हैं! बैबिल में (Acts, Peter, Paul) इसका महत्व के बारे में लिखा हुवा है!

इसमें कई प्रकार का उपवास है! उपवास करते समय किसी फ़ानी लोग मरीज होते हय इसका आचरण नहीं करना चाहिए! खाने पदार्थ को सेवन नहीं करते बहुत लोग इस तरह का उपवास करते हैं! इसे तीन दिन आचरण करते हैं! कुछ उपवास ऐसा है सिर्फ़ पानी का सेवन करते हय और कुछ नहीं खाते हैं! और एक उपवास है! वे फ़ल क रस, पौष्टिक रस से बनाय हुवा रस पीते हैं! और कुछ नहीं खाते! और इस तरह का उपवास चालीस दिन से ज्यादा नहीं करना चाहिए! साधारण दि इसका आचरण करने से बहुत उपयोग होता है! दिन में एक आहार कर सकते हय, जो प्रवक्ता ने करता था!

आप उपवास करने से पहले कुछ मुख्य विषय को ध्यान में रक्खना चाहिये अछा पुस्तक पढ़े, जो आपको सहायता मिलता है! अच्छा उपवास को आचरण करने से प्रभु का दर्शन मिलता हय! संपूर्ण विश्वास करना है! प्रभु तुम्हें अवस्य उत्तर देता है! कभी ऐस साध्य नहीं हो सकता! आप प्रभु का जवाब नहीं सुन पाते हैं! इसका कई कारण है! कई बार प्रभु से जवाब मिलना मुष्किल है अपने आप को परीक्षा करना है! मन से देखना है प्रभु पर संपूर्ण विश्वास करना हायिए!

एक विध्वार्थि फ़िनलैंड देश से है, उनका नाम पेक्का! हमें लिखा हाय कि उपवास करने से विश्वास बढता हाय यह जरूर है इसे ध्यान से लिखना है!! (हबक्कूकु 2:1,2) अध्याय से बहुत सहायता मिला उपवास समय मन में जो प्रेरणा मिलता है! प्रभु द्वारा सूचन मिलताहय! उसे पेपर में लिखना चाहिए! पहला बार मुझे किसी तरह का जवाब प्रभु द्वारा नहीं

मिला! मयं ने कुछ क्षण कामोष था! मयं ने कुछ प्रश्न कर लिया! वह वचन मिला है! उसे मैं ने लिखा है फिर तोडा देर इन्तिजार कर! और एक वचन मिल थी! उसे लिखा मुझे पांच या छे बार अलग अलग मिला था! उसे ध्यान से पेपर लिखा है! हम उस वचन केलिए इन्तिजार करना है!

हम कभी कभी बिना सोंचे चिचार मन मे आता हय! इसे कहना मुष्किल है कि वह सब तुम सोंचा हो किसी संदर्ब मे वाक्य प्ररिचर्य करना हो समझना कि यह वाक्य को तुम ने सोंचा है! प्रभु से मिला हुवा वाक्य नही है! इस तरह का घटना होता इस केलिए कुछ व्यक्त निकालना है! प्रभु सन्निधि चिताना है! प्रभु वचन केलिए इन्तिजार करना है!

हम प्रभु पर संपूर्ण विश्वास करना है! अपना मन निर्मल और स्वच्च रहना चाहिए! बैबिल का अध्यायन करना चाहिए ताकि आपको प्रभु द्वारा वाक्य का सूचन मिल सके! इसका आचरण करना है! प्रहोग करना चाहिए! जब सभी काम आसान होगा! वाक्य परिचर्य मे सहयोग होता है! दूसरे लोगों से मिल कर काम कर सकते हैं! प्रभु पर संपूर्ण विश्वास से चलना है!

आंत मे मुख्य विषय: आग से संबंध हाय! मे कहा है प्रभु का आवाज (आग) ज्वाला जैसा होता है! स्वच्चता को सूचन किया है! प्रभु पर संपूर्ण विश्वास करने वाले प्रभु मार्ग पर चलने वाले स्वच्च होते हैं! ज्वाला जैसे होते हैं! जो सब बंधन से मुक्ति करते हैं! इज्रायेल लोगों का कहानी इसका उदाहरण है, प्रवक्ता मोषे इश्रायेल लोगों को हंधकों से विमुक्ति किया है! नदी मार्ग से चलाया आकाश से मन्ना, पानी से पानी को निकाला है! यह प्रभु द्वारा किया आश्चर्य कार्य है! प्रभु से समस्त सुविधा को उनकी आवश्यकता को पूरा किया!

सब इश्रायेल लोग सीनाय् पर्वत पर पहुंचे! प्रवक्ता मोषे ने एक शुभवार्ता लाया है कि प्रभु ने उनसे संभाषन किया है अगले दो दिन का वक्त दिया है कि सच्ची काम पूरा करना है नाहाने केलिए कपड़ें धोने केलिए सबी काम पूरा होना चायिए! प्रभु के आवाज केलिए इन्तिजार करना चाहिए!

वह दिन आगया है जो सभी लोग इन्तिजार कर रहे हैं! बहुत हल चल हो रहा है! लोगों के मन मे कई प्रकार का संदेह, और उत्साह से इन्तिजार कर रहे है, आखिर प्रभु कैसे होता है? आवाज कैसे होते है? अचानक धरती हिलते देखा है पर्वत पर बडा आग को देखा गया आकाष मे काळा बादल छाया हुवा है! आसमान मे गरजता हुवा बिजली! लोगों इसको देखते ही भयांचित होये! प्रवक्त मोषे को आवाज देते हुये लोग छिल्लाने लगे! गुम पर्वत ऊपर आने केलिए कहे पर प्रवक्ता मोषे ने आगे चलते हुए! उस स्थान पर पहुंचे है! जो प्रभु का

दर्शन हुवा लोगों ने आश्चर्य से देख रहे हैं! आगे क्या होने वाले हैं! देखते ही मोषे ने आंधेरी में आदृष्ट हो गए! लोगों यह सब देख रहे हैं! मोषे के लिए इंतजार कर रहे!

कुछ लोगों ने सोच रहे हैं! मोषे अब नहीं रहा! सब लोग अपने अपने जगह में चले गए, पर कुछ लोगों ने पर्वत इंतजार कर रहे हैं! उनके राह के लिए देख रहे हैं! इतने में मोषे ने पर्वत के नीचे तरफ आ रहे हैं! लोग आश्चर्य चकित हो गए! देखो मोषे आ रहे हैं! वे छिल्लाने लगे, वह जिंदा है, मोषे को हत में प्रभु दिया हुआ! संदेश है मोषे को बैठने के लिए कहा! कहने लगे आज हम सबको शुभ दिन है आज हम सब ने प्रभु का आश्चर्य कार्य को देखा और सुना है, प्रभु के पास तुम जाकर कहो प्रभु हम सब से कहने की आवश्यकता नहीं है! हम सब वही करते हैं! जो प्रभु ने गुमे बताया था! उनका संदेश का पालन करते हैं! शासन के अनुसार चलते हैं!

प्रभु वही किया जो लोग चाहते हैं क्योंकि लोगों को प्रभु पर पूरा विश्वास है! प्रभु ने मोषे से कहा! मैं सिर्फ तुमसे बातना चाहता हूँ! लोगों को मेरे पास आने की जरूरत नहीं, उसे तुमसे बातना चाहता हूँ! अनुशासन आज्ञा के अनुसार चलना चाहिये मेरा आज्ञा के अनुसार चलने लोगों को उनके संतान को आशीर्वाद देता हूँ! (Deut 5:28-33)

प्रभु का वचन बिलकुल नहीं बदला उन दिनों से लेकर आज तक प्रभु का वचन बिलकुल नहीं बदला है! प्रभु का वचन ज्वाला जैसे होते होते हैं जो सोना को स्वच्छ सोना में बदल देता है! तुम प्रभु से अच्छा संबंध रखना चाहते हो! ज्वाला के लिए तैयार रहना है! प्रभु का वाक्य ज्वाला जैसे होता है!

एक पढ़ा लिखा प्रोफेशनल ने उन्होंने बीस वर्ष की उमर में प्रभु को पाने के लिए प्रभु का आवाज सुन लेने के लिए बहुत प्रयास कर रहा था! प्रभु ने उनका आवाज सुन लिया उसे जवाब दिया था! एक बार प्रभु उनसे कहा तुम याद है तुम और रुमहार पत्नी ने चंदी का बर्तन ले आये थे! तुम उसे तुरंत वापस करो! मझे समझा यह प्रभु का आवाज है! युनिवर्सिटी से बहुत लोग ले आते हैं! यह उतना कास बात नहीं है! यह साधारण विषय हो सकता है! पर प्रभु को यह विषय बहुत ही मान्यता है!

और एक व्यक्ति जो पास्टर है! उन्होंने मेरे छात्र में वाक्य परिचय को सुन लेने के लिए थे! उन्होंने बताया कि प्रार्थन करते समय प्रभु से सूचन मिला है तुम स्टीरियो सिस्टम को बेच डालो जो तुम ने काला बाजामे खरीद थे उसे बेचकर मंदिर में डोनेशन में देना! उस वचन सुनकर आश्चर्य हुआ! उन्होंने क्रीस्तु को मानने से पहले उसे (काला बाजार) में उसे खरीद था! उन्होंने तुरंत उसे बेचकर मंदिर के लिए में डोनेशन में दिया था!

The purifying fire in my life:

ज्वाल ने मेरे जीवन बहुत परिवर्तन लाया है! प्रभु के सूचना द्वार मैं ने इस काम करना कठिन होता था! मेरा पत्नि पाट्टि ने बहुत दिनों से अस्वस्थत मुझे मालूम था! उनका गलती से मुष्किल उठा रही है! मेरे पास बखिल आधारित साक्ष्य है! एक दिन यह आग मुझे चूवा है! प्रभु का आवाज मैं ने सुन लिया प्रभु मुझ से कहने लगा! पाट्टी अस्वस्थ का कारण तुम हो मुझे कुछ समझ मे नहीं आया तुम पाट्टी प्यार नहीं कर रहे हो उनकि देख बाल नहीं कर रहे हो इसके जिम्मेदार तुम हो मैं ने इस लिखने का आदत को नहीं चूना! मैं इसे दूर किया है!

अगले दिन मैं ने ध्यान से सोचा मैं ने प्रभु से पूछा की ऐसा मैं ने क्या किया मेरे कारण पाट्टि अस्वस्थ है! मुझे यह देख कर बहुत आश्चर्य हुआ! इस सारांश गलती को लिखने दो पेज व्यास को लिखना पडा! मैं ने शुरुवात मे कैसे था! अब कैसा मैं ने बहुत निर्लक्ष्य किया है! मेरे कामों मे निमग्न हो गया! मेरे पत्नी के बारे मे उतनानही सोचा है! मैं ने बहुत निर्लक्ष्य से व्यवहार करा इस कारण मे अब फल मिला है! मैं ने इसका सुदार लाने केलिए बहुत प्रयास किया है! मैं ने जो कालेज मे पडा! एक दूसरे केलिए समर्पण करते हैं! वादा निभाते हैं! मेरा पत्नी का अस्वस्थ का कारण है! उसे देख वाले कोई नहीं है! इस वजे से बहुत उदास थे! मयं ने जोवन बहुत कुछ सीखा है! प्रभु मुझे सही रास्ता दिखाया! जो मेरे पत्नी को प्यार दे सकूँ! मेरा वाक्य परिचर्या को आगे बढावूँ! पर मुझे नहीं मालूम कहूँ से इसका आरंज करना है! मैं ने प्रभु केलिए कुछ नहीं कर सका! मैं ने अपना तरीफ से निर्णय लिया है! प्रभु इस्सा से आज्ञा का पालन नहीं किया मैं एक पदवि केलिये सोचा है! क्रैस्तव जीवन एक व्यर्थ समझा है! यह मेरा कुछ काम के नहीं हय! प्रभु ने मेरा आवाज सुन लिया है! प्रभु ने चार तरफ से लिख लिया है! जो प्रभु अपने उपर प्रेम अपनेको कितना चाहता कई अध्याय है! जो प्रभु अपने को बहुत प्यार करता है! प्रवक्त दावीद, प्रभु को बहुत प्यार करता है! उन्होंने संपूर्ण विस्वास से प्रभु का आराधना करता है!

मैं ने एक वर्ष तक इस अध्यायन को ध्यान से पडा है! किस तरह देखबाल करसकताहूँ! शुरुवात मे मुझे संभालना देखबाल को अर्थ को नहीं समझा है! मैं ने कई अध्याय पढा था! कीर्थन अध्याय मुझे बहुत सहायता दिया है! इसे कई बार पढा है! जब मुझे समझ मे आया है! पहला बार मैं ने अलग तरह सोचा! मुझे गुस्सा, डर, बुरा सोच विचार इसे पहला बार मैं ने यहसूस किया था! मैं ने बहुत रोया! एक बत्ते कि तरह रौने लगा! भविष्य के बारेमे कुछ सोच विचार नहीं था! इसका मुख्य कारण है, अहंकार!

इसे भूलने के लिए बहुत दिन लगा मुझे आत्म विश्वास बढ गया! बहुत खुष हूँ! मेरा आत्म को शंति मिला है! मेरा पत्नि के लिए बहुत होगया! मेरा मन मे पत्नी के लिए प्यार बडा है! कौन्सिलर द्वारा मेरा पत्नी का इलाज हुवा है! मेरा वाक्य परिचर्य भी अच्छा हो रहा है! मैं पाप काम को द्वेष करना चाहता हूँ! अच्छाई को अपनाना चाहता हूँ! जैसे मीका 6:8 अध्याय मे बताया हता है!

हर इनसान को मन मे प्रेम की भावना रहआ चाहिए! अच्छाई, बुराई का अंतर को समझना चाहिए! दूसरों पर दया गुण रहना चाहिए! दो तरह का गुण होता है: (एक) प्रेम (दो) दया गुण, करुणा!

मैं ने प्रभु के तरफ़ देखा था, मयं ने समझा कि मैं जीवन कितना खोया है मेरे अंदर परिशुद्धात्म प्रवेश हुवा! मेरे वाक्य परिचर्या को आते बडाया है! मेरे मन को शंति मिला था! प्यार का अर्थ को समझा है! मुझ मे दया गुण का प्रवाह हो रहा है! मैं ने शुरू मे अनुशासन और दया के बारे में अंतर का परीक्ष लिया गया! जब एक यवन बच्ची ने बुरा माम करते पकडे है! हम उनके लिए बहुत प्रयास किया है! मैं ने वाक्य परिचर्या मे आत्म विश्वास हृदय का स्वछ्ता और बुरा परिनाम के बारे में बहुत प्रसंग दे चुका हूँ! (John 8:4) महिळा के बारे मे कहा गया; स्वच्छ प्रेम के बिना प्रभु को नही पा सकते हैं, जैसे प्रभु ने इस्रायेल लोगों की परीक्षा लिया है! क्रीस्तु जीवन के बारे मे मैं ने बहुत अध्याय को खोज कर रहा हूँ!

मैं ने करीब चार साल मे पचास पेजों का व्यास लिख चुका हूँ! इसमे तीस तरह का साधारण नियम हैं! जो मैं ने इनको टैप किया थाज, मैं ने इसको अच्छा संभाला था! फ़िर कंप्यूटर, सिस्टम में लोड किया! मोषे के चार अनुशासन के बार मे अच्छा अध्यायन करा है! इसमे से सिर्फ़ पंद्रह अध्यायन कर रहा हूँ!

मायं हर समय बैबिल का अध्यायन करता हूँ! मयं मुष्किलोम का सामने करने का ताकत प्रभु मुझे बैबिल ध्वारा दिया है! मेरा परिवार वाक्य परिचर्य है! आराधना मे मेरे समय चिताना कठिन हाय! वाक्य परिचर्या मे लोगों की संख्य कम हो गया! जो कोयी अनुशासन का किलाफ़ चलता है! इसका अंत मौत (मरण) है! बैबिल का अनुशासन करना है! मायं ने प्रभु पर विश्वास किया हय प्रभु का मार्ग पर चलना चाहता हूँ! इसमे कुछ आचरण व्यवहार नया है, कुछ विवादास्पक है! इसे नया लोग अमल करना मुष्किल है!

प्रभु का आवाज मुझे कैसे मालूम होना है?

प्राश्चात्य लोगों को जाति मत भेद से जीना चाहते हैं! उन लोगों को रंग भेद से जीने के लिए उपदेश देते हैं! यह सही तरीका नहीं है! प्रभु हमें रंग भेद से नहीं देखता है! उसे अच्छा स्वच्छ मन चाहिए, जो प्रभु को अपने हृदय में प्रभु के लिए जगा देना चाहिए! प्रभु से चलने के, प्रभु मार्ग पर चले के लिए हमें अच्छा सौंच विचार रहना चाहिए ज्ञान होना है! हमें अपने सौंच विचार अपना अनुसार जीने से बहुत मुष्किलों का सामना करना पड़ता है! गलतियां कर सकते हैं! (1 Thes 5:21) हर तरफ़ ध्यान से देखना चाहिए! बुद्धि से सौंचना है! अच्छाई को देखना है गलत मार्ग पर हम नहीं चलना चाहिए! इस मार्ग पर चलने से मुष्किल का सामना करना पड़ता है! इसलिए हम प्रभु मार्ग पर चलना है! गलत मार्ग का परवा नहीं करना! हर कोई गलतियां करता है यही मानव लक्षण पर इस गलतियों से बहुत सीखना चाहिए!

मैं वाक्य परिचर्या करते समय लो ग मुझे यह प्रश्न पूछते हैं! हम कैसे मालूम होना चाहिए कि प्रभु हम से संभाषण कर रहा है! प्रभु ध्वारा दिया हुआ सूचन है, मैं ने कहा आप अपने बड़े लोगों को अनुभवज्ञ बता ना चाहिए मैं इस अंश पर दो उदाहरण देना चाहता हूँ! हमारा मन्दिर में एक व्यक्ति था! उनका अच्छा नाम रह प्रभु द्वारा उनसे संदेश मिलता था! इसी कारण से वे प्रसिद्ध था! एक बार उन्होंने कहा कि प्रभु द्वारा सूचन मिला है कि मैं मेरा पत्नी को तलाक देना चाहता हूँ! क्योंकि हमारा शादी प्रभु संकल्प से नहीं हुआ! शदी के समय हम प्रभु इसाया धर्म को स्वीकार नहीं करे! इसलिए मैं पत्नी को तलाक देना चाहता हूँ! मुझे विस्वास नहीं हुआ! मैं ने उनका घर गया! उनसे बैबिल अध्याह से वचन को समझाया! पर उन्होंने नहीं माना! मय ने कहा कि तलाक देना मुह का पाप है! पर उन्होंने मेरा बात को टुकुराया! बताया कि मुझे अच्छी तरह मालूम है! वह प्रभु का दिया हुआ सूचन है! मैं ने फिर से बहुत दिन के बाद उनका घर पहुंचा! मैं ने जो व्यक्ति के साथ हया हम उनसे बहुत समझने कि खोषिष किया! पर उन्होंने नहीं माना जवाब में उन्होंने हमें बैबिल से कुछ वचन का उदाहरण बताया था! ऐसा कही मुझे सब मालूम है!

मैं ने इस विषय को सब लोगों को बताया उन्होंने कहा मुझे प्रभु द्वारा सूचन मिला है! मैं उसी प्रकार चल रहा हूँ! पर सब लोगों ने बताया यह काम बिल्कुल गलतों पर उन्होंने लोगों का बात परवाह नहीं किया! अपने मूर्खता से लोगों की बात टुकुराया है! उनका मूर्खता से

अपना जिंदगी मुश्किल में डाला था! पर उनका पत्नी बच्चों का जिंदगी को भी मुश्किल में डाला है!

एक बार मैं ने प्रभु का आराधना कर रहा हूँ! मुझे प्रार्थन द्वारा सूचन मिला है! मेरा मंदिर में एक व्यक्ति को सेक्रेटरी से संबंध रहा! इस विषय को व्यक्ति से कहा तो अंजम बुरा भी हो सकता है! इस विषय को लेकर बहुत चिंता में था! पर मुझे प्रभु द्वारा संदेश मिला है! इसे किसी हल में इसको पूरा करना चाहता हूँ! पा;अ करने से उनसे बचाना चाहता हूँ! ! मैं यह काम के लिए मुश्किल उठाना चाहता हूँ!

मैं ने यह विषय को मेरा मित्र चर्लस को बताया था जो, उनका बहुत गौरव देता हूँ! उन्होंने यह विषय सुनकर घर जाकर प्रार्थन किया था! प्रभु ने उनको दो वाक्य सूचन दिया है! उन्होंने मुझे बताया कि यह बात सच नहीं है! मैं ने सुनकर हैराना हुआ अगर यह बात उस व्यक्ति को बताय होता तो बहुत कठिनायी का सामना करना पड़ता था! मयं ने सब विषय ध्यान से पुस्तक में लिखा है! प्रभु प्रार्थना किया! मुझे दिया हुआ वचन सच है या गलत? कुछ दिन के बाद मैं ने जो बात पर भरोसा था! तीन हफ्ते इस बात पर बहुत विश्वास था! यह धीरे धीरे अदृश्य होने लगा! मयं ने प्रभु को बहुत धन्यवाद दिया! मुझे मुस्खिलों से दूर किया!

आत्म को प्रभावित करने वाले विषय:

हमें दिया हुआ वचन का परीक्षा लेने के लिए अपने परीक्ष करना है! (1Cor 6:17) हर प्रभु का सेवक आत्म परिशुद्धात्म से मिलना चाहि! जब हम मुस्खिल में रहते हैं, दुःख से रहते हैं तो हमें प्रभु द्वारा गलत सूचना मिलने कि अशंका है! उदाहरण (1Sam 1:1-15) अपना शरीर निर्माण, शरीर तत्व अपना आत्म के ऊपर निर्भर है! (1Sam 30)

दावीद महाराज का कुछ व्यक्तियों ने एक व्यक्ति को देखा है! सैनिकों उसे छोड़कर चले गये! वह व्यक्ति तीन दिन से कुछ नहीं खाया, पीया था! उन्होंने बहुत कमजोर था! दावीद का आदिमयां उन्हें अच्छा खाने लिए, रोटी, फल और पानी दिया! कुछ दिन के बाद व्यक्ति स्वस्त हो गया! हमको भी इस तरह का अस्वस्त का अनुभव किया होगा अपने आत्मा से भी होता है! निरुत्साह, कमजोर शक्तिहीन हो जाते हैं! जब अपना शरीर में कमजोर होता है! दर्द होने लगता है! इसी तरह अपना आत्म को कमजोर होता है तो हृदय में अशंका क्रोध, गुस्सा, द्वेष सब प्रवेश करता है! हम दुःखी होने से कमजोर होने से सब रोग फैलता है! प्रभु का आराधना में शारीरिक कमजोर होते हैं! निरुत्साह होते हैं! अपने पहचान करनेवाले इसे

बताय जाता है! हम कमजोर हैं पर परिशुद्धात्म द्वारा हम ताकत पर हैं! उपवास करनेवाले लोगों इसका तुलने नहीं कर सकते; इसमें बहुत अंतर है!

शैतान अपने दिल को दुःखांत है (John 13:2) मन को अपवित्र करता है जैसे, शैतान यूदों को किया! और जो व्यक्ति अपना पत्नी को तलाक देना चाहा था! यह लोग शैतान द्वारा मन अपवित्र हो गया! यह कहना बहुत मुश्किल है! कब कैसे इनसान का मन अपवित्र करता है! (Proverbs 16:32)

परीक्षा

कई दूसरे कारणों से हम परिशुद्धात्म से दूर हो जाते हैं! हमें गलत रास्ते पर चलाता है! प्रभु वाक्य सुन लेने से इनकार करता है! मन को अपवित्र करता है! मैं ने इसे तीन विभाग किया जो, परीक्षा के लिए उपयोग होता है! यह: 1) The Origin, 2) The Content and 3) The Fruit. शैतान द्वारा मिला सूचन प्रभु द्वारा मिला सूचन में बहुत अंतर होता है! प्रभु द्वारा मिला धर्शन सपने अलग होता है!

आपना सोंच विचार बिल्कुल अलग होता है! वह एक निर्माण की तरह होता है जो, हम सीखा है! अगर मेरा सोंच विचार इस संसार की तरफ दुनिया की तरफ खींचता है जो गलत रास्ते पर चलाता है! अगर हमारा सोंच विचार अच्छा होता है अपना ध्यान प्रभु की तरफ होता है! शैतान द्वारा मिला हुआ सूचना भिन्न प्रकार होता है! दृष्ट्य जैसे जोता है वह अपने अच्छे विचार से नहीं मिलता है! यह बुरा सोंच विचार होता है! हम को डराता है! बैबिल कहता है गलत रास्ते पर चलाता है! प्रभु मार्ग इसे बिल्कुल पसंद नहीं है!

परिशुद्धात्म द्वारा मिला हुआ दर्शन सूच प्रोत्साहन देता है! बुरा काम करने से दूर करता है! प्रभु मार्ग पर चलाता है! अपना आत्मविश्वास को बढ़ाता है!

बैबिल एक सच्चा वाक्य है! यह प्रभु द्वारा दिया हुआ उपहार है जो हमें सच्चा मार्ग पर चला था है! हर एक वाक्य हर वचन हमें ज्ञान देता है! बुद्धि का विकास होता है! मैं ने बैबिल को दस साल अध्यायन किया! इसको समझने के लिए बहुत व्यक् लगा! हर वाक्य को हर आध्याय को ध्यान से पढ़ा! मुख्य वचन को पुस्तक कमें लिखा है! बैबिल ज्ञान मुझे अच्छा स्थान पर पहुंचाया है!

The Safety of Relationship

इसायि समुदाय लोग एक होना चाहिये हर एक इसायि एक था से रहते है! मिलजु कर रह ते, एक दूसरे आपस काम करते है तो दुनिया के सामने एक उदाहरण होना चाहिये! अच्छे आदत को अपनाना चाहिये प्रभु मार्ग पर चलना चाहिये! अकेला व्यक्ति एक कारो बाड़ चलाना चाह था है उसे चलाना बहुत मुश्किल कर्चा किया पैसा (Money) बेकाड़ होता अगर वही काम ४ व्यक्ति मिल करते है! जब सबको फ़ायिदा होता है!

आप में से कितने लोग अकेले किताब पढ़ चुके है? जो आपका जीवन को बदल सकता है! किताब प्रचुरण करने वाला कहता है जो चि उस किताब पढ़ते! है उनका जीवन बदल जाता है! इसका सफलता होने केलिये बहुत व्यक्त लगता है वही किता ४ लोग मिलकर उसे पढ़ ते तो बहुत सफल मिलता है इस किताब के बारेमें चर्चा कर सकते है! तो आप का जीवन बहुत बदल सकता है! पर इस किताब अकेले पढ़ ने से आप इस किताब को पढ़ कर बहुत संतोष होते है एक अजीब सा अनुभव होते है, दूस्रो के साथ अनुभव को मिल कर पढ़ ने से! या बांट ने से उन मह अनुभव को नहीं पा सकते है! यह पुस्तक मुश्किल समय में बहुत सहायता कर्ता है आप का जीवन को बदल देता है!

Submit Yourself

(Eph 5 : 21) में कहा गया प्रभुका अच्छे संबंध रखना चाह ते! आप का अनुभव को बांट ने केलिये दूसरा मित्र साथ मिल के चांट लेना चाहिये (American Protestant) ने इसका विरोध करते है जो (Roman Church) का आधिपत्य हुवा त!

प्रभु अपना जीवन को मुश्किल में डाल ने के लिये! अधिकार नहीं दिया है प्रभुका यह अन्मोल (तोफ़) Gift है अप ना सुरक्षा के लिये है! (Proverbs 11 : 14) (Romans 13 : 4)!

परिशुद्धात्म का दर्शन केलिये परिशुद्धात्म पाने के लिये! अच्छा संबंध होना ज़रूरी है! इस का आचरण नहीं करते तो अच्छा संबंध से रहण मुश्किल है मुझे प्रभु पर विश्वास करने

वाले भायि औ बहन कि आवश्यकता है जो मुझे अच्छे रास्ते पर चला सक्ता है! प्रभु का आवाज, या दर्शन पाने केबाद मुझे उन लोगोंकि जरूरत जो प्रभुका दर्शन को आवाज को, दर्शन को पहचान ते है!

मैने लोगों कह ते हुये सुना मै दूस्रों से क्यो नही कहता? मै कहना चाह था हु मुझे दूस रों से नही कह था हु! प्रभु जो मुझे सूचन दिया उसी तरह दूस रों को प्रभु जवाब देता है! इस लिये लोगों से बोल ने से इन कार कर्ता हु बैबिल मे Miriam और Aaron ने प्रवक्त मोषे के बारे मे कह है (12 : 1-15)!

Finding a Counselor

लोग मुझे पूच ते है हम कैसे (Counselor) को पहचान लेना जो परिशुद्धात्म के बारे मे! जान सक्ता उन्का अनुभव को चांट सके सब से पहेना प्रार्थन कर्ना चाहिये, जो आप को एक कर सक था है (Gen 2 : 18) प्रभु आप का अवश्य सहायता कर्ता है!

Counsellor को जान कारि के लिये कुच सूचन है! वे इस तरह होता है! 1) पहेला वह आपका मित्र होना चाहिये उन्का प्यार और मित्र था पर आधारित है जो आप के सात समय चिताना होगा अर्पे समस्या को समझ ना होगा जो आप को सही उपदेश दे सके! स्त्री हो या पुरुष बैबिल ग्रंथ का ज्ञान होना चाहिये परिशुद्धात्म ध्वार सुच्ना मिलने वाला स्त्री हो या पुरुष इस्का ज्ञान होना चाहिये!

पास्टर को इस तरह रहेना पसंद नही कर्ते है! दूस रा लोगों से मिल जुल रहेनेका पसंद नही कर्ते चर्च (Church) मे सब मिल्ले के लिये उन से चात चीत कर्ना पसंद नही कर्ते! पर यह बहुत जरूरी है प्रभु की सवास मे मिल कर रह ने से! आप को बहुत सहायता होगा!

आप हर एक समस्या के लिये (Counsellor) के! पास जानेकि जरूरत नही है! आपका पत्नी अच्छा (Counsellor) बन सक्ती है! आप का पत्नी के सहारा आज्ञा से राजी से यह काम कर सक्ते है मेरे पत्नी (Patti) ने मेरा बहुत सात दिया त हर काम मे मुझे सहायता मिला है! हम दोनो इस काम मे बहुत प्रयास कर्ते है!

मैने (College) कि पढायि होनेके बाद मैने यूथ पास्टर (Youth Pastor) का मै मुख्य भूमिका निभाया त मै उम्र मे बडा पास्टरो के सात सह दर्जा दिया गया है २५ वर्ष मे पास्टर बन गया मुझे डर त मै अकेला यही काम करना मुष्किल है इस काम केलिये मेरा दो भायियो का सहारा लिया त मै उनसे चर्च विषय पर ही नहीं मेरा वक्ति विषय बी चर्चा किया त! उस समय दिया तीन लोगों मैने चर्चा किया त मैने मुख्य विषय का निर्णय नहीं लिया जो पैसा हो या मेरा निर्णय को बदलेने! मै इस मित्र को बहुत अभिनंदन कर्ता हु जो मुझे हर काम मे बहुत सहायता किया है प्रभु को बहुत धन्यवाद देता हु को हर काम मे मेर सहयोग दिया है!

(Understanding the Principle of Authority) अधिकार समज्ने केलिये मुख्य अंश

मै Bill Gothard को धन्यवाद देता हु अभिनंदन कर्ता उन होने अधिकार के अंश को सम जाया त मैने उन से बहुत कुच सीका है हम इसे समज्ना चाहिये कि प्रभु परमेश्वर से अधिकार प्रभु के आज्ञानुसार रूम चन रहे है! (Romans 13 : 1) (Psalms 6 : 7) दुनिया प्रभु के अधिकार से चलो रह है (Jeremiah 25 : 8-12) (51 : 20-23) जेरैमिय एक मेरे मन मे प्रश्न उट था है सैतान कि अधिकार? Evil Authority उदाहरण हिट्लर बारे सोच ते है वह एक इन सान है प्रभु ध्वार नियमित व्यक्ति नहीं है उन होने सब नियं निबंधनों का उल्लंगन किया है! इश्रायेल को एक नियंत त नेबुकद्नेजर अप्ने मूर्त्ता से लोगों के जीवण को अंदकार मे डालहै! क्या हम! सैतान आज्ञा को पालन करना है? रोमा साम्राज्य पालन बहुत कटिन त! प्रवक्ता पाल ने (Epistle)!

अध्याय को लक्ता रोमा साम राज्य के क्रूर पालन को देका त इसायि लोगों को जिंदा जलाते ते! भूका हुवा शेरों के साम ने डालते ते! लोगों के आनंद केलिये! ग्लाडियेटर द्वार मार डाल ते ते! बहुत क्रूर पालन किये है! (Romans 13 : 2, 5)!

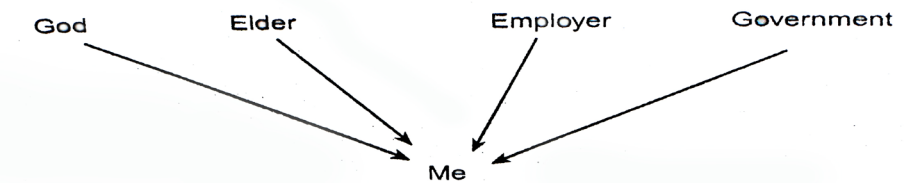
(1 Peter 2 : 13-21) प्रवक्ता (Peter) कहता है हम प्रभु केलिये समर्पण करना चाहिये! अच्छायी को मन से स्वीकार करना चाहिये बुरायी को दूर रक ना चाहिये! मुष्किल मे आप का सहारा देका सब चिंता से दूर कर्ता है! प्रभु इस दुनिया मानव रूप से आया! परमेश्वर पिता बेटाको इस दुनिया बिजाय तो लोगोंकि पाप को मिटने के आया है! रोगियो को स्वस्थ

किया है अपने पापों के लिये उन होने सूली पर चड़ा! प्रभु अप ना समस्या को समझ था है!

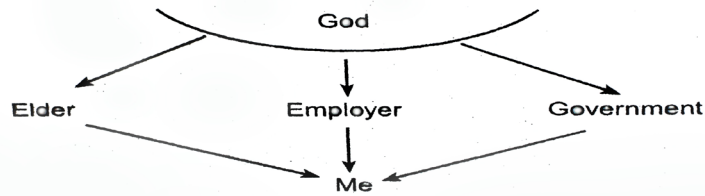
दूसरा (2) मुख्य विषय प्रभु सर्व शक्तिमान है प्रभु से बड़ कर इस दुनिया और कोयी नहीं है! इस लिये! हम किसी विद्रोह शक्ति पर सैतान काम काम पर आकर्षित नहीं होना चाहिय (Proverb 21 : 1) (Proverb 16 : 1)

प्रभु परमेश्वर सर्व शक्तिमान है प्रभु से बड़ कर और कोयी इस दुनिया मे नहीं है प्रभु इस दुनिया मे आकर बहुत दुःख सहलिया है! प्रभु ने जो काम किया है उन के पिता के आज्ञानुसार किया है! रोमा साम्राज्य के अधिकाड़ि (Pilate) पिलात प्रभु से बार बार प्रश्न किया त तुम मौन क्यो हो मुझे अधिकाड़ है तुमे मुक्ति कर सक्ता हु दंड देनांका मुझे अधिकार है प्रभु ने कह मेरा पिता बिना कोयी मुझे आज्ञा नहीं दे सक्ते है (John 19 : 8-11)!

Not:



But:



प्रभु ए अस्सीरिय लेकर सबी देश को उपयोग किया है! जो (Old Testament) मे बताया गया! इश्रायेल पर अधिकार प्राप्त करने के लिये! कुच देश को अधिकाड़ दिया त पर कुच समय भीत ने के बादे! लोगों अहंकार बड़ने लगा वेसब अपने शक्ति संपण्ण दूसरा देश का आक्रमन किया है! परमेश्वर प्रभुने उस देश के लोगों को दंड दिया है! अच्छा सबक सिकाया है (Isaiah 10 : 15) (1 Tim 2 : 12)! प्रार्थन ध्वार अपने जीवन बदल सक्ते है! अच्छा जीवन चिता सक्ते है! प्रभु हमे कुच अधिकार (Authority) दिया है जो उसे अच्छी तरह

निबा सके प्रभु अधिकार देता है! उसे चीन बी लेता है! प्रभु के अनुसार चलने से उसका फ़ायिदा होगा अगर नहीं इसका अंजाम बुरा होगा जै (Assyria) देशों के सात प्रभु ने किया है हम प्रभु से पूछे इसका उत्तर प्रभु समय पर देगा!

राजा नेबुकद्नेजर ने जूडा को बंधी भनाने का अधिकार दिया त! उने (70) साल जेल मे बिताया त (Jeremiah) लोगों को इस बारे मे बताय जो (470) साल इस दुःख का अनुभव किया! इश्रायेल ने 70 साल जुबिली उत्सव को नहीं मनाया! प्रभु ने इस देर लोगोंको सजा दिया है! प्रभु उन्का आज्ञानुसार लोगोंको चलाता हम को अधिकार दिया है उसे! निबाने ने केलिये दुर विन्योग के कारण प्रभु ने हक चीन लिया है!

Disagreeing with Authority

हमारे हो सक्ता है कभी कभी हम मास रों का आज्ञा विषय सूचन को (Councillor) को इन कार कर्ते है! क्योँको इन्के किसी बैबिल आधारित सूचन नहीं होते है! हम सिर्फ़ प्रभु पर ही विश्वास कर्ते है! परिशुद्धात्म ध्वार विश्वास कर्ने वाल मित्र अप्ना वचन को नहीं मन्ते हे! कह्ते है हम अग्ला काम क्या कर्ना है?

हमे कुच विषय को चुन सक्ते है! अप्ने आप्को स्वतंत्र से जीना चाह्ते है मित्र संबंद से तोड्ना चाह ते है! जो प्रभु ध्वार संदेश मिल्ता वही हम कर्ते! मन मे जो भावणा प्रभु द्वार प्रेरित हुवा वचन है वह हम नहीं टकुरा सक्ते है! अगर हम प्रभु संदेश द्वार नहीं कर्ते तो हर काम कटिन होता है मुष्किल होता है चिना सोंच विचार जैसे (Robots) मिषन जैसे होता है (Robots) मनुष्य का आदेश से काम कर्ता! चिना संदेश से वे काम नहीं कर पाते! प्रदे आदेश से हम को आ सान से कर सक्ते है! उकावट नहीं होती (Daniel)! अध्याय मे बताय है प्रभुने प्रवक्ता डेनियल को प्रभु द्वार सूचन अनुसाड़ से चला है! प्रभुका सहायत उने मिला है! डेनियल प्रवक्ता जो यवन बालक त! राजा नेबुकद्नेजर ने उने बंधी बनाया त उने राज दर्बार मे! काम कर्ने लिये रको गया! उने काने केलिये! अच्छा बोजन दिया त! मदु सेवन के लिये बि इंतजाय किया त! दावीद उसे सेवन नहीं किया एसा कर्ने से उने बहुत मुष्किल का साम्ना कर्ना पडा! पर दावीद अच्छा सोंच विचार से सब मुष्किल का साम ना किया त उन होने सदा अप्ना मन को प्रभु वाक्य से मन को स्वच्च रक्ता त मन प्रभु प्यार से बरा हुवा है मन मे किसी प्रकार का विरोध, द्वेष, अहंभाव नहीं त अगर इस गुण से होत उन्का अधिकारि

(Commander) उसे पहचान लेगा उनका जीवन संकट में होगा (Daniel 1 : 9)!

अपने मन में गलत विचार से होता है! हम हर काम में सफल था नहीं मिलता है प्रभु वाक्य से, प्रभु सूचन से विरुद्ध चलति है! इसका अंजाम बहुत बुरा होता है प्रभु दिया हुआ सूचन को अमल करना है यह अपना कर्तव्य है! हम किसी काम गलत करते हैं इसका प्रायश्चित्त करना उत्तम लक्षण है! प्रभुसे क्षमा मांगना है! लोक व्यक्ति को अपने वज्र से गलती हुआ तो हम क्षमा मांगना चाहिये! इस वज्रसे दूसरे व्यक्तिको अपने ऊपर बरोसा होता है, द्वेष नहीं करते ऐसा करने से सही काम में सफल था मिलता है!

डानियेल सही से अच्छा संबंध तो हर काम उसे प्रभु सहायता किया है अधिकारि (Commander) का मुख्य उद्देश तो उन्हें जीवित रहाना राजा आज्ञा का पालन किया अगर ऐसा नहीं किया इसका अंजाम बुरा होता है! उसे दंड दिया होता, डेनियेल को अच्छा भोजन दिया राजा काने वाला भोजन दिया तो! तकि उन्हें जीवित रहना उन होने अच्छाचि चाहत!

राजा ने डेनियेल को सब सुविदा दिया है, प्रभु आज्ञा को टुकुरा सके! उनका दिया हुआ संदेश पर चल सके पर डेनियेल ऐसा नहीं किया! उन होने प्यार से सच मुष्किलों का सामना किया उन मालुम राजा का आज्ञा का पालन नहीं कर्ता तो उसे मार डालता राजा ने उन्हें एक अच्छा अधिकारि पद दिया तो! प्रभु का प्यार से सैतान लोगों का सामना दिया है! राजाने डेनियेल और उन के मित्रों को एक परीक्षा दिया तो वह १० दिन तक बिन मांस (Meat) नहीं काना सिर्फ फल; सब्जिया काना हाय! और दूसरे लोगों! राजा दिया हुआ मांस अच्छा भोजन दिया तो कि दोनों में अंतर देखने के लिये परीक्षा लिया तो डानियेल ने शक्त मंजूर हुआ इसमें अगर (गलत) होगा (fail) इसका अंजाम! ३ साल तक सजा हो सकता है! डेनियेल और उनके मित्रों का परीक्षा किया! उन्हें काने के लिये! सिर्फ पानी, सब जिया दिये है! डेनियेल और उनके मित्र १० दिन के बाद ची स्वस्थ है राजा के सैनिक से ची बहुत बहतर है! राजा डानियेल को देका है वे बहुत आश्चर्य चकित हो गये है! प्रभु उनका बहुत मदद किया! जो लोग प्रभु पर संपूर्ण विश्वास रखते हैं उनके आपत्ति में प्रभु सहायता कर्ता है मुष्किल समय में आपको सही रास्ता बतायेगा!

कयी साल पहले मैं चर्च में (Associate) पास्टर तो कुछ कारण से मुझे चर्च को छोड़ने के लिये कह सब पास्टर ने मुझे छोड़ने के लिये कह तो! पर मुझे समझ में नहीं मैं

क्या करूँ उन दिनों में! और चर्च नहीं है जो मुझे सहर दे सके! पास्टर का स्तान दे सके! मैंने निश्चय किया! कि मैं एक चर्च का निर्माण कर सकूँ! नया चर्च का निर्माण कर ना मुझे एक नया अनुभव है! इसमें कुशिया, दर्द से! बरा बरा हुवा दुःख और बहुत कष्ट से मह नत कर्ना पडा! पांच (5) साल कि बाद नया चर्च का निर्माण पूर हुवा इस में नया शासन, नागरिकत का सम्मेलन ती मेरा जीवन प्रभु के लिये अर्पित करने का निश्चय कर लिया! यह पर ची मैं कयी कटिनायि का साम्ना कर्ना पड्ना कयि दिन चर्च में कुशिया अब नहीं रह! मेरा सिद्धांत के कारण इसमें विवेद आने लगा ६ लोगोंने मुझे विव्रति किये! और लका है कि मुझे (इस्तीफ़ा) देने के लिये! कहा मुझे यह देका और हैरान हो गया! मैं बहुत दुःखी हुवा मैंने इस चर्च निर्माण के लिये! बहुत महनत किय! मैं इसे कै से! चोड सक्ता हु! मैंने निश्चय किया वाक्य परिचर्या कर्ना चोड्ना चाह मुझे कोयीची पास्टर रह्ना पसंद नहीं कर्ते मुझे ज्ञान होना है मैंने प्रभु से प्रार्थना किया मैं इस मुष्किल समय में चर्च चोड ना उचित है! मैंने इसे पुस्तक पर चोड्कर नहीं जाना! मैंने वही किया प्रभुने मुझे सूचना दिया है!

प्रभुने युजे ताकत दिया है जो इस काय को पूर कर सकु! मैंने निर्णय लिया हैइस्तीफ़ा नहीं दूंग! कुच समय इंतजार कर्ता हु! प्रभु अध्याय को अच्छा पड्कर उसे वाक्य परिचर्या कर सकु! मैंने इस विषयको पास्टर को बताया उन्होने बताय यह अच्छा निर्णय! और ६ मुख्य पास्टर बताया अत वे मेरे बात को स्वीकार किये है! उसे अमल करने कि प्रयास किये है!

अहफ़ित मैंने बैबिल को अच्छा अध्याय किया! मुख्य विषय को ध्यान किया उने लिका है! पडा है इस अनुभव से २ पुस्तक लिंक चुका हु!

मुख्य विषय को अपने चर्च के मुख्य लोगों से चर्चा किया, कटिन समस्य के बारे में चर्चा किया है अनुभव व्यक्ति; विशेष अनुभव लोगोंसे चर्चा किया ६ महिने (6 months) के बाद मुझे काफ़ी अनुभव मिला प्रभु मेरे हृदय में! प्रवेश किया है मेरे उत्साह और बड्ने लगा! मैंने बैबिल को अध्यायन किया लोगों को लंबी समय तक संदेश दिया है! बहुत लोगोंने मेरे संदेश को सुना है! मैं से चर्चा किया त! उन होने कह यह सही है मेरा इस्तीफ़ा को सुनाया मुजे!

30 दिन का (Notice) दिया हम प्रेम से अलग होगये है प्रभु सन्निधि में हय अलग हो गये! प्रवक्ता डानियेल ने राजाको विश्वास था दिलाया है! अपना कर्तव्य को निभाया है (Dan

1 : 12, 13)! हर परीक्ष में डानियेल ने सफलता मिली है! प्रभु ने राजा के मन को प्रभावित किया है! मन को बदल दिया है! हमें दिया हुआ कार्य को संपूर्णतः से निभाना है प्रभु पर अपना बरोसा रखना चाहिये प्रभु अधिकारी का मन बदल देता है समय पर सही कार्य करिष्म जै पूरा करता है प्रभु को सच मालूम है अपना चिन्ता क्या है अपना समस्या क्या है! प्रार्थन द्वार प्रभु को समस्या बताना! चाहिये! प्रभु अवश्य तुम्हारे इच्छा को पूरा करता है!

जैसे प्रवक्ता (पीटर और जान) ने प्रभु पर विश्वास से आगे चले तो! प्रभु कृप से उन्हें हर काम में सफलता मिली है हम प्रभु पर विश्वास करना चाहिये! मनुष्य पर नहीं ऐसा नहीं करते हम अनेक कठिनायि का सामना पड़ता है!

डानियेल ने बहुत कठिनायि का सामना करना पड़ा जब उन्होंने ऊँचा स्थान पर त (Babylonian) सर्कार के आदीन में तो राजा (Darius) एक शासन को निकाला है 30 दिन तक राजा के अलावा कोई भी प्रार्थन नहीं करना चाहिये! ऐसा कोई करता! है तो उसे कठिन दंड अमल करते तो! किपी को नहीं चक्षा जायेगा डानियेल को भी नहीं छोड़ा है उसे (Lion Den) सिंह कि पंज रे में डालत! डानियेल प्रभु पर संपूर्ण विश्वास त ताकत त उसे सिंह कि पंज रे से आजाद किया त (Dan 6) (Romans 13 : 2)!

Changing Authorities

जैसे समय बदलता है उसी तरह हम बदल जाति है! आचार व्यवहार को भी बदल देता है! जैसे उदाहरण अगर हम शादी होता है दूसरे जगा पर बदल जाति है, नया नौकरि मिल जाता है, नया मित्र, नया वातावर (New Atmosphere) नया चर्च नया लोगों से गुजरना पड़ता है! इन समस्या से मुक्ति होने का एक ही मार्ग है सही लोगों प्यार से मिल जुल्कर हर्ना चाहिये! यह सब आप पर निर्भर है आपका मन प्यार से रहना चाहिये (Rom 12 : 18)! मुख्य विषय है एक संबंध को छोड़कर दूसरे संबंध से जुड़ना चाहिये!

एक विश्वासी जीवन में अधिकार को एक बंदक (Bondage) नहीं समझना है इसे एक सूतर जै सा अपना चाहिये! मेरा कहने का मत लब यह नहीं होता सही को एक नया शासन में लाना नहीं होता! पर इसका महत्य के बारे में बताना चाहता हू! इसे आप कठिन

समझे ते है! इसे अमल करना बहुत मुषकिल है! आपको एक बात बताना! पाटि और मे इसाय जीवन मे बहुत रुचि त ऐक दूसरे को अच्छा जानते है! हमार परिवार के लोगो प्रभु सेवा के लिये पैसा करचा करना चाहता है! हम ने ऐक बडा मकान बनाया जो हमारो अच्छा मित्रों के सात! रहने के लिये! काम आ सके पर हमार (College) plan सही नही हुवा जैसे हय ने सौंचा है पर कयी सालों के बाद हाय ने इसे बनाने के लिये सौंचे है, हाय ने इस पर चरचा किया है ऐसा गर के लिये तलाष किये जो ३ कुटुंब परिवार लोग आराम से रहते है पर इस विषय को अप ने चायी से! चरचा नही किया है हम ने सौंचा है यह इतना मुषकिल नही है मैने रोजर से चर्चा किया त! उनहोने इंतजार कर ने का सूचन दिया!

मैने प्रभु से प्रार्थन किया सच काम अच्छा वातावरण मे होना है! मै मेरा बायि को बहुत प्यार कर था हु! सम्मान कर था हु! प्रभु से प्रार्थन किया प्रभु बायि का मन को प्रभु ध्वार सूना मिल सक मैने रोजर मे गुस्सा, द्वेष नही देका! सब शांति का वातावरण त हमार बला चाहता है रोजर के सूचन से हम सच जगा पर परिचर्या किया है अबी रास्ट्र पर्याटन किया है यू!एस!ऐ! और केनडा पर्याटन किया है अलग अलग लोगों से मिले है उन से आराधना मे हम बाग लिये! लोगों से हमे बहुत प्यार मिला! मैने गर पहुंच ते ही इस बारेमे व्यास लिका था! जो मैने लोगों से सीक लियाता वाक्य परिचर्या मे लोगोंका घर पर वाक्य परिचर्या करना हम बहुत ओगों का जीवन बदल दिया जैसे विच्चिन हुये! कुटुंब, तलाक हुवा! लोगों से, अकेले रहेने वाले, कुटुंब घर से आयेलोग को प्रभु संदेश दिया प्रभु प्यार को समजाये है रोजर के सूचन अनुसार चला है १३ सालमे हमने कयी जगा पर वाक्य परिचर्या किया है बच्चों से लेकर, बूडे लोगों तक प्रभु संदेश पहुंचाया! प्रभु कृपा से रोजर सहायत से हम ने काम को सफलता मिला है! आत्मीय संदेश देनेवाले के चला यह काम पूरा नही हो सकता! (Ecc1 4 : 9-12) यह सब परमेश्वर काम मे सफलता मिला!

8

प्रार्थना पर कुछ सूचनायें

प्रभु को आराधना द्वारा प्रार्थना द्वारा प्रभु को पाते हैं! अच्छा काम के लिए प्रभु ने महे जोवन दान किया! इसे प्रभु को अर्पित करने चाहिए! किस प्रकार से प्रभु का प्रार्थना करना प्रभु का आराधाना बैबिल में बताया गया है! हम इसे नहीं जाना है! इस बारे में सीखा है बैबिल में प्रार्थना के बारे में बहुत कुछ लिखा हुआ है! मैंने अध्ययन का खोज विकाला है! इस बारे में बहुत पुस्तक लिखा हुआ है जो, प्रार्थनाका विशेषता बताता है! मैं छे: मुख्य अंश को बताना चाहता हूँ!

यह जरूरी है इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए! यह मुख्य विषय शासन नहीं होता पर हमें आयाद दिलाता है! हम किस तरह प्रकार प्रभु मार्ग पर चलाता है! हम मुख्य विषय पर ध्यान देना चाहिए जो अपना जीवन को बदल देता है! मैं कई बार गलतियाँ किया हूँ! इस कारण मैंने कई कठिनायियों का सामना करना पड़ा! हमें प्रभु अपना दृष्टि प्रभु पर केंद्रित करना चाहिए! नियमों का शासन पर मुख्य विषय नहीं, इस पर प्रत्येक से श्रद्धा देना और अध्ययन करना चाहिए! प्रार्थना का मुख्य विषय बतायेगा!

इस में मुख्य विषय बताया गया है! प्रायश्चित प्रभु ने शिष्य को प्रायश्चित है! प्रार्थना में जो शक्ति होता है! प्रभु ने शिष्योंको बताया कि प्रार्थन शक्ति ध्वारा पतित को हिला सक था है हम प्रार्थना कर ते समय उन को क्षमा करना है! जो हम विरोध कर ते है! अप ने हृदय में क्षमा गूण नहीं, दूरों को द्वेष कर ते है अप ने शरीर Muscles's अकड जाटा है! गुस्से से डांट कट कटा ते है! इस के कारण अप ने शरीर में रक्त प्रवाह सीदा नहीं होता है! इसी तरह मन को! प्रशांत रह ना तब परिशुद्धात्म अप ना हृदय में प्रवेश होता है नहीं तो प्रभु को पाना बहुत मुश्किल है! प्रभु ने शिष्य को बताया कि! मेरा आज्ञानुसार चल ना चाहिये! (John 15: 4, 9)! प्रभु कृपा से क्रोध, गुस्सा, द्वेष, कपट सच दूर होता है! प्रभु से बड कर इस दुनिया में जार कोयी नहीं है! क्योंकि परमेश्वर अप ने पापों के लिये! सूली पर चडा है! केवल प्रभु ध्वारा ही प्रेम को पा सक ते है मुश्किल कठिनायि! हमें मुक्ति दिलात है! मैं द्वेष से क्रोध से किसी को प्यार नहीं कर ते वह असंभव है (John 4:12)!

मैं दूसरों से प्यार नहीं कर रहा था! मैं इतना कष्ट उठाने कि जरूरत नहीं है प्रभु से कैसे कह सक रहा था! मैं लोगों को प्यार कर रहा था! या मेरा मित्र से प्यार से रहता था! यह बिल्कुल गलत है क्षमा प्रायश्चित्त नहीं कर रहा ! मैं कैसे कह रहा था प्रभु मैं लोगों से नफ़रत है प्याड़ नहीं कर रहा था मैं! प्रभु को धन्यवाद कर रहा था! प्रभु मेरा दिल में है! मेरे हृदय में है बाहर से कितना भी नफ़रत सात है प्रभु रास पर मैं चलना चाहता था ! प्रभु कृपा से मैं चलना चाह रहा था! प्रभु कृपा से मैं सच मुष्किलों को दूर कर सक रहा था प्रभु प्यार मुझे बदल दिया है मैं! लोगों से मित्र से प्यार करता था!

(Psalms 81:10) में कह गया है प्रभु वचन दिया है (Voice) काड़ी बहुत आसान है! इसका वजन भी हल का है प्रभु इसका एक अच्छा उदाहरण बताया है! आप एक दृश्य की कल्पना कीजिये! एक चोटा पक्षि का (गोसला) को कल्पना कीजिये ! इसमें आप देखें तो चोटा, चोटा नन्नीडि पक्षि मू कोल कर मा का इंतजार कर रहा है! वे बहुत बुके होते हैं! आपने आपको आहार नहीं ला सका था है ऐसा करने से चोटा पक्षि नीचे गिर कर गायल हो सका था है इसलिये इसके मा ने ! कहता है तुम आराम करें! मैं लिये इंतजार करो तुम बोजन लाकर तुम किला सकु!

इसी तरह प्रभुसे आपना संबंध जुड़ा हुआ है! हम आपना अवसर के लिये चिंता करने का जरूरत नहीं प्रभु आपना रकवाला वह आपना समस्या जानता है आपना हर इच्छा पूरा करने वाला है प्रभु सर्वशक्तिमान है! प्रभु कृप ध्वारा हमें शांति मिलता है! आपना प्रायश्चित्त से पापों का! क्षम मिल रहा है! पापों को मिलाति त!

हम प्रायश्चित्त करने से दूसरों से क्षमा करने से प्रभु का प्यार को पाति है! क्रोध द्वेष अहंकार इन सानों को मुष्किल में डाल रहा है कयी कटिनायिका सामना पड़ रहा है! प्रायश्चित्त से सच बंदकों से मुक्ति मिलता है! प्रभु को महिमा कीर्ति निम्मान मिल रहा है! कयी साल पहले मैंने प्रभु प्रेम का महत्व विशिष्टता जाना है! जब मैंने मेरा पिता को क्षमा किया त!

मेरे माता पिता को समजाने केलिय! बहुत मुष्किल हुआ त! प्रभु के बारेमें बहुत समजाय पर नहीं सुने! मेरा इताजी सुन लेने से इनकार किया त! एक मैं और पाटि (Patti) माट पिता से मिलने गये हैं! वेहो गये! मेते मैंने फिर से समजाने के लिये! बहुत कोषिष

किया पर नहीं सुने! इस पर बहुत! निवास पद हुवा बहस हो हये बहुत झगडा हुवा! मुझे उत ना विज्ञान नहीं! है जो उने समझा सकु!

हम वापस घर चले गये! मै सौंच ने लगा मै जो समजा त वह नहीं हुवा मेर प्रयत्न पूर बेकार हो चुका है मै ऐक अच्छा पास्टार नहीं बना सका जो मेर मात पिता को सम जा सकु! मेर अग ला वाक्य परिचर्य (New York) Congregation मे हो वाला त मैने निर्णय लिया ऐना गलती फिर दुचार नहीं होना चाहिये! मेर पिताजि पर गुस्सा नहीं होने का सौंचा है! मेरा पिता का घर 1500 मील दूर प है! उने मिल ने के लिये बहुत व्यक्त लगा 4 महिने तक हमारे बीच कुच बात चीत नहीं त!

मैने आराधना मे मेरा व्यक्त बिताय! बैबिल पडायि किया आराधना कर्ते समय मैने प्रभु से विन्नति किया मै परिशुद्धात्म ध्वारा प्रभु से बात करना है मै ने अचनाक ऐक आवाज सुन आ है तुम पिता से प्यार नहीं कर था मै ने उत्तर दिया मै पिता को द्वेष नहीं कर्ता हु! पर तुम प्यार नहीं कर्ते हो! प्यार ऐक मुख्यो भूमिक निभात जो लोगो को ऐक कर्ता है!

मेर गलती का प्रायश्चित हुवा! मै बहुत इस विषय पर दुःख त! मैने मेरा माटा पिता हुत दुःख पहुंचाया त उने प्यार नहीं किया है! मैने मे विध्यार्थि यो के सात बैबिल विषय को चर्चा किया इस विषय को विध्यार्थिया को बताया त ! वे मुझे बहुत सात दिये ! मेरे लिये मेर माता पिता के लिये प्रार्थन किया है! जो हम ऐक हो सके! कुशी का माहोल हो सके!

मैने पाप को तुरंत फ़ोन नहीं किया! दो दिन के बाद मुझे पत्र आया है मेरा पाप ने मुझे लिका ४ महीने के यह मेरा प ह ला पत्र है! मुझे बहुत आश्चर्य हु है! उस पत्र मे लिका है ! बारे मे है जो मैने उस पर के बारे है मै जब करे दा त इन्ट्रस्ट बहुत कम त अब बहुत रीजनबुल है! मै अब संतुष्ट हु! मेरा पिताजी ने! Christian brother बात किया उन होने इन्ट्रस्ट को माफ़ किया इन्ट्रस्ट उन होने बर दिया मैने पत पड कर बहुत आश्चर्य मेरा प्रायश्चित प्रभु ने सुन लिये १५०० मील पर मेरे संदेश प्रभु ध्वारा पहुंचा है जो अब तक ऐक वाक्य बी मैने नहीं किया प्रायश्चित मे कितना शक्ति है जो प्रभु ने पिता मन बदल दिया है मै बहुत कुश हु! मेर परिवार मे कुशिया लौट आया है! मेरा माता पिता को, मेर परिवार! फिर से मिला या है! मै प्रभुको धन्यवाद देना चाहता हु!

Wholehearted Prayer

संपूर्ण हृदय से प्रार्थना

मैं बहुत (कोया Miss) होत अगर समझ था हु! ऐकांत मे बाट कर या अकेले बैठ कर लिंक ना ही सही प्रार्थना विधान है प्रभु से संभाषण कर ना ऐक अजीब अपूर्व अनुभव है यही सही विधान है! इलैजा प्रवक्ता ने अप ना जैसा व्यक्तित्व इन सान त वर्षा के लिये उन होने प्रार्थन किया ! कि साल तक कुच वर्षा नहीं हु (Jas 5:17)! अंत ३ सामे उन होने संपूर्ण विश्वास से प्रभु से कर ने के बाद वर्षा हुवात प्रभु से बहुत किया विन्नति किया बहुत प्रयास किया इलैजा ने सातिये! बेजा त कि बादल को देक पर वे वापस निराश होकर लौटे ते ६ बार इलैजा ने सातिये को बिजाय अंत मे ७व चार काम कर ने वालों को बिजाय! वे आकाश मे का black cloud को देक कर कह हाय बादल देका है वर्ष होने कि सूचना बताया (1 Ki 18 : 42)!

कीर्तना ग्रंथ कर्ता ऐ प्रभु से संपूर्ण विश्वास से प्रार्थना किया त! (Psalms 119 : 58)! Judah के सची लोगों ने संपूर्ण विश्वास प्रार्थन किये! संपूर्ण हृदय से प्रार्थना किये! (2 Chro)! लोगों का प्रार्थना सुन कर प्रभुसे लोगों का उत्तर दिया है!

प्रार्थना मे दर्द दया करुणा , आसु , मुष्किले बाधमे होता है ! प्रभु ने प्रार्थना ध्वारा दया से स्वस्थता कि;या (Mat 20:34)! जो लोग आसु से चीक से प्रभु को प्रार्थना किया प्रभुने उनका उत्तर दिया है (Heb 5:7; Luke 22:44)!

प्रभुने प्रवक्ता आवाज सुना दया से करुणा से सेवक का उत्तर दिया है जो लोग संपूर्ण विश्वास से संपूर्ण हृदय प्रभुका स्मरण कर ते है प्रभु अवश्य उन का उत्तर देता है (Ps 62:8; 34:18; Rom 8:26)!

कुच साल पहेले मैने ऐक मीटिंग पर आजर हुवा नाम है Washington for Jesus यह ऐक र्याली त! देश के सची लोग अप ने पार्षोका प्रायश्चित कर ने लिये! देश के उन्नति के लिये! प्रार्थना का आयोजित किया! मेरे सात हजारो लोग है जो प्रार्थना करने के लिये! बाग लिये ते! सब लोगों ने पहले विन रात के समय प्रार्थना कर ने के लिये! ऐ कट्टा हुये! यह

मीटिंग प्रार्थना देश के लिये, लोगों के लिये! उन का उन्नति के लिये! आयोजित किया गया! मैंने इस के अलावा वाक्य परिचर्या कर ने वाले को उन का संभाषण सुन ते गये! बीच में गायी को गायक गाने से मनोरंजित किये हैं! ऐक उत्सव जैसा याहोल हुवा है! अंत में! Keith Green ने Microphone के पास आये हैं! उन होने वहा जो हम ने देका है! उनहोंने कहा मैं इस कार्यक्रम को देक कर बहुत कुश हु! गायक गायिका ने गाने मनोरंजन किये! कम समय में संभोधित कर ते हुये कह! आप का (आसु) tears कह है! आप का आवेदन कह है! आप रोते हुये प्रभुको क्यो विन्नति नही कर ते है! करुणा के लिये! क्यो नही कर ते ! इस के अलावा आप (तालिया) कर ते हुय मनोरंजन कर रहे हैं! इस का मजा ले रहे हैं? अब यह समय है बादा के लिये! आसु बहने के लिये! प्रभु से विन्नति कर ने के लिये! (standing on knees) गट नौ पर कड के प्रार्थना करे है प्रभु हमार देश का रक्ष करो, हमारा मुष्किले दूर करो हमारे पाप को मिटावो यही आप से विन्नति कर था हु उन होने बाषन देकर चला गया हम ने वही कये! जो उन होने कहा!

Speak to the Mountain

प्रभु इसु मसीह (Fig Tree) फ्रिंग पेड को शाप दिया है प्रभु शुश्य यो ने पेड ऐक ही दिन में मर ते हुये देके आश्चर्य हुये! प्रभु उनका शिष्यो को प्रार्थना का शक्ति बारे समजायो गया (Mark 11:23)

हम प्रार्थना को प्रभु सन्निधि में जै से नही देवा चाहिये! जब प्रभु ने गरज था हुवा बादल तेज हवा से साम ना कर रह त ! प्रभु ने यह नही कहा कि प्रभु ! इस तेज हवा को रोको प्रभु ने ऐसा नही किया प्रभु पहले समस्या (Proverbs) को साम ना किया उसे रोक ने कि कोषिष किया वह रुक गया!

मोषे प्रवक्ता ने सची लोगों मिस्र से बाहर निकाल त! इने के साम ने और ऐक समस्या आकर कडा है लोगों के! साम ने बडा (लाल समुद्र) आ गया है दो तरफ से बडा पहड है! उन लोगों के साम ने त! वे समझ में नही आया क्या कर ना है! पीचे मिस्र सिपायि का समूह है लोगों ने मोषेसे विनती कि है प्रभुसे प्रार्थना किये जाय! अंत में प्रने कह! मेरे लिये आप क्यो पुकार रहे है इस्हायेल लोगोंको आगे जाने के लिये कहा! आप लोग लकडी को उटाकर! समुद्र पर रक ने से उसे अलग करों! (Ex 14:15, 16)!

प्रभु ने अप ने लिये कुच अधिकार दिये है हम हर समस्य के लिये प्रभुसे पूच ने का जरूरत नहीं है! हम प्रार्थना ध्वारा प्रभु को आज्ञा या शासन कर नहीं सक ते यह ऐक सिर्फ़ विन्नति है! प्रभु का इच्छा क्या है! हमे नहीं मालुम है! प्रार्थना कर ने से पहले प्रभुका अनुग्रह क्या हमे नहीं मालुम! प्रभुको विन्नति के बाद प्रभुका अनुग्रह क्या होता हमे! नहीं मालुम! प्रभु हमे इस तरह प्रार्थना कर ने के लिये नहीं कहा हम चाह ते है कि प्रभुका आवाज को सुन सके प्रभु दर्शन को देके अपने तरफ़ से कुच नहीं कर ते प्रभु के लिये इंत जार कर ते प्रभु हमे प्रभु अनुसार से हमे उत्तर देता हाय सर्व शक्तिमान प्रभु ईषु मसीह जो दुनिया को बनाया है! जो पहले कुच नहीं त!

Example (उदाहरण) मै प्रार्थना करता हु कि! टूटे हुये टांग (फ़ैर) जल दी से स्वस्थ हो सके! मै टांग के लिये नहीं सौंचता ! मै प्रभु पर मेरा दृष्टि केंद्रित कर था हु!

प्रभु ध्वारा हम कुच अधिकार पाये है कभी हम पर्वत से बात करते है जो हिल सके हमे संपूर्ण विश्वास होना चाहिये! जो प्रभु ने हमे वादा किया त इस के लिये हम इंतजार कर ना चाहिये! जो काम हो सके हम अंत तक निरीक्षण कर ना है हम विश्वास को नहीं कोणा चाहिये! फ़

Pray Until You Praise

Phil 4:6, 7 हर काम के लिये! प्रार्थन ऐक साधन है! प्रभु के पास अप ना तक लिफ़ अप ने समस्य को प्रभु के पास रक ना है! जवाब के लिये इंतजा कर ना है! संपूर्ण विश्वास होना चाहिये! जो प्रभु आप ना इच्छा पूर कर सके! हम प्रार्थन कर ते समय प्रभु के पास डाल ते है! हम प्रभु को काम होने का धन्यवाद नहीं देते शुक्रिया अदा नहीं कर ते! प्रभु से सूचन मिल ने बाद दर्शन देने के बाद! हम धन्यवाद देते है!

Pray When You Need God's Strength

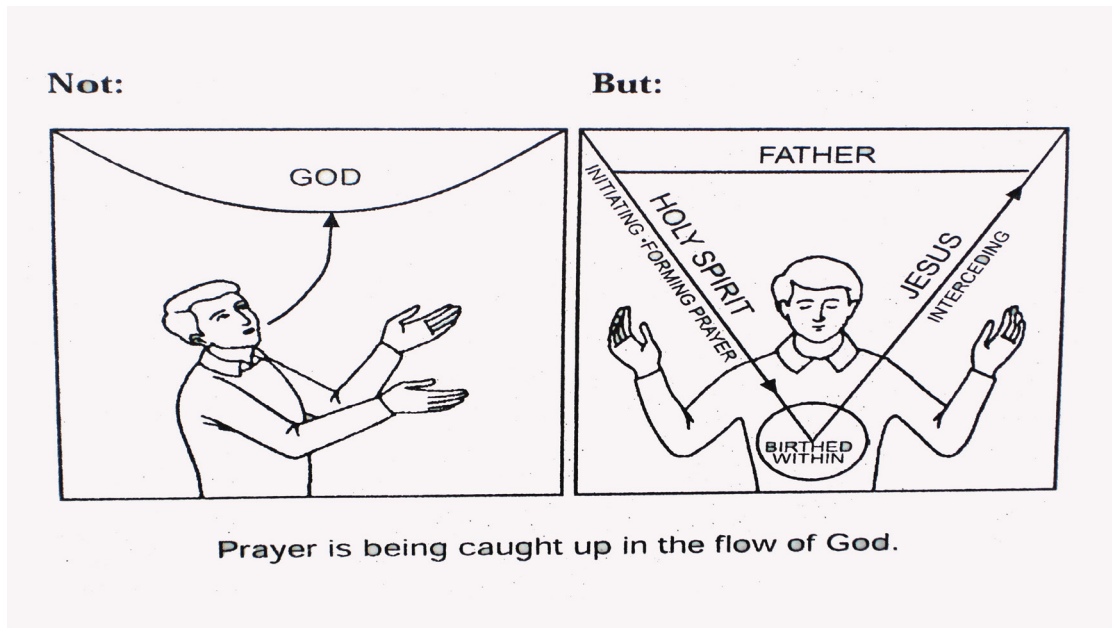
(Ps 50:15)! प्रभु हम से कहता है कि! आपत्ति मुष्किल समय मे मुझे प्रार्थना करो याद करो त कि हमे मुष्किलों दूर कर ते है (Heb 4:16)!

कयी इस के अलावा हम विरुद्ध कर ते है आ पत्ति समय मे ! या गलती किया हो हम बहुत शर मिंदा होते है अपराध भवण से रह ते है प्रभु से दूर रह ना चाह ते है! गलती को

चुपान चाह ते है! ऐसा कर ने से प्रभुका प्यार को नहीं पाते! प्रभु हमे सबी पाप से आजाद प्रभु के जाने से हमे मुक्ति कर था है! जब हमे सैतान से लड ने का ताकत नहीं रह था प्रभु से विन्नति कर ते है उसे हरा सके! अप ने तरफ़ से कौषिष नहीं कर ते (Js 4:7), (2 Chro 10:4, 5), (Eph 6:10, 11).

The Movement of God in Prayer

हर विश्वास के लिये प्रार्थन ऐक ताकत है ऐक औजार (weapon) जैसे होते है! हम सौच ते है किस के! लिये प्रार्थना कर ना किस तरह करना है प्रभु से क्या जवाब चाह ते है! ऐक दृश्य कल्पन से सौचते है! (Rom 8: 26) अगर हमे नहीं मालुम किस तरह प्रार्थन कर ना है! समझ ना है प्रभु बारेमे कुच नहीं मालुम हम सिरफ़ अप ने तरफ़ से सौच ते है हम समझ ते है कि हमे सब मालुम है किस तरह समस्या का साम ना कर ना है पर यह बिल कुल गलत है क्योंकि हमे नहीं मालुमे है किस तरह से चल ना किस तरह जाना है कम जोर समय मे ! परिशुद्धात्म अप ना सात देता है! हम इस कम जोर को चूपाने! कि जरूरत नहीं है! कम जोर समय मे प्रभुका शक्ति काम कर्ता है



प्रभुको आप का समस्य बताने से पीचे नहीं जान संदेह नहीं कर ना है (Eccls 5:1, 2) अप ना संपूर्ण हृदय से प्रभुको अप ने हृदय मे आह्वान कर ते है ! परिशुद्धात्म ध्वारा आश्चर्य काम कर सक ते है!

परिशुद्धात्म मन मे प्रवेश कर ने से हमे ज्ञान बुद्धि मिल था है किस तरह हम प्रभु सन्निधि कैसे व्यक्त बिताना कैसे प्रार्थना करना है प्रभु सन्निधि मे! व्यक्त बिताने से! प्रशुद्धात्म अहमे सही रास्ता मे चलात है! हमे शक्ति देता हय प्रभु हमे वादा (Promise) कर्ता है ! अपना इच्छा पूर्ण हो सके (John 5: 14, 15) कभी हम ऐसा करना बहुत कटिन होता है ऐसा अनुभव मुझे हवा है जब चर्च मे विद्यार्थिया के साल समूहमे प्रार्थना कर ते है मै तुरंत! बताना चाहता हु! प्रभु मुझे क्या बताया है! प्रभु जेझे वचन दिया या नही पर मै कुच बोल ना बहुत व्यक्त लग था है! कभी कभी मेरे मन मे प्रेरित हुवा वाक्य को बताना चाहता हु! प्रभु का जवाब नही मिलेगा निशब्द रह ने से कुच बी फ्रायिदा नही है! जवाब का जवाब सूचन मिल ने पर हर काम मे सफल था मिल था है!

9

The Lord Speaks Back **प्रभु वापस उत्तर देता है**

मैं आप सब को (Journaling) के बारे में प्रोत्साहन देना चाहता हूँ! लिखना एक अच्छा आदत इस के द्वारा बहुत फ़ायदा है! आपको आश्चर्य कार्य को बताना चाह था हूँ! जो प्रभु ने बनाया त ! स्वस्थत किया है ज्ञान (बुद्धि) दूसरों अच्छा कार्य किया जै आप के साथ किया है यह उदाहरण है जो लिखने से उन के जीवन बहुत बदलाव आया है उन के पत्र द्वारा मुझे कत (letter) लिखते हैं! है इस में स्त्री पुरुष छोटे उम्र के लोग हैं उम्र के लोग हैं बच्चे हैं पास्टर दुनिया के सब देशों से मुझे पत्र आते हैं मैं सब को धन्यवाद देना चाह था हूँ! जो मेरे साथ अनुभव को लिख कर मुझे बेजा है लिखने से उन ए जीवन कितना बदलाव आया है!

मैं आशा करता हूँ! आपका जीवन भी इसी तरह बदल सके! आत्म विश्वास बढ़ सक था है! प्रभु रास्ते में चल सके मैं यह नहीं कह था हूँ! आप के लिये परीक्षा है! आप प्रभु दिया हुआ सुचन लिख कर अपने ना मित्रों के साथ (spiritual admission) के साथ अनुभव बाँट सकते हैं!

यह उदाहरण सच्चा घटना से प्रेरित है सच्चायि पर सच्चा घटना से प्रेरित है! सच्चायि पर आदरित है! इस में सभी वर्ग के लोग हैं स्त्री, पुरुष, छोटे उम्र, बड़े उम्र, बच्चे भी हैं! जो प्रभुका आवाज सुना है पहचाना है 1) इसके लिये हमने लोगों को नहीं चुना है, 2) यह सच्चा घटना पर आधारित है जो लोगों को प्रभु के पास ला सके 3) जैसे मुझे हुआ इन सच्ची लोगों अलग अलग तरह से आश्चर्य कार्य हुआ है पर यह सच सभी लोग एक ही परमेश्वर को प्रार्थना किया है!

Fear Not the Storm

आप मुझ से क्या कह ते?

तुम ऐक कूब सूड़त नन्नासा सा बच्चा मासूम सा आंके है बाहर गरज था हुवा बादल को देको? मेरे हत से तुमे रक्ष कर था हु! क्योंकि गरजता बादल ऐक मधुर क्षण है तुम इसे देक कर डरना नही! मेरा हतों से तुमे रक्ष करता हु! तुमे जाने नही दूंग! हम कुशी से जूम उटते, कदम से कदम मिलाकर नाचेंगे!

I will not make a mistake

मै गलती होने नही दूंग

मेरा बच्चे मुझे मालुमे है तु ते अच्छी तरह समजता हु! तुमार संकोच को नही रोक था हु! तुमार मन का आकांक्ष को समझ था हु! वह अच्छा और स्वच्छ है! यह सच संकोच दूर होता है! अगर तुम मुज को विश्वा कर्ते क्योंकि तुम ऐक इन सान हो तुम से गलतिया हो सक था है! इस समस्या का मै जम्मेदार लेता हु! तुमे कुच आपत्ति नही आने दूंगा! मुझे संपूर्ण विश्वास कर ना है तकि तुम गलतियु ना कर सकें! किसी भी समस्या से तुम नही डर ना मै तुमहारा हर इच्छा! पूर करुंगा मै तुमहारा रक वाला हु! मै तुम्हे गलतिय कर्ते नही देक सक था , जैसे पिता पुत्रको बच्चोंको गलत कर ते हुये नही देक ता!

Healed of Inferiority

सक था ता!

मैने दर्शन के लिये देका त मैने प्रभु के सात चल रह त ! मैने परिशुद्धा को दर्शन को दिकाने केलिये कह! पर वह दीरे दीरे मेरे साम ने अदृश्य हो गया कुच देर के बाद मेरे साम ने दृश्य बदल गया! मैना प्रभुका चहेर देकात मुझे मालुम त प्रभु मेरे लिये सोंच रह त! यह दृश्य Billion Years Ago (हजारों वर्ष पेहले) जब दरति नही बना! कुच देर के बाद दृश्य फिर से बदल गया इन बार मैने देका प्रभु नीचे तरफ देक रह है मै (shoulder कंदो) के तरफ देका त (sperm & egg) ऐक तरफ आ रहा है मैने प्रभु चुहरा पर मुस्कुराहट देका त यह मेरा जनम का दृश्य है!

प्रभु मेड़े बारे सोम्व रहत दृश्य यह पर कतम होगया जब मै समझ ने लगा यही मेरे सही पिता इस दरता पिता (Earthly Parents) इस दर ती पर अनेसे (हजारों) साल पहले ही प्रभु ने मेरे लिये सोँचा है! मै इस दृश्य को देक ने से आश्चर्य हुवा दर्शन को देक ने के बादी मुझे मालुम हुवा दृश्य प्रभु अप ने लिये कित ना सोँचा है!

Hearing God's Voice Transforms Lives Behind Prison Walls

मैने कभी नही सोँच कि प्रभु मेरा प्रार्थना सुनेगा जो कयि (यहीने Months) सोम्व रह हु! प्रभु का यह नया संबंद से मेरा जीवन बदल गया परिशुद्धात्म ध्वारा मेरा बुद्धि ज्ञान अभिवृद्धि हुवा है! हर दिन मुझे नया दिन जैसा (रोष) जैसा हे मे कभी अंदेर मे नही चला मेरे मन मे शांति समाधान है जो पहले नही त मै प्रभु के अनुसार चल रहहु! प्रभु पर मुझे संपूर्ण विश्वास है!

Journaling Releases Anointment for Business

Testimony : मेरा पति को ऐक मुख्य काम पर रका गया काम बहुत कटिन त! कयी हफ़ता कयि लोगों ने प्राजेक्टर काम कर ने के लिये! बहुत प्रयास किये है पर बेकार हो गया कयी व्यक्त गंटे चर्चा मे गुजर गया प्रयत्न किया है! बेकार हो चुका है!

(Leo) ने मुझे इस (Project) काम पर मुझसे चर्चा किया मै उने सलहा दिया इस बारे मे अच्छा पुस्तक मे लिंक ना चाहिये! इस के लिये मैने प्रार्थना किया त उसे पुस्तक मे लिंक है मुझे अच्छा जवाब मिला (Leo) से इस बारे मे उपन्यास दिया है! उन का विचार पूँचा है पहले इस को पसंदे नही किया प्रभु दिया हुवा सूचन को पुन्यास दिये! जो प्रभु ने दिया है सभी लोगों ने इस को बहुत पसंद किया इस का अभिनंदन किये! प्रभु को धन्यवाद किया जो प्रभु ने आश्चर्य काम मिया है!

Math in Dream

मे मेरा

सन 1995 पति (Husband) Ph. D. Thesis Aerospace Engineering Robotics पर पढायि कर रहा है Parallel Manipulator को काम करने के लिये Math कि बहुत जरूरि है पर Roger के आदेश पर नही चल रहा है Math काम नही चल रहा है! उस रात (Night) Roger ने सप ना (Dream) देका त उने Equation का समस्य दूर हो

गया! जिस के ध्वारा (Robot) को (Control) कर सक ते है तुरंत उन होने उटकर उसे लिका है (Roger) ने प्रभु को धन्यवाद किया जो उन को स्वप्न ध्वारा सूचन मिला है! ताकत औ आत्मविश्वास बड़ा है!

सूसन (Susan)

More Business Solution

मुझे लिक ने का आदत 1992 से है! मैंने व्यापार समस्या से मुष्किल उटा रह त प्रभु ने उजे सबी समस्या से मुझे विमुक्ति बिद्धि ज्ञान दिया है! बताया उवा दो उदाहरण को पड कर बहुत आश्चर्य हुये है! मैंने इस उदाहरण को चर्च मे पर लोगोंको समजाया वे सुन कर बभुत आश्चर्य हुये है!

मै और मैने (Marketing Brochure) सेमिनार के लिये लिक रहे है पर हम लिक ने मे समस्या आया है समस्या को प्रभु से निवेदन किया प्रभु मुझे सही रास्त बताय है (Entire Copy) को मुझे समजाया है

Bill (Canada)

Encourage through Dream

मैना सपना देका त कि मै ऐक अच्छा base ball team का अध्यक्ष हु हर (Metals) मे विजय हसिल किया है! हर मुष्किल समय मे जीतने कि कोषिष करते ते! हर Ball को Park से बाहर कर्ते! किसीबी मुष्किल Ball को साम ना कर्ते है मेरा सपना बदल गया है मेरा प्रत्यर्थि opposite team अच्छा केल रहे है! मुझे सप ना देखे औड़ आश्चर्य हुवा मैने आज इस (Base Ball) क्रीडाको ना देका ना सुना त इस पर मुझे ज्ञान नही त इस क्रीडा बारे मे बहुत कम मालुम है बहुता कम केला है पर competition level मे आज तक नही केला ! प्रभु ने हमे Missionaries बनाया है south Africa मे संस्थ स्थापित किये यह पर वातावरण अलग त! मै ऐक (cricket player) जैसा दिक् था त वे अलग तरह से केल ते है! (S. Africa) मे अलग क्रीडा है हमारा team को प्रभु ने बनाया है! S. Africa मे

ministry बहुत मुष्किल त पर अमेरिका में क्या होगा?

प्रभु ने मुझे विश्वास दिलाया त केल में सफलता मिले जो भी कटिनायि हो मुष्किल से तुम्हें विजय हो सके! मैं बहुत कुष हो गया इ मेरा सपना सच होने! वाला है केल में (Base Ball Game) हर मुष्किल का सामना किया त प्रभु ने मुझे ताकत दिया हर मुष्किल का सामना कर सके!

Rudolf (Senior Pastor of a church in Ohio)
Love as I love you

प्यार करो जैसा मैं तुम्हें प्यार करता हूँ!

“प्रभु” मैं Jeanie को बहुत प्यार करता हूँ! उसे बहुत चाहता हूँ! हर दिन Jeanie को मेरा प्यार दिकाना चाहता हूँ! उसे प्रसन्न करना चाहता हूँ! पर उसे बताने से बहुत डरता हूँ! आप मुझे क्या सूचना देना चाहता है! प्यार करने वाले कभी नहीं डरते! है प्यार में कभी स्वात नहीं होते हैं! स्वार्थ लोग इस के चित्र हैं! (What you sow, the same you reap) जो बीज उसी का फल उगता है जो (बीज) seed को दालते हैं उसी का फल उगाता है Jeanie को तुम्हारा प्यार चाहिये उसे समझना है उनका आदर चाहिये! जब तुम्हें प्यार में सफलता मिलेगी तुम्हें उसे प्यार करना है जैसा मैं तुम्हें प्यार करता हूँ! Janie एक फूल (flower) जैसा है तुम्हें अच्छा संचालना है! देखना करना है जब वह तुम्हें अच्छा फूल का सुगंध (aroma) देगा जब तुम्हें प्यार में सफलता मिलता है!

Jeanie से अपना दिल की बात बोलने डरते हो! यही डर तुम्हें Jeanie से दूर कर रहा है! उनका मदद करो उसे जम जाने का कौषिष करो! हर काम में उनका मदद करना है! Jeanie को प्यार करना है जैसा तुम्हें प्यार करता हूँ! मैंने इस दुनिया में आकर आप लोगों के लिये बहुत कष्ट उठाया है! लोगों के मदद के लिये! उनका गुलाब के लिये! बहुत करना चाहता हूँ! तुम्हें Jeanie को इतना नहीं कर सकते!!! सकते तुम्हें ऐसा करने से प्यार सफल होता है!

Mike (Canada)

I Am The One Who Brought You Here

प्रभुने मुझे अच्छा पाट सिका या जो प्रभु शासन को टुकुराने से! कैसा होता है! प्रभु के परिशुद्धात्म ध्वारा जीवन जीने, कितना अच्छा होता है! मैं एक missionary हु! मुझे चर्च ध्वारा बिजाया है मैंने Philippines देश में त मुझे (Motorcycle) का ठक्कर होने से मुझ्य केनडा चिकित्सा के लिये वापस जाना पडा! मैंने कह मैं Philippines पहुंचूंगा फिर Taiwan जाने के लिये! प्रभु से प्रार्थना करता हु! पर मैं जाना नहीं चाहता हु! मुझे Philippines बहुत अच्छा लगत है वाह जाकर आना चाहता हु! पर हमारा Mission Direction ने मुज्य तैवान बिजान चाहता है! मुझे मिशन संस्थ का आज्ञा के अनुसार चलना है! मुझे तैवान बिजाया है!

मैंने तैवान चला गया! एक साल कुच महिने पहेते कि बाट है मैं इसे desert कह करता हर कौयी चाहता है फ़िलिपैन्स देश पहुंचे वहं के लोग बहुत अच्छे है मैं बहुत उलजन frustated अचानक मेरे मन में विचार आया! कि चब principles शासन एक कर के प्रभु सन्निधि में रका जाये! प्रभु इस का जवाब हमें अवश्य देता है! मैंने प्रभु सन्निधि में प्रर्थना किया! त कि मुझे प्रभु सहि जवाब मिल सके मैं प्रभु तरफ़ देक रह हु! मैंने मन में दृश्य आया है प्रभु शिष्य ने नाव (boat) से समुंदर पर जा रहे ते! इतने गरज हुवा बादल बारिष से बहुत कष उटा रहे है! शिष्यों ने देका है कि प्रभु समुंदर पर चल रह है!

मैंने दृश्य को ध्यान से देका है मैबी उन शिष्य में एक हु नाव में समुद्र प्रयाण कर रह ती बारिष से समुंदर पानि से कटिनायि का साम कर रह ती प्रभु समुंदर पर चल ते हुये! हमार नाव पर आया और नाव को चला रहा है! समुंदर बी शांत हो गया अचानक मेरा आंक उल गया तो देका तो मैं Tai Chung Harbour में हु जहा माय रहता हु!

प्रभु ने कह मैं तुमें सात हु तुमें आज्ञा सूचन दे रह हु तुमें सहायत मुषिल में तुमें कटिनायि से दूर करता हु! मैं तुमें यह तक लेकर आया वह गलती नहीं है मैं 2 साल यया बिताना पडा मैंने कयी तकलिफ़ उटाया है प्रभु आज्ञा अनुसार चला यह मेर धरम त!

Cindy (Taiwan)

I Know You By Name

मैंने बहुत मननीत किया है जो आज तक शादी के बारे में नहीं सोचा पर अब मैं शादी के सोच रहा हूँ जो मुझे अच्छा जीवन साती मिले! अच्छा जिंदगी जी सके प्रभु प्यार को पासकु! प्रभु मुझे कैसे मालूम होना चाहिये कि होने वाली पत्नी कैसी रहत गुण कैसे अंग कैसे होता है वह मेरा सच्चा जीवन साती हो सके? प्रभु ने कह! तुम जनम होने से पहले मैंने! तुमारे लिये सोचा है! मा ध्वारा जनम लिया है! क्या मैं तुमारा जीवन के लिये सोच नहीं सकता? तुम जो मुषिल से गुजरा है! कटिनायि का साम ना किया मैं तुम कभी नहीं बूलता तुम जीवन नया अध्याय को शुरू कर रहे हैं! मैं हमेशा तुमारे साथ हूँ! मैंने अब्राहाम को सूचन दिया त एजाक का परीक्षा लिया !

मैंने अब्राहाम, एजाक, जैकब का प्रभु हूँ उनका सहायता किया त मैं तुमारे मदद करता हूँ! मुझ पर संपूर्ण विश्वास करो मैं अवश्य मदद करता हूँ! मैं अब प्रभु पर संपूर्ण विश्वास करता हूँ आपने मेरा आंक कोल दिया मैं व्यक्त को बेकार नहीं करता! मेरा जीवन साते के लिये बहुत व्यक्त बेकार हो चुका है मैं प्रभुको धन्यवाद देना चाहता हूँ!

Pastor Akintayo (Nigeria)

Protected By His Work

कभी हमें प्रभु आवाज पहचानने के लिये कटिना होता है प्रभु सूचन अपने से चित्र होता है! इस का उदाहरण है! मैं मेरे दीदी दोनों सिनिमा जाने के लिये तैयार हो गये हम हमने जाते समय बीच में रुक गये वापस चलने के लिये सोचे! हम वापस गए पहुँचे उस मेरा मा ने हमें देखते ही हैरान हो गये क्यों मैंने प्रार्थना करते समय दृश्य में दुर्घटना देखा है! प्रभु से प्रार्थना किये कि हम वापस लौटा आये! हमने मा से समय पूछा मा ने प्रार्थना समाप्त करते समय हम वह इस समय वापस जाने का निर्णय लिये यह आश्चर्य कार्य है!

(Anonymous)

I Rejoice at Your Birth

जनम दिन का बदायि देता हु! मै तुमे देककर बहुत प्रसण्ण हु! मै तुमे आदर कर्ता हु! तुमे प्यार कर्ता हु! तुमार हर काम पर सफलती मिल था सारा जीवन तुमारा दिन अच्छा गुजरेगा इस दुनिया मे आने के लिये शुभ काम ना देता हु!

Michael (आय्किल)

Trust In My Love For You

Journaling करना मेरा आदत है! प्रभु ने मुझे कटिनायि को मुषिल को सायना करने के लिये प्रभु मुझे शक्ति दिया है! ऐसा गलती कभी ना करना के लिये सौचा है लिंक ने का आदत हर दि का दिनचर्या है प्रभु उने लिंकने मै बहुत मदत किया (Psalms 95:7, 9)! प्रभु के सूचन के अनुसार लिंक ना शुरु किया उने मालुम हुवा प्रभु उने सूचना दे रहा है! ऐसा लिंका है You are a New Creation in Christ! प्रभु मे नया सृष्टि है पूरा दिन गुजर गया ! तु तुं लिये सब नया बनावूंगा!

In the Throne Room

नया दिन शुरुवात सुबह आराधना लीडर्स पाठशाला मे व्यक्त बिताते है मैने प्रभु से कह! मै सिंहासन सन्निधि मे आकिर प्रभु केलिये गाना चहता हु! मै गायक नही होता ! मुझे मालुम है प्रभु अवश्य प्रसन्न होगा मै प्रइशुद्धात से कह कि मुझे सिंहासन मै दर्श के इंतजार कय मै देका त दरवाज कुला है! मै अंदर जाकर देका सिंहासन मैने प्रभुको नही देक सका सिर्फ पाव को देका प्रभु ने मेरा पास कड! सिंहासन पर त मुझे कुच नही दिकायि दिया मैने प्रभु को देकने तरस इतने मे प्रभु नीचे के तरफप आया! मुझे आश्चर्य हुवा प्रभु के लिये! मैने गाय त आराधना किया! मैने जो सौच त ऐसा नही त प्रभु इसुमसी अलग है प्रकाश त (Mat 17:2)

Buck

Promotion comes from Me

इस व्यक्ति Aptitude Test परीक्षा में कम मार्क मिले तो इस वजह से उन होने बहुत उल जन में!

मेरा पुत्र इसे याद करो मैंने पीटर, जेम्स और जान को मैंने उन को किये उपहार gift दिया! दुनिया उन देकने लिये नहीं दिया सच्चा रास्ते पर चलने के लिये! इस दुनिया में मूर्ख त को मिटाने के लिये! ज्ञान देने के लिये! तुमारा चिंता दूर करना बड़ी काम नहीं है! अब सोचने से फ़ायदा नहीं है! आगे होने वाला भविष्य पर सोचो सपना देको मैं तुम नहीं रास्ता दिखाता हूँ! मेरा कृप आशीर्वाद हमेशा तुमारे साथ होता है!

Anonymous

Even a Child

7 वर्ष लड़की का पहला लिखा हुआ वाक्य हमें क्यों इतना प्यार करते हो! (Why do you love us so much) Because you are my child! इसलिये तुम मेरा बच्चा हो ! प्रभु ऐसा कुच है! हमें बताना चाहते हो? ह तुम बहुत जरूरी बात कहना मैं तुम बहुत प्यार करता हूँ! और कुच कहना चाह तो हो नहीं प्रभु आप को मुझसे बात करने के लिये ! धन्यवाद देता हूँ! प्रभु बच्चों को बहुत प्यार करता है! (Matthew 19:13-15)

Charity

Be Filled With Me

Journaling

लिकने ने परिवर्तन में बहुत बदलाव आता है! मन में शान्ति मिलता है! हम मिलकर एक नाव (boat) पर बैठकर चले हैं चलते चलते! मैंने मेरा मन का बात मैं तुम्हें प्यार करता हूँ! उन्हीं कह नदी के ओर (seashore) पर उतर है! मिलकर सात में चले! हतों हात डालकर चले हैं! बहुत सात में बिताया! प्रभु से चलने वाल कभी आनंद, कभी होता निराश नहीं होते!

Carol

Yada - Sharing Love

पाट्टि ने (Western New York) में बचपन बिताया त किशोर में डिस्क जाकी का प्रोग्राम सुन लेति उन का नाम झै डेनी हर दिन रेडियो सुन वाह बहुत मधूर आर्टिस्ट त युव लोगो लेति! बहुत पसंद कर्ता हर कोयी इन का प्रोग्राम सुनत त!

कालेज में पडते समय दूसरा राष्ट्र में पडायि हुवाति कुचदिन के! बाद Western New York चलेगये! ऐक दि दिन टेलिविजन समाचार में देका पाट्टि को बहुत आश्चर्य का है! टी!वी! प्रोग्राम पर बहुत मस्हूर हुवा! पाट्टि इस कार्यक्रम को बहुत श्रद्धा असे देक ते! हम इस पुस्तक में सबी समाचार को मुख्य विषय को लिखा है जो तुम प्रभुको पहचान सके! परिशुद्धात्म ध्वारा आश्चर्य कार्य कर सके! मैं यही आप से चाहता हु! अपना हृदय से! प्रभु को संपूर्ण विश्वास करना चाहिये! प्रभु पर दृष्टि केंद्रित करना चाहिये!

पाट्टि ने ड को अच्छी तरह जानती है! उनका आवाज को पहचान ति है! पर से कभी मुलाकात नहीं हुवा! बाट बीत नहीं हुवा दोनों बीच में प्यार त! प्रभु हर व्यक्ति का समस्या समजत है तकलिफ़ समजत है! प्रार्थना ध्वारा हर ऐक को जहब देता है! हम प्रभुका आवाज को पहचाना है यह अपना कर्तव्य है (John 17:3)!

Ginosko ऐक ग्रीक अक्षर है इस का अर्थ है know यह साधारण विषय नहीं होता! जैसे मित्र बारे में मालुम होता इस का संपूर्ण अर्थ है प्रभुको संपूड्ण विश्वास से रहना प्रभु में अभिवृद्धि होना (Gen 4) में कह गया Ginosko शब्द को पति पत्नि में व्यक्तिगत संबंध को बताया जाता है! प्रभु से हमें गहरा संबंध होना चाहिये जै पिता और पुत्र में होता में यह ऐक अच्छा मधुर संबंध है Hebrew में Ginosko को Yada कह ते हय! इसे प्रभु सन्निधि में प्रार्थन में बिताया जाता है इस (Yada) शब्द को उपयोग किया जाता है!

He Longs to Love You (तुम प्यार करना चाहता है)

अपने जीवन में प्रभुको स्वीकार करना चाहिये ! जब प्रभु अपना हर मुष्किल को दुःख दूर करता है! प्रभु पर सम्पूर्ण विश्वास होना चाहिये हम विश्वास करना है प्रभु अवश्य इस धरती पर आयोग धरती पर राज्य करेगा (2 Cor 11: 2)!

पाट्रिक ने जर्नल में प्रभुने कहा मैं तुम बहुत करता हूँ! हर मुष्किल में! तुमारे साथ देता हूँ कठिनायि का सामने करने की ताकत देता हूँ! प्रभुने जब (Jerusalem) तरफ देका त प्रभु इस शहर को बहुत प्यार करता है इस शहर का लोग ने प्रभु वाक्य सूचन को टुकुराय! फिर भी प्रभु इस शहर (city) को बहुत प्यार करता है (Luke 13:34)!

एक विध्वार्थि से जर्नलिंग उन होने लिखा है! प्रभु ध्वारा संदेश मिला है मेरे मित्र तुम प्रार्थना पर समस्या से परेश हो क्यों? यह साधारण विषय है मेरे साथ संभाषन कर सके हो जैसे मित्र से कर्ते हो तुम मेरे लिये सेब कुछ हो मुझे संपूर्ण विश्वास हृदय मेरे लिये स्थान देना है (Isaiah 62:5; Song of Solomon 4:9-11)!

सालमन ग्रंथ में पति, पत्नी का रिष ते प्यार के बारे समजाता है!

मुष्किल समय में हम प्रभु के पास जाते हैं! प्रभु यह नहीं चाहता कि! हर मुष्किल समय में समस्या होने पर प्रभु के पास जाये समस्या होने पर प्रभु के पास जाये प्रभु से संबंध होने से प्रभु में अभिवृद्धि होते हैं! हम प्रभुसे प्रार्थना कर्ते हैं! हम प्रभु वाक्य का अध्यायन कर्ते हैं! इसिलिये हम प्रभुको बहुत प्यार कर्ते हैं! प्रभु कहता है कि हमें बहुत प्यार कर्ता है अपने लिये व्यक्ति चितना चाहते हैं प्रभुको आराधना करने से अपना मनो प्रसण्ण होता है!

Taking Time to Love

Love at first Sight इसका अर्थ है पहली बार देखने से मन में प्यार का भावने होते हैं, सब एक ही समय नहीं होते होती पहला बार देखने से मन में प्यार का बीज (seed) पैदा होता है ! यह एक अजीब अनुभूति है मन में (बीज) seed पैदा होकर बड़ा वृक्ष बनता है! प्यार एक दूसरा साथ में! रहने से जैसा साथ में काय करना हसना रोना साथ में कैलना ! साथ में बातें करना व्यक्त बिताने प्यार होता है!

प्रभु ने सभी शिष्य (12 disciples) को प्यार किया त कि सभी शिष्य उन के साथ रहे (Mark 3:14) प्रभु शिष्य के साथ प्यार से व्यवहार किया मित्र जैसे देका उनके साथ दुःख सुख कठिनायि मुषिल समय को आनंद को उनके साथ बांटा (share) है!

पाट्टि और मैने पहला बाड़ डेटिंग पर गये है! हम ने बहुत समय साथ में गुजार है! हमार classes छात्र के समय पर ही मिस होते बाकि समय साथ में गुजारते है हम सुबह उठकर प्रभु सन्निधि में व्यक्त बिताय कर्त (time) मिलने पर तारीख पर चलते ते!

आप मुझे पूछ सकते है हम ऐसा चलते है? ऐसा कुच शासन हर समय ऐसा बिताना साथ मिल कर वक्त बिताना? ऐसा कुच अजीब व्यवहार है! जो साथ में बिताना जैसा मिल कर गाडि चलाति उन के साथ व्यक्ता बिताना? इसका जवाब हे नही! हम ऐक दूसरे से प्यार करते है! हम मिलकर कुच समय बिताना चाहते है! हम अलग रहने से कम incomplete यहसूस कर्ते! बहुत व्यक्त साथ में बिताने से ऐक दूसरे को अच्छा समझ सकते है!

हम यही संबंध रिशता (Relationship) प्रभु से होते है! ऐसा कोयि शासन नही है प्रभु से संबंध रहने के लिये ! प्रभु हमे प्यार से स्वागत करता है! मैने निश्चय कर लिया! कि कुच समय प्रभु के लिये! बिताना चाहता हु! मै मेरा काम में कितना ही busy मुष्किल होता है मेरा मन में प्रभु को ध्यान करता हु!

ऐक दिन प्रभु ने कह मै Alpha & Omega हु Beginning & End शुरुवात ! मै तुमारे लिये बहुत कुच करने के लिये तयार हु! मेरा पास आकर मुझे मांगे तो मै अवश्य तुमार मांते! पूरा करता हु संपूर्ण विश्वास कर से मै तुमे मदत करता हु!

मुझे संपूर्ण विश्वास से हृदय में स्वागत करने से तुमे हर कठिनायि से, हर मुष्किल से दूर करता हु (Psalms 42:1, 2)

प्यार करने वाले हर पल साथ में गुजारना चाहते है! उसी तरह हर पल प्रभु सेव मै प्रभु सन्निधि में मेर व्यक्त बिताना चाहता हु! प्रभु सन्निधि मेरा मन प्रशांत होता है! मन को शांति मिलत है! (Song of Solomon 1: 2-4) मै इसका वर्णन किया गया Living in

Relationship ! प्रभु को पाने के लिये (each week हर हफ़ता चर्च (church) जाकर प्रार्थना करने से प्रभु से संबंध नहीं होता प्रभु मार पर चलने के लिये प्रभु संबंध के लिये अपना अर्पण करना चाहिये! प्रभु आराधना मे मन को बू (touch) लेता है!

ऐसा कितना लोग है प्रभु का विश्वास मे जी रहे है! ऐसा कितने लोग है पुस्तक पडकर विध्यार्थि यो को मुख्य विषय को समजा रहे है ऐसा कितना लोग है प्रभु के अनुसार जीवन चिता रहे है! क्योंकि हम प्रभुका सच्चा वाय को नहीं समझ रहे है (Acts 1:8, John 15:26, 27)!

Witness (साक्षि)

इस को सही अर्त क्या है? उदाहरण आप ऐक मकान पर (milk) दूद करीदने गये है दुकाण पर रिजिस्टर कर ने ! चले गये ! इतने मे आपने देका कुच लोगो ने आकर क्याष रिजिस्टर अधिकारि को बंदुक दिकाये cash bag देने के लिये कह पैसे लेकर चले गये! आपने उन लोगो का चहरा को देका त अच्छा पहचाना त! कुच देर कै बाद Police ने आकर देका है! उस समय आपने police के पास गये! मैने सच कुच देका मै उन लोगो को पहचान सकत! हु इसका गवा मै हु! I was a witness हु! Police आप का साक्षि को लिंक ते! है जो आप ने देका हय! सुना है!

परिशुद्धात्म को पाने के बाद आप इस का साक्षि बन अट है लोगो से कहता है! मै इसका साक्षि हु जो आप ने सुना देका है! इसका साक्षि बनते है! इसी तरह (Peter & John) को मालुम हुवा प्रभु ने क्या उपदेश दिया है! उनहोने ऐक अंगडा विकलांग lame man आद मी को देका जो मंदिर के साम ने बीक मांगता है प्रभु ने उस आदमी को स्वस्थता दिलाया है ! आद मी उटकर चल ते हुये देका है! प्रभु को दन्यवाद देते हुए चले गये! अधिकारि ने दोनो का चेरसाल मे रका है जो इन साक्षि को देका है! कौन्सिल इसको सुनकर आश्चर्य हुवा जो दोनो! व्यक्ति ने बताया जब उने मालुम हुवा कि वे प्रभु के! सात ते यह ऐक सच्चा साक्षि है उनहोने बताया जो देका त दोनो ने दुनिया को बताया ऐक साक्षि बनगये! लोग! इन बात को स्वीकार किया है लोग को सजा होने से बचाया है!

आराधना करने मुझे नया दुनिया को देका है! प्रभु को गहरायि से सम जा है ! मेरे मन कि आंको से देका हृदय से देका है! मैंने देका हृदय से देका है! मैंने गाते हुये प्रभुका आराधना किया है! आराधना एक साधन है जो प्रभु को समझ सकते है!

एक दिन रविवार आराधना समय मे पाट्रिट ने प्रभु दर्शन को देका है! जो आपने कहना चाहता हु! यह दर्शन हमे बहुत कुच बताया गया! नियं को बताया गय ! इस पुस्त ध्वारा आप तक पहुंचाया! प्रभु सन्निधि मे मौन से प्रभुका ध्यान करना चाहियो! जब आप अको प्रभु दर्शन मिलने का सूचन होता है दर्शन ध्वारा दिकाय देता है (2 Kings 3 : 15)! उस रविवार को हर रविवार की तरह मै बहुत तग गया नन्ना सा बच्चा जाषुवा के त (Foster Son) जब कोयि गर पर नही त बच्चे का बहन ने कह बी नजर नही आया मार्क ने चर्च चला गया मै उस बच्चे का देक चाल किया! रात मे सब के लिये धावत (Dinner) पर आह्वान किया है! पर घर साफ़ नही है! मै बहुत परेशान तो मुझे समझ मे नही आया मे क्या करु मुझे तया होने के लिये व्यक्त नही है! मैंने तयार होकर चर्च गया जब आराधना समय त मुझे मार्क ने पूच कि रविवार कैसा लगा मुझे रविवार से नफ़रत मै गाना गा रह हु! तालिया

चर्च मे हम सब आराधना कर रहे ते! प्रार्थना कर्ते समय मैंने दर्शन देकात! मैंने देका त एक सफ़ेद (White House) गोडे पर सवारी कर ते हुये मे पास एक व्यक्ति उन होने सफ़ेद कपडे पहना मुझे गोडे पर बिटाकर लेगया! मुझे बहुत दूर ले गया मुझे सबी विषय को समजाया जो मै मुष्किल समय से गुजर रह हु! मेरा समस्य अच दूर हो गया हम ने फ़िर वापस लौटाहै! मैंने संपूर्ण विश्वास से प्रभु से प्रार्थना किया! प्रभुने मेरा समस्या को दूर किया है! मै ख़हु बहुत धन्यवाद देता हु! जो मेरा कु:ख को दूर किया है प्रभु के लिया! हम गाया है! स्तुति आराधना किया है! प्रभु पर मुझे संपूर्ण विश्वास हो ! गया अबि मुझे पहले जैसा गुस्सा नही है!

Faith : विश्वास

Rom 10 : 17 - प्रभु आवाज सुन लेने से पहचान से प्रभु पर अप ना विश्वास बड था है अप ना जीवन विश्वास एक अहम भूमिक विछाति है ! जब प्रभु हमे! उत्तर देता है या! जवाब देता विश्वास कुच समस्य नही होती! यह अप ने आप हो जाता है Mel Teri ने अपो!

इस किताब "The Gentle "of Jesus" ये कहा साधारण विश्वास कुच नही पर यह पाक ऐक प्रकृतिक सिद्धांत है! जो प्रभुको पहचान सक ते है प्रभु से अच्छा! इष था होता है प्रभुके अनुसार जीवा है! प्रभुका वाक्य , सूचन आचरन मे रक ना चाहिये!

आप कभी 50 वर्ष (years) पूर किय हुवा पति, पत्नी को कभी देका है? पत्नि , पति का संबंध ह्येर यहब्बर को देका है! ऐक दूसरे अच्छा पह चान ते है ऐक दूस रे अभिरुचि कपडे का रंग उन को क्या चाहिये! क्या नही सच मालुम होता है खान, पीन, सुबह मे नाषता (Breakfast) मे कोना खाते है सब विषय ऐक दूसरे को बहुत अच्छा मालुम है! किस होटल भोजन बहुत पसं दर ती है! उने अच्छी तरह मालुम है अगर उन का पति चिना किसी लिंक ने! पहे ते मर जाता है पत्नी को अच्छी तरह मालुम पति का सोने का घडि किसे! देना हय उन का महंगा कीताबे किसे देना अच्छा मालुम है क्योंकि वह पति पत्नी कयी साल से ऐक दूस रे सात गुजार है दोनों विश्वास के सात जीवन गुजार है अपन मे मुष्किल समय मे क्या करना है बहुत अच्छा मालुम है! यही विश्वास हम प्रभु से होता है! इसे कह ते है!

Christians इसायि लोगों का विशेष ताकत है प्रभु पर संपूर्ण विश्वास प्रभु को पह चान लेना उनका आवाजको पहचान लेना प्रभुके आज्ञा अनुसार चल ना चाहिये! प्रभु दिकाय हुवा मार पर चल ना चाहिये (Psalms 32 : 8, 9)!

(King David) दावीद महाराज उन के दर बार मे बहुत नौकर ते जो! पल महाराजा सेव के लिये! तयार रहते राजा को! क्या सेवा कर ना उने क्या चाहिये! सेवक को बहुत इच्छी तरह मालुम है महाराज काने के लिये! टेबुल पर बै ट था है! सेवक के तरफ़ देक था है! इषार कर्ता है जो भी हो कानेक पीने वाल मधु नौकर को इषारा कर्ता है महाराज नौकर आज्ञा देने कि जरूरत नही त! प्रभु हम से कहता है कि मै उसी तरह आप को उपदेश देता हु! अपना आंके प्रभु पर केंद्रित कर ना चाहिये! जो प्रभु हमे अच्छी तरह समझ सके! अच्छा मार्ग पर चला सके! प्रभु अप ने हर समस्या को समजता है! पाट्टि और मैने प्रभु का आवाज पहचान लेने मे बहुत मुष्किल हुवा! है अंतर को समझ ने मे मुष्किल हुवा है प्रभु ने पाट्टि जवाज मिला मे तुमा जीवन निर्णय से बरा हुवा है! सच तुमार ऊपर निर्बर है! तुम निर्णय लेनेसे पहले! मुझे पूच ना है तुमे सही उपाय बतावुंगा पाट्टि के मन मे संदेह हुवा इस को कैसे कर ना है! प्रभुने कह कि मुजे! हर प्रशन पुच ना इस का जरूरत नही है जो तुमे मदत कर सकु तुम अप ने तरफ़ से सौच ना जरूरि!

Summary

यह वाक्य हेब्री भास से लिया है इस का अर्थ है "Know" प्रभु के लिये! प्रभु बारे में जान लेना है हर इसाया के लिये जरूर है प्रभु के लिये प्रयास करना! अप ने हृदय में प्रभु के लिये स्थान प्रभु में अभिवृद्धि होते हैं मन को शांति मिल था है! अप हमेशा 4 मुख्य विषय को ध्यान में रक ना चाहिये!

Key 1) अंश 1 : प्रभु को पाने के लिये! अप ना हृदय में प्रभु को आह्वान कर ना चाहिये! जब परिशुद्धात्म आप के मन में प्रवेश होता है!

Key 2) अंश 2 : प्रभु सन्निधि में मौन रहना है! प्रभु को अंगूर मन में प्रभु को पहचान सक ते है!

Key 3) अंश 3 : हृदय का ध्वार हृदय के आंको से देख ना चाहिये! जो सप ना दृश्य को देख सके!

Key 4) अंश 4 : Journaling लिखने से बहुत फायदा है! मन का भाननों को पुस्तक में लिख ना चाहिये (Heb 10 : 22)!

Now get back and Relax अगर आप को प्रकृति से बहुत प्यार कर ते है! आप ववा पर जाकर! आराम से बैठ कर सोचना चाहिये! वाह के पक्षि हंस को देखने से मन प्रशान्त रह था है!

Heb 10 : 22 को ध्यान से पढ़ो दृश्य की कल्पना करो यह कहानी को दृश्य रूप स्मरण करो, उन पुस्तक में लिख ना जो प्रभु तुम्हें नहीं संदेश दे सके इस कहानी द्वारा प्रभु आप को! लूचन देता है! प्रभु अच्छा संबंध होते हैं प्रभु आप का हर कदम हर मुश्किल में हर कटि नाथि तुम्हें अवश्य सहायता कर था है आप के जीवन यह मुख्य अंश को ध्यान में! रक ना चाहिये प्रभु का आशीर्वाद तुम्हारे साथ होता है!

Appendix - A

Logos and Rhema in the Greek New Testament

David (Paul Yonggi) Cho ने पहला व्यक्ति है जो लागास रेमा के अंतर को बहुत अचा सम जाया त मै उन को नयगारा फ़ाल्स अन्वेन्शन सेंटर पर प्रसंग सुना त! रेमा का अर्त परिशुद्धात्म से सहवास कर ना ! यह प्रभु ध्वार दिया हुवा! वाक्य है! हम प्रबु वाक्य! सूचन से जीना है Rhema Word लिखा हुवा वाक्य से नहीं!

इस सारांश ने मुझे आकर्षित किया है! परिशुद्धात्म के सहवास से! जीना है! प्रबुका आवाज हमारे हृदय में होना चाहिये! मैंने तुरंत घर जाकर! कयी पुस्तक का अध्यायन किया! तकि मुझे मुझे इस का जवाब मिल सके! पर मुझे इस का सही जवाब नहीं मिला!

मैंने 2 साल (2 years) के बाद! मैंने इस का फिर से जांच कर ने! के लिये सोचा! इसे रेमा को (New Testament) में 70 verses! इस को उपयोग किया गया! (See Appendix B)

मैंने इसके लिये कयी बैबिल निगंट (Bible Dictionary) को देका त इसे लोगोग का प्रस्तावन New Testament में! ३३१ बार प्रयोग किया गया New Testament Theology में इसका अर्त Collect जय कर्ना Count विज्ञान, रंग बेद कम दाम आत्म परमात्म ऐसा कयी अर्त है!

New Testament में इसका अंतर बताया गया है! Logos और Rhema में अंतर बताया गया है Logos Christian Proclamation के बारेमें बताया गया Rhema Individual words. प्रत्येक वाक्य को बताया गया! (Mat 12 : 36)

(Mat 27 : 36)

(Mat 12 : 14)

(2 Cor 12 : 4)

ऐक हमार चर्च के सदस Members ने मुझे फोन य बताया है मै आप के पास ऐक व्यक्ति को Supervisor बिजा रह हु! इने आप का मदत का ! जरूरत है! मैने आज तक मुझे मदत Counsaling के लिये! कोयी नही आये है!

मैने ज Logos को 15 साल इस्का अध्यायन किया त पर! मैने उसे 2 गंटे मे कैसे सम जा सक ता! मुझे Rhema का जरूरत त मैने प्रभु से इस विषय का प्रस्तावन किया है! मै कैसे इने पहचान सक था हु ! प्रभु मुझे ३ मुख्य सूचना क्योंकि मैने कभी इस व्यक्ति को कभी नही देका है! प्रभुने मुझे कि मुख्य सूचना दिया है!

- 1) व्यक्त मोटा होता है!
- 2) लाल पहना है!
- 3) उने मेरा प्यार का जरूरत है! वाक्य को सम जाना है!

वह व्यक्ति मेरा पास आगया दिक ने! मोटा है! पहना है! उन होने मुझे सब कहानी सुनाया है! कुच साल पहेले उन होने प्रभुको स्वीकार किया त! फिर प्रभुसे दूर हो गया कुच दिन के! बाद प्रायश्चित किया; फ़िल दूर होगय यह इन का आदत हो गया! कयी साल से ऐसा कर ना इन का आदरत हो गया उन होने बहुत निराश दुःखी है, उनहोने स्वीकार किया प्रभु मुझे बहुत प्यार कर था है! मै प्रभु को पाना चाह था हु! प्रभु से प्रायश्चित कर ना चाह था है! मैने उन को प्रोत्साहन देने के लिये! निश्चय किया उने अचि तरह प्रभु मार्ग पर लाना है ! योहान ने कह कि प्रभु ने (Rhema) के बारेमे कह गया है! प्रभु ने कह मै! यह वाक्य सम जा रह हु! जो मेर पित मुझे वचन दिय! है उसे आप तक पहुचाया! है! (John 8 : 28, 38) प्रभु ने (Rhema) के विशेषता लोगो को बताने से परिशुद्धात्म ध्वारा लोग प्रसण हुये है! इसी तरह मै वाक्य परिचर्या! कर्ता हु! तो मेरा परिचर्या बहुत ताकत, शक्ति मिल था है!

Appendix B

The Seventy Uses of Rhema in the New Testament

रेमा को 70 तरह से नया अध्याय में उपयोग किया गया "Rhema" अनुवाद किया गया
अक्षय ह्य 54 Passages में दिया गया है!

Mat 4:4	John 6:63	Luke 24:8	Acts 11:16
Mat 12:36	Acts 6:13	Luke 1 : 38	Heb 6:5
Mat 18:16	2 Cor 12:4	Luke 2:9	John 12:48
Mat 26:75	Joh 6:68	Luke 3:2	Acts 16:38
Mat 27:714	Acts 10:22	Luke 4:4	Heb 12:19
Mark 14:72	2 Cor 13:1	Luke 5:5	John 15:7
Luke 24 : 11	John 8:20	Luke 20:26	Acts 26:25
Acts 2:14	Acts 10:37	Luke 24:8	1 Pet 1:25
Rom 10:8	Eph 5:26	John 8:47	John 17:8
John 3:34	Luke 1:38	Acts 10:44	Acts 28:25
Acts 5:20	Luke 2:29	Eph 6:17	2 Pet 3:2
Rom 10:17	Luke 3:2	John 10:21	Jude 17
John 5:57	Luke 4:4	Acts 11:14	Rev 17:17
Acts 6:11	Luke 5:5	Heb 1:3	
Rom 10:18	Luke 20:26	John 12:47	

Rhema अनुवाद "saying" 8 Messages एबोल ना कहेना

Mark 9 :32	Luke 2:51	Luke 1:65	Luke 7:1
Luke 2:17	Luke 9:45	Luke 2:50	Luke 18:34

Rhema अनुवाद "thing" वस्तु

Luke 2:15

Luke 2:19

Acts 5:32

Additional Verses

Mat 5:11

Luke 1:37

प्रभु के बिना कुछ भी संभव नहीं होता!

Appendix - C

Understanding the power of Rhema "The spoken word" रेमा को समझ ना
"कह हुवा शब्द" spoken Word.

Kinds of Rhema & Biblical Examples

रेमा के बारेमे बैबिल ध्वारा उदाहरण!

Most Life Giving

मै कहूंगा प्रभु मुज से कह है!

(John 14:16)!

"The Words Rhema"

जो शब्द तुम ने दिया है! मे उन को दिया है (John 7:8)

(Luke 1:38, 5:5, John 5:19, 20, 30; 8:26, 28, 38, 3:34; 6:63; Acts 10:13,
2 Cor 12:4; Eph 6:17; Heb 11:3,12:19)

Possible Life Giving

जीवन दान देने वाला लिखा हुवा वाक्य ध्वारा कहता को!

Neutral: अप ने तरफ़ से कह था दो या तीन व्यक्ति ध्वारा कह हुवा साक्षि को यकीन!

कर्ना (Mat 18:16)

Somewhat Destructive

सातान ध्वारा मिला हुवा को कह ना जो मैने पहेले सुनात (Mat 12:36)

(सूचन वाक्य)

Most Destructive : मै कह था हु! जो सैतान ने मुझे आदेश दिया है गलत रास्ते पे

चलाता है! गलत वाय कहता है! (Acts 6:11)

जनाब Tongue आग तरह होता है (James 3:6)!

Our Goal

आपना गम्यस्तान :

अच्चा जीवन चिताने के लिये! हम प्रभु वाक्य का तिचरण हु! कर्ना है जो प्रभु आदेश देता है! (John 14:10, 16)

Appendix - D

Greek New Testament Words used to describe Revelatory Experiences

ग्रीक नया अध्याय शब्द से कह हुवा, अनुभव ध्वारा कह हुवा सारांश

Words Describing Dreams & Visions

सपने ध्वारा दर्शन ध्वाड़ कह हुवा मुख्य वाक्य

ग्रीक नया अध्याय में बहुत वाक्य है सारांश है जो सपने ने ध्वारा दर्शन ध्वार सूचन किया गया मुख्य सारांश

Onar - ओनार - यह एक वाक्य है सपने ना Dreams को कहते हैं!

(Mat 1:20; 2:12, 13, 19, 22, 27:19)

Enupniom : यह नींद में देखा हुवा! सपना! सपना देखने से आश्चर्य चंचित होता है इसे (Acts 2:17, Jude 8) अध्याय में कहे गया है!

Haroma :- Translated "Vision" यह अनुवाद किया हुवा वाक्य "दर्शन". इस तरह दर्शन को रात के समय सोने के समय में देखते हैं (Mat 17:9, Acts 7:31, 9:10, 12, 10:3, 17, 19; 11:5, 12:9, 16:9, 10 and 18:9) में दिया है

Opasis : इसे आंक का वर्णन किया गया है! दृष्टि संबंध विषय! इस का दूसरा वर्णन है (Supernatural Vision) दिव्य दृष्टि! इस विषय को Acts 2:17 & Rev 9:17 अध्याय में वर्णन किया गया इसे ग्रीक में! शारीरिक Physical & Non-Physical यह दोनों बड़िया महत्त्व दिया है!

Opstasia : अनुवाद "Vison" दृष्टि से देखना ! दूसरों! के तरफ देखना इस लूक 1:22, 24:23; Acts 26:19 & 2 Cor 12:1 में दिया गया है!

Ekstasis : इस वचन से वाक्य से अंग्रेजी अक्षर Ecstasy का! आविर्भव हुआ! Derived Standing aside oneself आश्चर्य, अंदोलन , बयभीति का वर्णन किया गया इसे नींद (Sleep or Waking Experience जागना अर्थ भी है सपना दर्शन का अर्थ बताया गया Mark 5:42; 16:8; Luke 5:26; Acts 3:10, 10:10, 11:5, 22:17)

Ginomai en Pneumati:- परिशुद्धात्म ध्वारा प्रेरणा मिलना परिशुद्धात्म ध्वारा दर्शन मिलना या देखना परिशुद्धात्म ध्वारा देखना, बात करना Mat 4:1; Mark 1:12 & 4:1.

Ephistemi, Paristemi. इसका अर्थ है दिन में या रात समय में सच्चाई! घटना को देखना! इसे Luke 11 Acts 10:30, 16:9, 23: 11 & 27:23. में बताया! Angelos अर्थ है Angel देवमात बिजाया हुआ Messenger प्रवक्ता Acts 10:3, Jude 8 प्रकटन अध्याय में बताया गया है!

Blep and Eido :- देखना इसका सही अर्थ है देखना see.

Rev 9:9, Luke 7:36

Blep:- अर्थ है शारीरिक से देखना (Physical Seeing) Eido को अर्थ है प्राकृति को देखना प्राकृतिक सौंदर्य को देखना!

Apokalupis - इसका अर्थ है बताया जाना बताना Rom 16:25, 1 Cor 14:6, 2 Cor 12:1, 7 and Gal 2:7. in अर्थ को देखकर समझना है! इसाई समुदाय लोग अपना व्यक्तिगत रूप से! अपना अनुभव अनुसार इस वाक्यों को उपयोग करना चाहिये!

Appendix E

How God uses Vision and Image

प्रभु किस तरह दर्शन को , दृश्य को उपयोग किया है!

बैबिल को आप पड ना चाहता है ! जो प्रभु ध्वार आप को सूचना दिया गया है! इस्का अप ना दृष्टि केंद्रित कर्ना चाहिये! आदि कांड से प्रकटन तक जो ची अध्याय तक जो बी हो प्रभु सन्निधि मे प्रार्थन कर ना चाहिये! जो प्रभु तुमे सही वचन प्रार्थना ध्वार उत्तर मिल सके हम! नीचे बताया हवा अध्यायन को ध्यान से पड सक ते है आप के लिये सूचित किया गया है मुख्य विषय इस पर आधारित है! Dream सप ना vision दर्शन Seer देक ना look आंको से देकना प्रभु से परिशुद्धात्म पर को पाने केलिये इस अध्याय पर विशेषता से ध्यान देना चाहिये! (Eph 1:17, 18) इस वाक्य ध्वारा प्रभु तुमे सहायता कर्ता है! नेचे दिये गये! मुख्य प्रश्न है जो आप पूच ना चाहता है?

1) अप ने जीवन मे सप ना , दृष्य रूप मे दर्शन मिल ना प्रभुका मुख्य उद्देश क्या है?

- a) इस्के ध्वाड़ा प्रभु जवाब देगा?
- b) इस अनुभव को पाने के लिये किस तरह होना चाहिये?
- c) सैतान अप ने सप नों मे दर्शन मे आदेश देता है?
- d) सप ने दर्शन का परीक्षा कर ना?
- e) सपने अर्शन को पाने केलिये कुच कर नां

2) प्रभु हमे दर्शन, सप ने इस लिये देता है हम ने, जवाब मिल सके?

- a) अगर ऐसा होता है, दर्श न सप ने किस तरह होना चाहिये? कुच उदाहरण दीजिये!
- b) सप नोंका गलत उपयोग से क्या होता है? उदाहरण दीजिये?

3) क्या हम इस दर्शन पाने के लिये, अप ना हृदय की आंक से देक ने के लिये कुच कटोर श्रम कर ना है!

4) इस प्रश्न का जवाब मिल ने के लिये! बैबिल का अध्यायन कर ना है Gen 1: 1 to Rev 22:21. Subject 1) दर्शन 2) सप ना 3) जांच (कोज) 4) देक ना आकों

Gen 3 : 5	Hos 12 : 10
Gen 3 : 6	Joel 2 : 28
Gen 3 : 7	Acts 2 : 17
Num 12 : 6	John 5 : 19
1 Sam 28 : 6	John 5 : 20
1 Sam 28 : 15	John 8 : 36
Psalms 89 : 19	

Opened Eyes

Gen 21 : 19	1 Sam 3 : 9
Num 22 : 31	1 Sam 3 : 10
Num 24 : 2	1 Sam 3 : 15
Num 24 : 3	2 Ki 6 : 15
Num 24 : 4	2 Ki 6 : 16
Num 24 : 15	2 Ki 6 : 17
Num 24 : 16	Job 33 : 15
Deut 29 : 2	Job 33 : 16
Deut 29 : 3	Psa 119:18
Deut 29 : 4	Isa 42 : 18
1 Sam 3 : 1	Isa 42 : 19
1 Sam 3 : 2	Isa 42 : 20
1 Sam : 3 : 3	Isa 44 : 18
1 Sam 3 : 4	Jer 5 : 21
1 Sam 3 : 5	Lam 2 : 9
1 Sam 3 : 6	Matt 13 : 15
1 Sam 3 : 7	Matt 13 : 16
1 Sam 3 : 8	Mark 8 : 18

John 12 : 40

Acts 28 : 27

Rom 11 : 8

Rom 11 : 10

2 Cor 4 : 18

Looking to see

Gen 18 : 1

Gen 18 : 2

Gen 31 : 10

Gen 31 : 11

Gen 31 : 12

Exo 3 : 1

Exo 3 : 2

Exo 3 : 3

Exo 3 : 4

Exo 3 : 5

Exo 3 : 6

Exo 16 : 9

Exo 16 : 10

Exo 16 : 11

Josh 5 : 13

Josh 5 : 14

Josh 5 : 15

1 Chro 21 : 16

Dan 10 : 1

Dan 10 : 5

Dan 10 : 6

Dan 10 : 7

Dan 10 : 8

Dan 10 : 9

Dan 10 : 10

Dan 10 : 11

Dan 10 : 12

Dan 10 : 13

Dan 10 : 14

Dan 10 : 15

Dan 10 : 16

Psa 5 : 3

Psa 25 : 15

Psa 123 : 1

Psa 123 : 2

Psa 141 : 8

Isa 8 : 17

Isa 17 : 7

Isa 17 : 8

Isa 40 : 26

Ezek 1 : 1

Ezek 1 : 4

Ezek 2 : 9

Ezek 8 : 3

Ezek 8 : 4

Ezek 8 : 5

Ezek 8 : 7

Ezek 10 : 1

Ezek 10 : 9

Ezek 44 : 1

Ezek 44 : 4
Ezek 44 : 5
Dan 12 : 5
Zech 1 : 18
Zech 2 : 1
Zech 4 : 2
Zech 5 : 1
Zech 5 : 5

Zech 5 : 9
Zech 6 : 1
Acts 7 : 55
Rev 4 : 1
Rev 6 : 8
Rev 14 : 1
Rev 14 : 14
Rev 15 : 5

Seers

2 Sam 15 : 27
2 Sam 24 : 11
1 Chro 25 : 5
1 Chro 29 : 9
2 Chro 9 : 29
2 Chro 19 : 2

2 Chro 29 : 30
2 Chro 35 : 15
Amos 7 : 12
1 Sam 9 : 9
1 Sam 9 : 10
1 Sam 9 : 11

Responsibilities of Seers

2 Sam 24 : 11
2 Sam 24 : 12
2 Ki 17 : 30
1 Chro 9 : 22
1 Chro 17 : 3
1 Chro 17 : 4
1 Chro 17 : 15
1 Chro 21 : 19
1 Chro 21 : 10
1 Chro 26 : 28
1 Chro 29 : 29

2 Chro 9 : 29
2 Chro 12 : 15
2 Chro 16 : 7
2 Chro 16 : 8
2 Chro 16 : 9
2 Chro 16 : 10
2 Chro 29 : 25
2 Chro 32 : 32
2 Chro 33 : 18
2 Chro 33 : 19
2 Chro 35 : 15

Ezek 40 : 2

Ezek 40 : 4

Ezek 40 : 6

Hab 2 : 2

Hab 2 : 3

Rev 1 : 10

Rev 1 : 11

Rev 1 : 14

Appendix F

Dreams and Visions throughout Church History

सपने, दर्शन , केवल अप ने लिये नहीं, चर्च (मंदिर) पर इस का बहुत प्रभावित किया है प्रार्थना स्थल को प्रभावित किया है इस का कुछ उदाहरण है 2000 साल में हुये कुछ मुख्य घटना है!

Augustine:

उन होने सपने, दर्शन को इनकार नहीं किया, उन होने इसे समर्थन दिया त उन दिनों इस विषय को नहीं मानते थे! पर (Augustine) इस सपने में प्रभु दर्शन को समर्थन दिया है! उन होने इस पर किताब लिखा है DeGeneri ad. Litteram

Poly Carap

यह पुस्तक Martyrdom of Polycarp लिखा है इस में उन होने लिखा है ! दर्शन द्वारा सूचना दिया है आगे क्या विपत्ति आने वाला है! उन होने सपने में (तकी) Pillow के नीचे जल में हुये देखा है इस दर्शन द्वारा पता चला है आगे दिनों में! मेरी मौत होने वाला है

Justin Martyr

उन होने लिखा है!

उने दर्शन आत्म द्वारा बिजाया गया है उन होने समझा विश्वास किया दर्शन , सपने द्वारा दृश्य सैतान द्वारा प्रभु द्वारा मिला हुआ है!

Irenaeus

उन होने दर्शन पर आधारित विषय को लिखा है उन होने बहुत अच्छी तरह दर्शन सपनों के आधारित विषय अच्छी तरह दर्शन , सपनों के आधारित विषय अच्छा समझाया के सपने को लिखा जो (Acts) में लिखा है १०थ चप्टर पीटर ने कहा सपना एक सच्चाई आधारित घटना है उने पहचान कर ना है! प्रवक्ता पाल का दर्शन के बारे में कहें! प्रवक्ता

जोसेफ़ का दर्शन को याद दिला या है! जो प्रभु से अच्छा संबंध त! प्रभु को अप ने आंको नहीं देक सक्ते है (ईन्विसिब्ले) प्रभु ने प्रिय शिष को प्रवक्ता दर्शन ध्वारा सप ने ध्वार संदेश देता है!

Clement :

उन होने इस का सही अर्थ नींद का सही अर्थ बताया है! लोगों से कह जो प्रभु के सच्चा लोग प्रभुको मान ते उन से कहना चाह था हु! रोष नी (light) के दर वाज या किडकि कोल ने जरूरत नहीं है! सही रोष ने के लिये! अप ने यन मे! प्रभु को आह्वान कर ना वही सही रोष नि है जो हमे नहीं रोष नि का मार्ग दिकाति है! प्रभु ध्वारा दिया हुवा सूचन दर्शन रूप मे! सप ने ध्वारा दिकायि देता है! मै इसे मानता हु!

Origen :

Celgus को Origen ने अच्छा जवाब दिया उन होने Pagans को जवाब देति होये! बैबिल आधारित दर्शन को दोहराय हुये कह सप ने आधारित दृश्य! या दर्शन प्रभु ध्वारा मिलता है इस मे! कुच प्रभु पंचाद होता है! और कुच सप ने भविष्य मे होने वाले, आगे होने वाला घटना को सूच देता है! सप ने कयी तरह होता है! कुच सप ने नींद मे होता है! जाग ते समय (Walking Vision) होता उन के अच्छायि के लिये होता है या भविष्य मे होने वाले घटना को सूचित कर्ता है!

Tertullian :

उन होने 8 अध्याय को लिखा त! A Treatise on the Soul (or) De Anima. जो नींद मे, सप नों पर आधारित विषय को बताया है! बताया है सप ने सोते समय नींद मे होता है (Infants) मे होता है! वे 4 प्रकार के होते है 1) सैतान ध्वारा 2) प्रभु ध्वारा 3) प्राकृतिक से होता है 4) Unconscious State पर इस का ध्यान नहीं होता है! यह सप ने अप ने भविष्य पर आधारित होता है, अप ना जीवन पर आधारित होता है!

Transcius Cyprian : Bishop of Carthageion 250 AD (Florentius Pupienus) को पत्र लिखा है उन होने कहा कुच ओगों को सप ने अजीब दिक् था है सप ने

गलत हो सक्ता है! दूसरे संदज ये कह है प्रभु दर्शन ध्वार हमें मार्ग दिकाता है! जो सच्चायि मार्ग पर चलाता है!

Lactantius :- Constantine ध्वारा चुना हुआ व्यक्ति इन का पुत्र को शिक्षा देने के लिये, पढायि के लिये! नियमित किया गया! Divine Institutes में चुना हुआ अह्दयाय है! the use of Reason in Religion धर्म में इन का उपयोग Dreams Augustus, Oracles : similar portents में उदाहरण बताया गया! सपने नों ध्वारा दर्शन ध्वारा भविष्य का निर्णय को बताया गया है! Pagans को इसाया समुदायि लोगों को बताया गया!

Constantine : Lactantius ने Acamenly Vision परिशुद्धात्म दर्शन के बारेमें लिखा है! जो Constantine को बहुत बड़ा विजय सन 300 AD में पायात जब उन होने बहुत मुष्किल समय में गुजर रहे थे प्रभु का सहाय मांगा त!

प्रार्थन ध्वारा प्रभु से निवेदन किया जो प्रभु ध्वारा सही जवाब मिल सके! प्रार्थन कर्ते समय उन होने आकाश में प्रकाश देका अक्षर आकार को देका इन से विजय पावो उन होने बहुत आश्चर्य से देका है, उन का जवान ने भी इन आश्चर्य कार्य को देका! इस सारा घटना को लेकर को बताया जो उन होने देकात! उन को कुछ संदेह हुआ उसी रात में सपने नों में प्रभुको देका वही अक्षर उन के जवान ने देकात! प्रभु ने उन विश्वास दिलाया शत्रु से लड़ने के! लिये हिम्मत दिया, ज्वाकत दिया जो शत्रु सेना से युद्ध कर सके प्रभु ने उसे अक्षर का नमूना बताय जो युद्ध के समय इसे उपयोग करे! अगला दिन इस आश्चर्य को मित्रों से जवान को बताया त ! उस नमूना को सोना Gold और महंगी पत्थर stones से बनाने के लिये! आदेश दिया वे उसी प्रकार बनाये ते!

Socrates :- साक्रेटीस एक मह विध्वान त! मेधावि त! ग्रीस देश में बहुत ही प्रसिद्ध में! उन होने सपने के बारे में ! बताया त जो Ignatius of Antioch ने Ignotius ने सपने में देकात कि देव दूत समूह गा रहे हैं!

Anthanasius : Bishop of Alexandria अलेक्सांड्रिया के दरम अधिकारित उन का मशूर (Masterpiece of Christian Apology) Against the Heathen, उन होने

लिका त जब शरीर विश्रांति लेता है रेस्ते या नींद मे होता है! शरीर का अंदर से काम कर ना आरंभ होता है, अप ना मन (Heart and Soul) दूसरे प्रांत, कयी हजार मील दूर चला जाता है रिश ते दार से मिल था है उन से संभाशन कर था है! मन देश संचार कर था है! इस मन को नियंत्रन कर ना मुष्किल है! शरीर मन को नियंत्रन करना ! बहुत मुश्किल है! अपना ऐक बार नींद मे होता है (Death) मौत होता ह्य! अप ना शरीर से आत्म Soul शरीर Body को चोडकर चला जाता है!

Gregory of Nyssa : ग्रेगरी न्यासा ग्रेगरी का सिद्धंत (Philosophy on the Making of Man) उन होने इस विषय (नींद) पर बहुत अध्यायन किया है! जो सपने ने इन सान जीवन मे अहम भूमिका निभाता है! उन होने मान था है जब व्यक्ति नही सोत सच इंद्रिया आराम लेता है! अंदर का आत्म काम कर था है ! उन होने कहता है! सभी लोग उन का बुद्धी से चल ते है! कुच लोग इस विज्ञान से! प्रभु से संभाषन कर्ते है! कुच लोग सपने ने मि ! दर्शन देक ते है उसे याद कर्ते है! उसे आचरण मे रक्ते है! Gregory कहता है नींद मे हम सपने ने देक ते है अपने जीवन पर आधारित होता है! आगे भविष्य मे होने वाले घटनाको सूचन देता है! यह अप ना पुराने जमाने मे सपने ने के ! आधार पर मरीज का रोग का लक्षण को पहचान ते ते किस वजह से रोगि कम बोर हो रह है इसके लिये! सपने पर विश्वास कर ते त कि उसे सही अंदाज से चिकित्स कर सके! यह ऐक अंद विश्वास है ग्रेगरी ने ऐक सेर्मन मे उपदेश दिया त! In Praise of the Forty Martyrs उन होने सपने के बारे कहा! जो देकात जवान सौल्जर्स celebration मे कह सपने मे Martyrs ने Gregory से Challenge (शर्त) किये है! यहा उन के जीवन मे बहुत असर हुवा त! उन होने कह सपने ने मानव के! अंदर चि पा हुवा द्वेष दर्शन ध्वारा हमे दिकायि! देता है!

Basil the Great

Basil ने Isaiah अध्याय पर चर्चा किया त! सपना अप ने मन मे चिपा हुवा भावना है! सपने ध्वारा दिकायि देता है! बैबिल अध्याय मे वचन पर आधारित पर हमे! सपने ना दिकायि देताहै! पर्वक्ता डानियेल, जोसेफ को इसी तरह का सपना देका त!

Basil ने सपने ने के बारे कह जो पत्र ऐक महिळा को दिया त इस मे! कह गयाकि तुम प्रभु पर विश्वास कर ना बहुत व्यक्ति प्रभु सन्निधि मे बिताना है!

Gregory of Nazianzen

Gregory ने दूसरा पुस्तक लिखा है! बचपन से मुझे प्रभु ध्वाड़ दर्शन मिला है! प्रभु वाक्य ध्वार ज्ञान बुद्धि मिला है! एक संदर्भ में कहा कि उन के अंदर मन में पैदा उवा ज्वाला (Spark) जो प्रभु केलिये समर्पित कर ना चाह था है!

St. John Chrysostom उन होने (Acts अपोस्तल) ग्रंथ पर प्रसंग किया त! प्रभु ने कुछ लोगोंको दया किया कुछ लोगोंको दिया (दर्शन) है कुछ लोगों को इस का दर्शन नहीं मिला कयी प्रवक्ता ने प्रभु का दर्शन को सपना ध्वारा मिला है उन होने कह कुछ कम लोगों को दर्शन मिला है या! आश्चर्य कार्य को देका है! दर्शन उसे मिलता है! जो प्रभु का इच्छा को पूरा कर्ता है! प्रभु का परिशुद्धात्म को पाता है! इस तरह का दर्शन (जोसफ़) प्रभु का पिता को दिया है Peter, Paul एक उदाहरण है!

Synesius of Cyrene

Synesius ने लिखा है जो सपना दर्शन वर्ष पुस्तक लिखा है! उन होने कह एक व्यक्ति जागते समयें सीक था है! दूसरा सोने के समय पर जागते समय (Waking State) व्यक्ति को अध्यापक (Teacher) प्रभु अपना सपना को सफल था करता था है! सपना को साकार कर ना अपना प्रथम कथ्यव्य है! Synesius इस पर चर्चा करते हुवा कहता है! दर्शन या सपनों पर गहराई से अध्यायन करने से हमें! आश्रीवाद मिल था है इसे अध्यायन हमें! बहुत ज्ञान, बुद्धि, मिल था हमें जीवन में कैसे मुष्किल का सामना करना है कैसे विजय पाना हमें! अच्छा मालुम होता है! उन होने कह कि सपने ध्वार उन को लिखने का प्रेरण मिला है! मुष्किल समय में वोसा दिलाया है! उनहोंने दूसरा लोगों! को मजाक (व्कंग) Fun किया जो सपनों पर रचना किया, पुस्तक लिखा है!

उनका अहना है जो व्यक्ति परिशुद्धात्म ध्वारा दर्शन मिल था है! उसका अनुभव कर्ता है! उसे पहचान कर ना है! कुछ दर्शन या सपना ऐसा होता है जो प्रभु ध्वाड़ा सूचित किया जाता है! कोयी भी व्यक्ति इसे ध्यासे पडना चाहते हैं इसे एक पुस्तक रूप में लिखना चाहिये! जब दोनों

मे अंतर मालुम होता है नींद (sleep) औड़ (Waking) जागने मे अंतर मालुम होता है! उन होने ने (Mythology) जा सप ने मे संबंध को पहचाना है! कह कि (Myth) सपने पर आधारित है सम जाया कि सपने Dreams नित्यजीवन (Eternal Life) का सूचन देता है! मरण (Death) के बाद आत्म (Soul) शरीर अलग होता है! यह ऐक Dream Life सपने का जीवन है!

Ambrose :

इन होने अपने पत्र मे अप ना प्रयश्चित का पत्र जो Theodosius को लिका त ! प्रभु ने राज Theodosius को प्रायश्चित के लिये कह त! प्रभु ने Ambrose को आज्ञा दिय कि राज Theodosius प्रायश्चित के लिये! उन के उरपर बोज ते ! उन होने! पत्र ध्वारा राजा को संदेश बेजा त! यह पत्र मे (नाटक रूपांतर) Dramatic Words मे त यह पत्र मेरा अप ना हत से लिका है! सिर्फ तुम ही समझ सक्ते हो! मुझे चेतवनि दिया! यु जे कोयी व्यक्ति नही कुराय या! को यी मुझे चेतावनि दिय! मुझे प्रभु ध्वारा संदेश मिलात कि तुमे प्रभु का संदेश पहुंचा सकुं! कल रात प्रभु ने मुझे दर्शन ध्वारा मुझे सूचना दिया है! तुमे बदल सकुं!

Augustine:

Augustine दर्शन, सपनों के! बारे बहुत कुच लिका त! (Christian life) इसायि जीवन को बहुत प्रभावित कर्ता है उन होने समाज मे अच्छायि, बुरायि को देका त उसी आधार पर सच्चा संघटन को लिका त! Augustine ने कहता है हर ऐक व्यक्ति अप ने आंक से बाहर क दुनिया को देक था है बाहर से ग्रहण कर्ता है उसे ध्यान कर्ता है! अंदर के आंक (Inner Eye) से जो देक्ता है जांच कर्ता है उसे संभाल कर समाचार को इकट्टा (Collected) कर्ता है उसे (Memory) याद दिलात है!

(Angels & Demons) डेवदूत और सैतान (Inner Eyes) अंदर का आंक को प्रभावित कर्ता है!

रोज जीवन मे होने वाला सच्चा घटआ बाहर आंक Natural Eye से देक ते है! अपने ध्वारा दर्शन ध्वारा अंदर से प्रभावित कर्ता है देवदूत इन सान से संबंद होता है! करीब रिस्ता होता है हमे संदेश बिजाता है उसी तरह सैतान भी वही कर्ते है Augustine ने दर्शन धा सप ने के! बारेमे बहुत कुच लिका है! इस मे ! उन का मात का सप ना को! लिका त जो बहुत

महूर हुवा है माता ने सपने में देका त क उन होने ऐक Device जैसा त राजु मै कडी है माता के पास ऐक व्यक्ति मुस्कु राते हु आये! है कह तुम (क्यों) रो रही हो! माता ने जवाब दिया मेरा बेटा! प्रभु न जरों से बहुत दूर चला गया है! उने प्रभु के! पास कैसे! लाना है इसी लिये मै रो रही हु! कुच देर के बाद देका है बेटा ने! मा के सात कडा है! माता बहुत संतोष हुवा मा ने बेटी के लिये बहुत प्रयास किया है प्राड्थना किया है!

Jerome :

ने बचपन से Classics पड ना बैबिल पड ना बहुत ही रुचि त! दोनोंके बीच संघर्ष जैसा त उन होने दर्शन मिलने तक बैबिल पर उतना ध्यान नहीं दिया है! मुझे परिशुद्धात्म ध्वारा प्रभावित हुवा और मुझे न्याय स्थान Judgment Seat पर लाया गया! इस्का रोष नि बहुत तेज त! उसे देक नहीं पाया मैने जमीन पर गिरा त मुझे पूचा त कि तुम कौन हो मैने जवाब दिया मै इसायि हु (Iam Christian) कहत तुम जूट कहते हो (Liar) तुम Cecero का अनुचर हो प्रभुका व्यक्ति नहीं होते इस तरह अनेक प्रश्न पूचने लगे! मैने मौन रह मैने प्रभु सन्निधि में आकर प्रायश्चित के लिये मांग! प्रभु मुझे क्षमा करो! मै पापी हु मुझे क्षमा करो प्रभुसे कह प्रतिज्ञ किया फिर मै (Classic Books) तरह का पुस्तक नहीं पडुंगा अगर ऐसा कर्ता हु तो मै आप के साम ने जूटा बनूंगा मै प्रार्थन कर ने से प्रायश्चित मांगने से मेरा बोज हलगा होगया है! मैने नींद से उटा! तुरंत मै! प्रभु का किताबो को पडा मै इसे बहुत विषिष्टता दिया त! इसे पहले मै दूस रा किताब को देता त Jerome का पडायि उने नया रास्ता दिकाया त Dreams (सपने) Vision (दर्शन) पर बहुत ज्ञान मिला त Jeremiah 23:25.

सपने या दर्शन प्रभु ध्वारा दिया हुवा सूचन है!

Isaiah 65:4

Leviticus 19:26

अध्याय में दर्शन पर कह गया है!

Deuteronomy 18:10

इस्के बाद हम 1000 वर्ष काल को याद कर्ते है उसे (Dark Ages) कह जाता है!

Thomas Aquinas

Aquinas ने Aristotle का प्रसंग पर बहुत ही प्रभावित हुवा है! उन होने (Christian) इसाया से ज्यादा Aristotle को प्रसंग उपदेश को बहुत महत्व दिया त! (World View) से उने कुच मन का शांति नही मिला है कुशी नही दिया है उन होने कयी कटिनायी का साम ना कर्ना पडा सप ने पर दर्शन पर बहुत! अध्यायन किया है! देव दूत परिशुद्धात्म अंतर मे दर्शन मे अंतर अनुभव हुवा है! उन होने प्रभु से अच्छा संबंध रह! उन होने के! दर्शन सप ने को देका है उस अनुभव को पुस्तक रूप मे लिखा है!

"The Great Books of the Western World Volume - 19. (Thomas Aquinas)
(Chicago Encyclopedia)

यह ऐक दशा त जो मह व्यक्तियों का जीवन बदल गया है! दर्शन का महत्व को पहचाना है!

Abraham Lincoln :

अमेरिका अध्यक्ष (Abraham Lincoln) ने मर्ने से कुच दिन पहले उन होने सप ना देका त! ऐसा बहुत कुच व्यक्तिया का उदाहर है! जो सप ने ध्वारा प्रभावित हुये है! आज हम देक ते है (Market) मे कयी तरह का पुस्तक है जो (Christian Philosophical) और Theological Base पर सप ने पर आधारित है! व्यक्ति का साख्य Testimony पर सच्चा आधारित पर, सच्चा घटना पर कयी पुस्तक हमे ! पुस्ता कालम मे! मिलता है, दर्शन पर आधारित सपने पर आधारित कयी पुस्तक मिला है यह पुस्तक अपना जीवन मे बहुत प्रभावित कर्ता है!

Dialogue with God

In this book you will learn:

- The four keys to hearing God's voice.
- What His voice sounds like.
- How to receive visions from the Lord.
- The power of journaling—recording what God speaks to you.
- How to discern His will for your life.
- How you can know *for sure* it's God's voice.

It will change your life, forever.

"As a pastor for 47 years and seeking to lead people into a dynamic relationship with the Father, I know of no more valuable and necessary thing than what Mark so simply and definitely teaches. I highly recommend this book as a vital and necessary aid for growing and maturing Christians."

Peter Lord, pastored the Park Avenue Baptist Church for over 20 years

"When I heard Mark's material in the early 80s, it quadrupled my ability to hear God's voice, taking a lot of the guesswork out."

Dale Bolton, Senior Pastor, Thornhill Vineyard, North Toronto

"*Dialogue with God* has dramatically changed my prayer life. I have found I can dialogue with Christ on a daily basis. I believe this inspired approach to be absolutely essential to the growth of every serious Christian."

Dr. Richard Watson, Dean of the School of Education, Oral Roberts University



MARK VIRKLER, Ph.D., and PATTI VIRKLER, D.Min., are prolific co-authors, and President and Academic Dean of Christian Leadership University, which was one of the first on the internet. They homeschooled their two children, who now work with them in the ministry. Mark has taught on hearing God's voice for over 25 years on six continents. The message has been translated into over 15 languages. They reside in Buffalo, New York.

TRANSLATED BY:-

A. Israel Krupanandam M.A., B.E.d.,

CWG-INDIA